नई दिल्ली
रविवार, 28 जनवरी 2024
माघ मास कृष्ण पक्ष,
तृतीया वर्ष : 27, अंक : 293
पृष्ठ 12 मूल्य 2.00

मौसम
अधि. 28
न्यूून. 08

हरिभूमि

दिल्ली, हरियाणा, छत्तीसगढ़ व मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी
haribhoomi.com

चार दशक बाद बग्घी की वापसी

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू एवं फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के साथ पारंपरिक 'घोड़ा-बग्घी' में कर्तव्य पथ पर पहुंची। बग्घी का ट्रेडिशन 40 साल बाद वापस आया। इस ट्रेडिशन को 1984 तक फॉलो किया गया। इंदिरा गांधी की हत्या के बाद सुरक्षा के कारणों से इसे बंद कर दिया गया था।

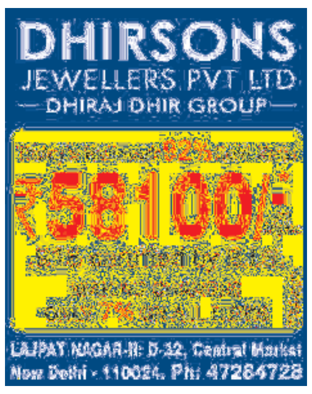

बिहार में राजनीतिक उथल-पुथल के बीच नीतीश कुमार पर सबकी निगाहें

नीतीश फिर पलटे, लालू को छोड़ एनडीए के साथ, आज इस्तीफे के बाद लेंगे शपथ!

ये है फॉर्मूला नए समीकरणों में दो डिप्टी सीएम व सीएम का फॉर्मूला बन रहा है। दो डिप्टी सीएम में सुशील मोदी और रेणु देवी का नाम चल रहा है।

सीटों का नया गणित

कुल सीटें	:	243
बहुमत	:	122
एनडीए गठबंधन		
भाजपा	:	78
जेडीयू	:	45
हम	:	04
कुल : 127 (बहुमत से 5 ज्यादा)		
महा-गठबंधन		
आरजेडी	:	79
कांग्रेस	:	19
लेफ्ट	:	16
निर्दलीय	:	01
कुल : 115 (बहुमत से 7 कम)		
एक अन्य किसी के साथ नहीं		

2019 का प्रदर्शन दोहराना चाहती भाजपा। लोकसभा 2019 के चुनाव में एनडीए को 54% वोट मिले थे, जिसमें से 22 प्रतिशत वोट जदयू का था। जबकि महागठबंधन को 31% वोट मिले थे।

दरअसल, 4 महीने बाद लोकसभा चुनाव होने वाले हैं और भाजपा बिहार फतह करना चाहती है

इस घटनाक्रम के बाद इंडिया गठबंधन का कुनबा बिखर जाएगा भाजपा के लिए यह बड़ा मौका

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने केंद्रीय राज्य मंत्री अश्विनी कुमार चौबे के साथ शनिवार को बक्सर के ब्रह्मेश्वर मंदिर में पूजा-अर्चना की।

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली/पटना

राजनीति में एक शब्द बड़ी तेजी से पापुलर है-खेला। अब यह बिहार के लिए प्रयोग हो रहा है। सीएम नीतीश कुमार रविवार को इस्तीफा देकर एनडीए के कुनबे में शामिल हो सकते हैं। नीतीश कुमार एक बार फिर से भाजपा के साथ सरकार बना सकते हैं। भाजपा और जेडीयू ने पटना में विधायक दल की बैठक रविवार ▸▸ शेष पेज 5 पर

भाजपा की कुर्मी वोटों पर नजर

भाजपा का ध्यान लोकसभा चुनाव पर है और वह 2019 वाला प्रदर्शन बिहार में फिर से दोहराना चाहती है। 2019 के लोकसभा चुनाव में एनडीए गठबंधन को 40 में से 39 सीटें बिहार में मिली थी। 17 सीटों पर चुनाव लड़ी जेडीयू ने 16 पर जीत हासिल की थी तो वहीं भाजपा ने सभी 17 सीटों पर जीत हासिल की थी। वहीं 6 सीटें लोक जनशक्ति पार्टी ने जीती थी। लेकिन 2022 के अगस्त महीने में नीतीश कुमार एनडीए से बाहर हो गए और आरजेडी के साथ उन्होंने सरकार बनाई। ऐसी कई सीटें हैं जहां पर नीतीश कुमार की पार्टी जदयू ▸▸ शेष पेज 5 पर

मांझी बने लालू की आस, राहुल ने किया फोन

जीतन राम मांझी किस तरफ जाएंगे, इस पर काफी कुछ निर्भर रहने वाला है। इसी वजह से लालू यादव लगातार उनसे संपर्क साध रहे हैं। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने तो मांझी से फोन पर बात भी की है। पूरी कोशिश है कि उनके विधायकों को अपने समर्थन में लाया जाए। जीतनराम ने कहा कि ▸▸ शेष पेज 5 पर

चिराग पासवान की शर्त

नीतीश के भाजपा के साथ आने से चिराग पासवान असहज हैं। उन्होंने दो टूक कहा है कि भाजपा अगर सबसे बड़ी पार्टी है तो उसे न्यूनतम साझा कार्यक्रम पर काम ▸▸ शेष पेज 5 पर

एसएफआई का प्रोटेस्ट नहीं रोक पाई पुलिस

भड़के केरल गवर्नर आरिफ 'सड़क' पर कुर्सी डाल बैठे

एजेंसी ▸▸ तिरुवनंतपुरम

राज्यपाल ने कहा- अमित शाह साहब से बात कराओ

कोल्लम के निलामेल में एसएफआई कार्यकर्ताओं के प्रदर्शन के बाद राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने अपनी गाड़ी रोकी और कार से बाहर निकलकर पास की चाय की दुकान से एक कुर्सी निकालकर सड़क किनारे धरने पर बैठ गए। राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने एक आईपीएस अधिकारी को वहीं अंग्रेजी में फटकार लगाते हुए कहा- नहीं मैं यहां से वापस क्यों जाऊंगा, आपने (पुलिस) ने एसएफआई को यहां सुरक्षा दी है।

केरल में एक कार्यक्रम के दौरान एसएफआई कार्यकर्ताओं द्वारा काला झंडा दिखाने और विरोध करते हुए गो बैक का नारा लगाए जाने के बाद राज्यपाल आरिफ मोहम्मद सड़क पर ही धरने पर बैठ गए। उन्होंने वहां पुलिस अधिकारियों को भी फटकार लगाई और कानून तोड़ने का आरोप लगाते हुए सवाल किया कि अगर पुलिस ही कानून तोड़ेगी तो कानून का पालन कौन करेगा? साथ ही, अपने सहयोगी को कहा कि प्रधानमंत्री और गृहमंत्री से फोन कर मेरी बात करवाओ। वहीं इस बवाल को लेकर ▸▸ शेष पेज 5 पर

राज्यपाल को अब जेड प्लस सुरक्षा

गृह मंत्रालय ने राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान की सुरक्षा बढ़ा दी है। उन्हें जेड प्लस सुरक्षा दी गई है जिसमें सीआरपीएफ के जवान शामिल होंगे।

खबर संक्षेप

पीएम करेंगे 'मन की बात' आज सुबह 11 बजे

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को 11 बजे 'मन की बात' कार्यक्रम से देश के नागरिकों को संबोधित करेंगे। यह उनका 109वां एपीसोड होगा। मन की बात आकाशवाणी पर प्रसारित किया जाने वाला एक कार्यक्रम है जिसका पहला प्रसारण 3 अक्टूबर 2014 को किया गया था। इस कार्यक्रम के लिए पीएम लोगों से सुझाव मांगते हैं और उन्हें मिले पत्रों की चर्चा भी करते हैं। 30 अप्रैल 2023 को मन की बात का 100वां भाग प्रसारित हुआ था।

उत्तर भारत में पड़ रही है कड़ाके की सर्दी

नई दिल्ली। उत्तर भारत के लगभग सभी राज्यों में कड़ाके की सर्दी पड़ रही है। दूसरी ओर यहां अब बारिश की संभावना भी बन रही है। मौसम विभाग के मुताबिक, अगले 5 दिनों में पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और उत्तर प्रदेश में बारिश हो सकती है। इसके अलावा जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में बर्फबारी की चेतावनी भी जारी की गई है। पंजाब, हरियाणा और यूपी में आज कोल्ड वेव का अलर्ट है।

कार को ट्रक ने मारी टक्कर, पांच जिंदा जले

चंडीगढ़। पंजाब के होशियारपुर में सड़क हादसे में 5 युवकों की जिंदा जलने से मौत हो गई। ये सभी लोग कार में सवार थे। इनकी गाड़ी को जालंधर-पठानकोट हाईवे पर दसूहा के पास ट्रक ने पीछे से टक्कर मार दी। हादसे से ठीक 20 मिनट पहले एक युवक ने वीडियो बनाकर शेयर किया था। दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां गंभीर हालत को देखते हुए अमृतसर रेफर कर दिया गया।

बैजयंत पांडा यूपी और विनोद तावड़े बिहार की कमान संभालेंगे

भाजपा ने 23 राज्यों में नियुक्त किए चुनाव प्रभारी, बिप्लब को हरियाणा तथा महेंद्र सिंह को मध्यप्रदेश की जिम्मेदारी

हरिभूमि ब्यूरो ▸▸ नई दिल्ली

भाजपा ने लोकसभा चुनाव के लिए बिप्लब कुमार देब को हरियाणा तथा महेंद्र सिंह को मध्यप्रदेश का चुनाव प्रभारी नियुक्त किया है। सांसद सुरेंद्र नागर हरियाणा में तथा दिल्ली भाजपा के पूर्व अध्यक्ष सतीश उपाध्याय मध्यप्रदेश में चुनाव सह प्रभारी बनाए गए हैं। पार्टी ने शनिवार को 23 राज्यों के लिए चुनाव प्रभारी और सह प्रभारी नियुक्त किए। लोकसभा चुनाव से पहले भाजपा ने चुनाव प्रभारी और सह

बिप्लब कुमार देब

बैजयंत पांडा

प्रभारी की सूची जारी कर दी है। भाजपा ने आगामी लोकसभा चुनाव के मद्देनजर राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के लिए 23 चुनाव प्रभारियों और सह-प्रभारियों की नियुक्ति की है। बैजयंत पांडा को यूपी का नया प्रभारी नियुक्त किया गया है। इसके अलावा विनोद तावड़े को बिहार का चुनाव प्रभारी नियुक्त किया गया है। पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा ने अंडमान और निकोबार के लिए वाई. सत्या कुमार, अरुणाचल प्रदेश अशोक सिंघल, बिहार विनोद तावड़े और दीपक प्रकाश, चंडीगढ़ विजयभाई रूपाणी, दमन एवं दीव पुरनेश मोदी और दुष्यंत पटेल, गोवा आशीष सूद, हरियाणा बिप्लब कुमार देव और सुरेन्द्र नागर, हिमाचल प्रदेश श्रीकांत शर्मा और संजय टंडन, ▸▸ शेष पेज 5 पर

रोहन बोपन्ना ने जीता ऑस्ट्रेलियन ओपन

एजेंसी ▸▸ मेलबर्न

ऑस्ट्रेलियन ओपन 2024 से भारतीय टेनिस फैंस के लिए काफी शानदार खबर आई है। दिग्गज भारतीय खिलाड़ी रोहन बोपन्ना ने अपने ऑस्ट्रेलियाई पार्टनर मैथ्यू एब्डेन के साथ मिलकर पुरुष डबल्स का खिताब जीत लिया है। शनिवार को मेलबर्न पार्क में खेले गए फाइनल मुकाबले में दूसरी सीड रोहन-एब्डेन की जोड़ी ने इटली के सिमोन बोलेली और आंद्रे वावसोरी को 7-6 (0), 7-5 से हराया। ▸▸ शेष पेज 5 पर

43 की उम्र में रचा इतिहास

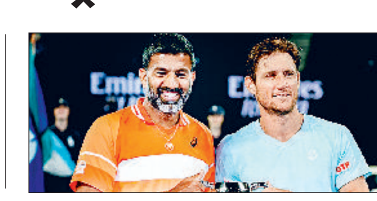

पीएम मोदी ने दी बधाई: पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, 'असाधारण रूप से प्रतिभाशाली रोहन बोपन्ना ने बार-बार दिखाया है कि उम्र कोई बाधा नहीं। ऐतिहासिक ऑस्ट्रेलियन ओपन जीत पर उन्हें बधाई। उनकी उल्लेखनीय यात्रा याद दिलाती है कि हमेशा हमारी भावना, कड़ी मेहनत और दृढ़ता है, जो हमारी क्षमताओं को परिभाषित करती है। भविष्य के लिए शुभकामनाएं।'

अफवाह फैलाने वाला गिरफ्तार

विमान में बैठते ही बोला- मेरी सीट के नीचे है बम

एजेंसी ▸▸ मुंबई

मुंबई में एयरपोर्ट पर फ्लाइट के अंदर बैठे एक यात्री ने चिल्ला कर कहा कि उसकी सीट के नीचे बम है। यह सुनकर सभी यात्री घबरा गए और तुरंत इसकी सूचना कंट्रोल रूम को दी गई। इसके बाद फ्लाइट को रीशेड्यूल किया गया। चेकिंग के दौरान फ्लाइट में कुछ भी संदिग्ध सामान नहीं मिला। अफवाह फैलाने वाले यात्री को गिरफ्तार कर जांच की जा रही है।

जानकारी के मुताबिक यह पूरा मामला मुंबई से लखनऊ जा रही इंडिगो की फ्लाइट का है। इंडिगो की फ्लाइट 6ई 5264 मुंबई में जैसे ही टेक ऑफ के लिए तैयार हुई तभी फ्लाइट के अंदर बैठे एक यात्री ने शोर मचाना शुरू कर दिया। मोहम्मद अयूब नाम के एक यात्री ने फ्लाइट के अंदर चिल्लाना शुरू कर दिया कि उसकी सीट के नीचे बम रखा हुआ है। इस बात को सुनकर पूरी फ्लाइट में हड़कंप मच गया।

बताया जा रहा है कि यात्री मोहम्मद अयूब की उम्र 27 साल है। उसे गिरफ्तार ▸▸ शेष पेज 5 पर

श्रीरामलला के दर्शन का समय बढ़ा

सुबह 7 से रात 10 बजे तक श्रद्धालु कर सकेंगे दर्शन

एजेंसी ▸▸ अयोध्या

बड़ी संख्या में जनसैलाब उमड़ने की वजह से राम मंदिर ट्रस्ट ने दर्शन अवधि में वृद्धि कर दी है। रामलला का दर्शन सुबह 7:00 से रात 10:00 बजे तक चल रहा है। इस दरमियान 15-15 मिनट के लिए भगवान के भोग और आरती के लिए परदा लगाया जाएगा। भक्त रामलला के मंदिर में प्रवेश करते रहेंगे। रामलला की पांच आरती प्रतिदिन संपन्न की जा रही हैं। आरती के लिए जारी किए जा रहे पास को अस्थाई तौर पर रोक दिया है।

सीतारमण 1 फरवरी को वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए अंतरिम बजट पेश करेंगी

लोकसभा चुनाव के चलते इस साल यह अंतरिम बजट होगा

बजट की तैयारी अंतिम चरण में पहुंची वित्त मंत्री की टीम दे रही फाइनल टच

◆ *प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव पीके मिश्रा की अध्यक्षता वाली पीएमओ अधिकारियों की टीम और वित्त मंत्रालय के अधिकारियों की टीम के बीच बजट को लेकर दिन-रात चर्चा चल रही है।*

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

अंतरिम बजट 2024 की तैयारी अंतिम चरण में पहुंच गई है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और मंत्रालय के शीर्ष अधिकारियों की उनकी टीम इसे अंतिम रूप दे रही है। 'हलवा समारोह' के बाद पूर्ण गोपनीयता सुनिश्चित करने के लिए नॉर्थ ब्लॉक को लॉक-डाउन में डाल दिया गया है। प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव पीके मिश्रा की अध्यक्षता वाली पीएमओ अधिकारियों ▸▸ शेष पेज 5 पर

बजट तैयार करने वाली अहम टीम

वित्त सचिव टीवी सोमनाथन, तमिलनाडु कैडर के अधिकारी, जिन्होंने वित्त मंत्रालय में शामिल होने से पहले पीएमओ में अतिरिक्त सचिव में कार्य किया, दोनों टीमों के बीच महत्वपूर्ण कड़ी हैं। मंत्रालय में बजट की कवायद का नेतृत्व करने वाली वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की टीम के शीर्ष सदस्यों में राजस्व सचिव संजय मल्होत्रा, आर्थिक मामलों के विभाग के सचिव अजय सेठ, निवेश और सार्वजनिक संपत्ति विभाग के सचिव तुहिन कांता पांडे, वित्तीय सेवा विभाग के सचिव विवेक जोशी और मुख्य आर्थिक सलाहकार वी अनंत नागेश्वरन शामिल हैं।

1 फरवरी के बाद घर जाने की अनुमति मिलेगी

नॉर्थ ब्लॉक में केंद्रीय बजट की छपाई के दौरान, अधिकांश अधिकारियों को बजट से पहले के दिनों में बाहरी दुनिया से बिना किसी संपर्क के कार्यालय में रहना पड़ता है। एक फरवरी को बजट पेश होने के बाद ही उन्हें घर जाने की अनुमति मिलेगी। अंतिम सप्ताह 6 महीने की बजट तैयारी अभ्यास का समापन है जिसमें कृषि, ग्रामीण विकास, उद्योग, बिजली, राजमार्ग और बंदरगाह जैसे सभी मंत्रालय अपने अनुमान तैयार करते हैं और उन्हें वित्त मंत्रालय को प्रस्तुत करते हैं। वित्त मंत्री अपनी टीम की सहायता से प्रस्तावों पर गौर करती हैं और समग्र राजकोषीय घाटे और विकास और समावेशी विकास को बढ़ावा ▸▸ शेष पेज 5 पर

रिहायशी इलाके में चलायी जा रही थी वाइपर बनाने की फैक्टरी

आग में जलकर चार लोगों की मौत, दादा और पोता गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

खास बात

- मानसरोवर पार्क थाना एरिया के राम नगर में लगी थी आग

मानसरोवर पार्क थाना एरिया के राम नगर में शुक्रवार शाम एक वाइपर बनाने की फैक्ट्री में आग लग गई। इस घटना में चार लोगों की मौत हुई। पुलिस ने शनिवार को फैक्ट्री के मालिक दादा पोते को गिरफ्तार कर लिया। मरने वालों में एक बच्चा और दो महिलाएं शामिल थी। पुलिस का कहना है कि मामले में बिल्डिंग मालिक भारत सिंह (72) और उनके पोते मोहित (27) के खिलाफ लापरवाही का मुकदमा दर्ज किया गया है। रिहायशी क्षेत्र में फैक्टरी चलाई जा रही थी। अभी तक की जांच में बिल्डिंग में लगी आग का वास्तविक कारण पता नहीं चल सका है। क्राइम और एफएसएल की टीम ने भी घटनास्थल पर पहुंच जांच पड़ताल की और घटना से जुड़े साक्ष्य एकत्रित किए।

पुलिस का कहना है कि शुक्रवार शाम करीब साढ़े पांच बजे राम नगर, शाहदरा स्थित एक चार मंजिला इमारत में आग लग गई थी। इस बिल्डिंग के ग्राउंड फ्लोर पर वाइपर बनाने की फैक्टरी चल रही थी। भारत सिंह इस बिल्डिंग की पहली मंजिल पर परिवार के साथ रहते हैं, जबकि ऊपर की मंजिलों को किराए पर दिया हुआ है। दूसरी मंजिल पर विनोद, तीसरी मंजिल पर आशुतोष सोनी और चौथी मंजिल पर सुनीता मिश्रा और उनका परिवार रहता है। ग्राउंड फ्लोर पर स्थित फैक्टरी में आग लग जाने पर ऊपरी तलों पर रहने वाले लोग वहीं फंस गए थे। घटना के समय प्रभावती को पहली मंजिल की बालकनी व बाकी पांच लोगों को पड़ोसी की छत के रास्ते बाहर निकाला गया। इनमें चार की मौत हो गई थी। मरने वालों में रचना (28), उसकी आठ महीने की गोद ली हुई बेटी, गौरी सोनी (40) और उनका बेटा प्रथम सोनी (17) शामिल है। शनिवार को सभी शवों को जीटीबी अस्पताल में पोस्टमार्टम के बाद परिजनों के हवाले कर दिया गया।

आग में फंसे पांच बेजुबानों की दमकलकर्मियों ने बचायी जान

नई दिल्ली। द्वारका के एक फ्लैट में लगी आग में फंसे पांच बेजुबानों को दमकलकर्मियों ने बचा लिया। इनमें चार बिल्ली और एक कुत्ता शामिल है। इनके मालिक अपने कुत्ते बिल्लियों को वापस पाकर बेहद खुश है। दमकल विभाग के मुताबिक शुक्रवार शाम करीब साढ़े छह बजे द्वारका सेक्टर 6, मयंक अपार्टमेंट में आग लगने की सूचना मिली थी। तुरंत दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंच गई। दूसरी मंजिल पर बने एक फ्लैट में आग लगी थी। फ्लैट मालिक ने बताया कि इस घर में चार बिल्लियां और एक कुत्ता अंदर फंसे है। ऐसे में बिना देरी किए दमकलकर्मियों ने पहले आग को बुझाने का काम शुरु किया, दूसरी तरफ कुछ जवानों ने इस ऑपरेशन के दौरान फ्लैट के अंदर फंसी बिल्लियों और कुत्ते को सकुशल बाहर निकाल लिया। आग फ्लैट के ड्राइंग रुम में शॉट सर्किट के कारण लगी थी, जिसके बाद फ्लैट मालिक अमित वर्मा बाहर निकल गये थे, जबकि बेजुबान वहीं फंसे रह गए थे।

कार का शीशा तोड़कर रुपयों से भरा बैग उड़ाने वाले दो गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

मौरिस नगर एरिया में कार का शीशा तोड़कर करीब दो लाख रुपये चुराने वाले दो शातिर बदमाशों को पुलिस ने अरेस्ट कर लिया है। पुलिस 200 से अधिक सीसीटीवी कैमरों का विश्लेषण करने के बाद दोनों तक पहुंच पाई। इनके पास से चोरी के एक लाख 95 हजार रुपयों में से 81,500 रुपये बरामद हो गये हैं। अपराध में प्रयुक्त मोटरसाइकिल भी जब्त की गई है। दोनों आरोपियों का आपराधिक इतिहास रहा है। एक 20 मामलों में शामिल पाया गया। वह सब्जी मंडी थाने का बीसी भी है, जबकि दूसरा मॉडल टाउन थाने में दर्ज बलात्कार के मामले में शामिल रह चुका है।

डीसीपी मनोज कुमार मीना के अनुसार 21 जनवरी को शिकायतकर्ता राजेश कुमार निवासी विजय पार्क मौजपुर ने अपनी कार का शीशा तोड़कर 1 लाख 95 हजार नकद चोरी करने का केस दर्ज करवाया था। नितेश भारद्वाज (इंस्पेक्टर इन्वेस्टिगेशन) के नेतृत्व वाली एसआई आशीष यादव आदि की टीम ने चोरों को पकड़ने का काम शुरू किया। घटना के बारे में कोई सुराग पाने के लिए शिकायतकर्ता से विस्तार से पूछताछ की गई और तकनीकी जांच व घटनास्थल के आसपास लगे 200 से अधिक सीसीटीवी कैमरों का विश्लेषण किया गया। तकनीकी जांच के बाद टीम इस निष्कर्ष पर पहुंची कि दो व्यक्तियों ने अपाचे मोटरसाइकिल का उपयोग कर कार से बैग चोरी की घटना को अंजाम दिया था। जानकारी को और विकसित किया गया और आरोपी व्यक्तियों का पता लगाने के लिए गुप्त स्त्रोत जुटाए गए। संदिग्धों की पहचान कर उनके ठिकानों की निगरानी की गई। पुलिस के प्रयास तब सफल हुए जब उन्होंने मौरिस नगर इलाके के हनुमान मंदिर के पास छापा मारा और दोनों आरोपियों को पकड़ लिया। इनके नाम आशीष उर्फ रवि (30) और शिवेंदर उर्फ जिक्की (37) पता चलें। आरोपियों ने बताया कि चोरी की बाकी नकदी दोनों ने मौज-मस्ती में खर्च कर दी है।

युवक को चाकू और गोली मार किया घायल

नई दिल्ली। उत्तर पूर्वी जिले के शास्त्री पार्क इलाके में एक युवक को चाकू और गोली मारकर घायल कर दिया गया। पुलिस ने हत्या के प्रयास समेत संबंधित धाराओं में चार आरोपियों के खिलाफ नामजद केस दर्ज कर लिया है। फिलहाल आरोपी फरार हैं। पुलिस उनकी तलाश में छापेमारी कर रही है। घायल 25 वर्षीय समीर अहमद को अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। गोली से उसका पैर घायल हुआ है। पुलिस को दिये बयान में समीर ने बताया कि वह शुक्रवार रात करीब साढ़े आठ बजे अपने जानकार तालिब की दुकान पर बैठा था। उसी समय बिलाल, फिरोज, सलीम और साउद दो अलग अलग स्कूटियों पर वहां पहुंचे। बिलाल ने समीर को इलाके का दादा ना बनने ही हिदायद दी और गाली गलौच शुरू कर दी। गाली का विरोध करने पर सलीम और साउद ने चाकू निकालकर समीर पर हमला कर दिया। चाकू से समीर की जांघ पर वार किया गया था। इसके बाद बिलाल ने कट्टा निकालकर गोली चला दी। गोली भी उसके पैरों में लगी। सभी आरोपी वारदात के बाद फरार हो गये।

शीतलहर के बीच निकले चमचमाते सूरज ने दी मामूली राहत

नई दिल्ली। दिल्ली में शनिवार को न्यूनतम तापमान इस मौसम के औसत से चार डिग्री कम 4.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। लेकिन दिन के समय शीतलहर के बीच आसमान पर निकले चमचमाते सूरज ने लोगों को कड़ाके की ठंड से मामूली राहत प्रदान करने में अहम भूमिका निभाई। कई दिनों बाद निकली चटख धूप का लोगों ने जमकर आनंद लिया। प्रादेशिक मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार दिन का तापमान सामान्य से 2 डिग्री ज्यादा 24.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। जिसकी वजह से लोगों को कई दिनों बाद दिन के समय खिलखिलाती चमचमाता सूरज राहत देने वाला रहा। आईएमडी का कहना है कि आगामी 31 जनवरी और 1 फरवरी 2024 को दिल्ली एनसीआर में हल्की बारिश की संभावना बन रही है। जबकि रविवार से दिल्ली के न्यूनतम तापमान में भी बढ़ोतरी देखने को मिल सकती है। अनुमान है कि अगले तीन चार दिनों में दिल्ली में कड़ाके की सर्दी से राहत मिलती रहेगी और न्यूनतम तापमान में तीन से चार अंक सुधर सकता है। वहीं अधिकतम तापमान में भी सुधार की गुंजाइश बनती दिख रही है। जानकारी अनुसार जल्द ही मौसम के करवट लेने के चलते उत्तर भारत के कई क्षेत्रों में बारिश की संभावना बन रही है। ऐसे में दिल्ली एनसीआर में भी बारिश से इंकार नहीं किया जा सकता।

निर्माण के दौरान हादसे में दो की मौत

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

फतेहपुर बेरी थाना इलाके के भाटी कलां स्थित एक फार्म हाउस में इमारत निर्माण के दौरान शटरिंग टूटने से दो मजदूर नीचे गिर गए। दोनों को तुरंत एम्स ट्रामा सेंटर में भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टरों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। मृतकों के नाम बाल्मीकि कैंप बेगमपुर, मालवीय नगर निवासी 35 वर्षीय धर्मेंद्र और बदायूं यूपी निवासी 35 वर्षीय करण सिंह हैं। दोनों के शवों को पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया गया है। फिलहाल पुलिस आईपीसी की धारा 288/337/304 ए के तहत मामला दर्ज कर जांच कर रही है।

पुलिस के मुताबिक यह घटना 25 जनवरी को सामने आई थी। दोपहर करीब पौने चार बजे पुलिस को एम्स से दोनों मृतक की एमएलसी की सूचना मिली। दोनों को घायल होने के बाद एम्स ट्रामा सेंटर ले जाया गया था। डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया था। सूचना के बाद पुलिस भाटी कलां स्थित घटनास्थल पर पहुंची। पता चला कि निर्माण कार्य चल रहा था। दोनों मजदूर दूसरी मंजिल पर शटरिंग पर खड़े होकर काम कर रहे थे। लेकिन वहां पर सुरक्षा के पर्याप्त उपाय नहीं किए गए थे। सूत्रों के मुताबिक फार्म हाउस छतरपुर के पूर्व कांग्रेसी विधायक बलराम सिंह तवंर का है।

डीडीए के आला अधिकारियों ने परिवार संग किया अस्तिा पार्क का अवलोकन

नई दिल्ली। दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) द्वारा यमुना किनारे विकसित असिता ईस्ट पार्क देखने के लिए जब प्राधिकरण के ही आला अधिकारियों के परिजन पहुंचे तो उनको देखकर यकीन ही नही हुआ कि राजधानी के दम घोटु परिवेश में ऐसे भी मनोरम स्थान है। पार्क में घूमने पहुंचे अधिकारियों में डीडीए उपाध्यक्ष शुभाशीष पांडा व उनके परिजन भी मौजूद थे। प्राप्त जानकारी अनुसार डीडीए के वरिष्ठ अधिकारी अपने परिवारों के साथ इस पार्क को देखने पहुंचे थे। परिजन पार्क में पानी से भरा तालाब, पेड़ों पर रंग बिरंगे पक्षी, तितलियां आदि विचरण करती देख बहुत खुश हुए। असिता पहुंचकर देख कि यह मनोरम स्थल पक्षी प्रेमियों के लिए किसी स्वर्ग से कम नहीं है। पार्क पहुंचे अधिकारियों के परिजनों ने कहा कि असिता का वातावरण प्रकृति की शांत सुंदरता के बीच मन को शांति और सुखद अनुभूति प्रदान करने वाला नजर आता है। कोई भी हो यहां चारों तरफ पक्षियों की मनोरम दुनिया में डूब जाएगा। पक्षियों की चह चह, जीवंत सुंदर पंखों और उड़ानों से आश्चर्यचकित करने वाला दृश्य मन को भाता है। लोगों का कहना है कि यह सिर्फ एक पक्षी-दर्शन भ्रमण से कहीं अधिक था, यह एकजुटता और अन्वेषण का एक यादगार पल था, जिसने आने वाले वर्षों के लिए यादगार यादों को सजाया है। बता दें कि उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने इसे पार्क नहीं बल्कि एक प्रोजेक्ट के रूप लिया और डीडीए ने इसे कम समय में तैयार किया। यहां कभी गंदे पानी का तालाब हुआ करता था। लेकिन डीडीए ने इसे यमुना के आसपास बढ़ रहे प्रदूषण को रोकने और हरियाली को संतुलित करने के उद्देश्य तैयार किया, यह पार्क इतने बड़े एरिया में फैला है कि इसे घूमने के लिए घंटों लग जाते है।

यातायात व्यवस्था - बीटिंग रिट्रीट समारोह - 29 जनवरी 2024

गणतंत्र दिवस समारोह, 2024 के हिस्से के रूप में 29.01.2024 को विजय चौक पर बीटिंग रिट्रीट समारोह आयोजित किया जाएगा। दिल्ली यातायात पुलिस ने राष्ट्रपति भवन, नार्थ ब्लॉक, साउथ ब्लॉक और संसद भवन में बीटिंग रिट्रीट समारोह और रोशनी के दौरान यातायात की व्यापक व्यवस्था की है।

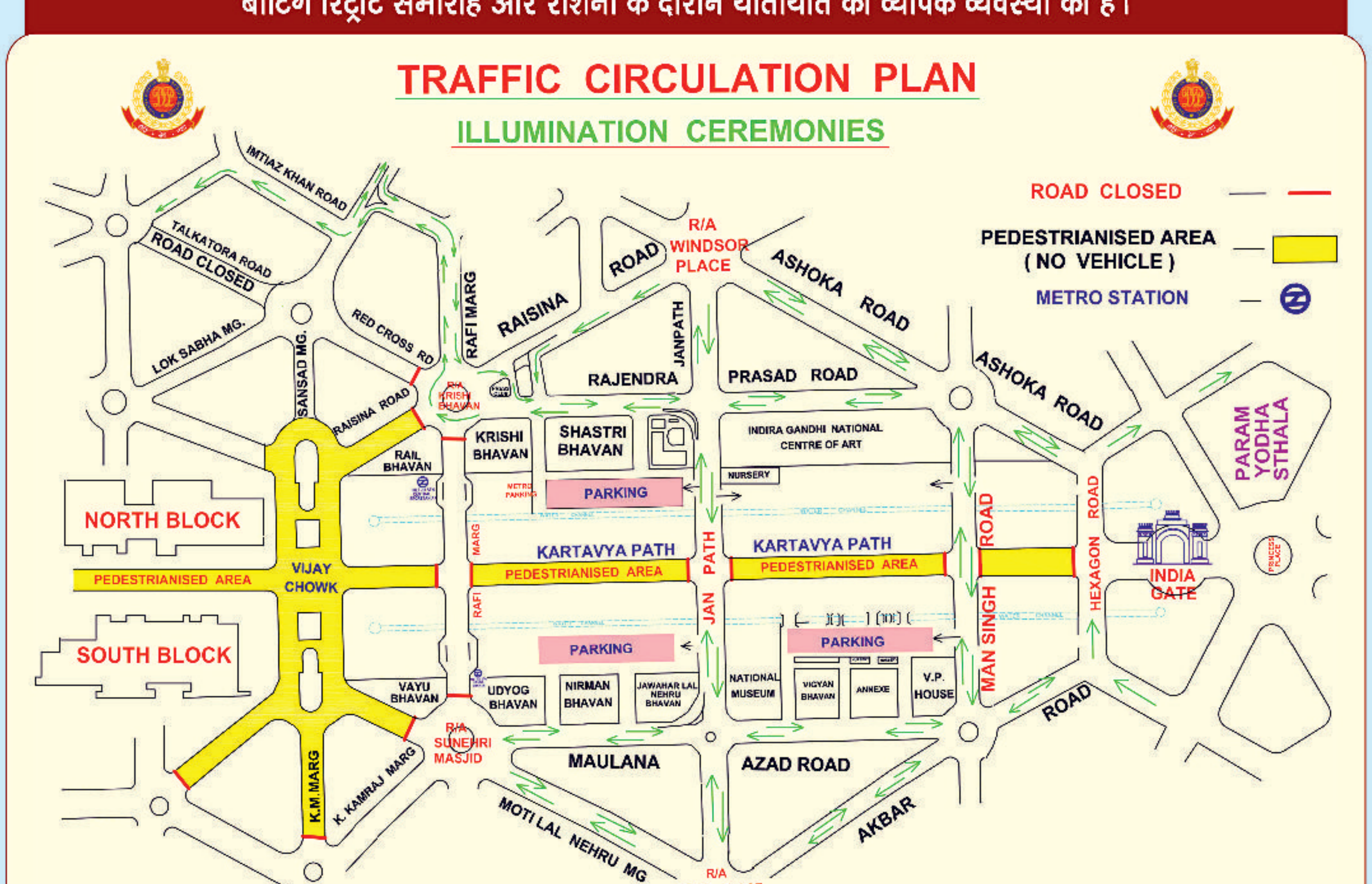

यातायात प्रतिबंध

29.01.2024 को 1400 बजे से 2130 बजे तक निम्नलिखित यातायात प्रतिबंध रहेंगे
सामान्य यातायात के लिए विजय चौक बंद रहेगा, निम्नलिखित मार्गों पर ट्रैफिक की अनुमति नहीं होगी:–

(क) आर/ए सुनहरी मस्जिद और आर/ए कृषि भवन के बीच रफी मार्ग
(ख) विजय चौक की तरफ आर/ए कृषि भवन से रायसीना रोड
(ग) आर/ए दारा शिकोह रोड, आर/ए कृष्ण मेनन मार्ग और विजय चौक की तरफ आर/ए सुनहरी मस्जिद के आगे
(घ) विजय चौक एवं 'सी' हेक्सागन के बीच कर्तव्यपथ

आम जनता/वाहन चालकों को सलाह दी जाती है कि वे वैकल्पिक मार्गों अर्थात: रिंग रोड, रिज रोड, अरबिन्दो मार्ग, मदरसा 'टी' प्वाइंट, सफदरजंग रोड–कमल अतातुर्क मार्ग, रानी झांसी रोड, मिन्टो रोड आदि का उपयोग करें।

बसों का मार्ग परिवर्तन

आमंत्रित व्यक्तियों एवं दर्शकों के वाहनों के सुगम आवागमन और समारोह स्थल एवं इंडिया गेट के चारों ओर सड़कों पर भीड़भाड़ को कम करने के लिए डी.टी.सी. और अन्य सिटी बसें 29.01.2024 को 1400 बजे से 2130 बजे तक अपने निर्धारित मार्गों के स्थान पर परिवर्तित मार्ग पर चलेंगी।

1 शांति पथ–विनय मार्ग–सरदार पटेल मार्ग से केन्द्रीय सचिवालय एवं कनॉट प्लेस की ओर आने वाली बसें पंचशील मार्ग–सिमोन वॉलीवर मार्ग–वंदे मातरम मार्ग–आर/ए शंकर रोड–शेख मुजिबुर रहमान रोड होते हुए चलेंगी।

2 केन्द्रीय सचिवालय के लिए आने वाली बसें उद्यान मार्ग पर समाप्त होगी और काली बाड़ी मार्ग–मंदिर मार्ग–शंकर रोड होते हुए वापस जाएंगी।

3 कनॉट प्लेस के लिए आने वाली बसें मंदिर मार्ग–काली बाड़ी मार्ग–जी.पी.ओ–बाबा खड़ग सिंह मार्ग होते हुए आयेंगी और कनॉट प्लेस पहुंचेंगी और भगत सिंह मार्ग–पेशवा रोड–मंदिर मार्ग–शंकर रोड और वंदे मातरम मार्ग होते हुए वापस जाएंगी।

4 तुगलक रोड पर दक्षिण दिल्ली से आने वाली बसें और कनॉट प्लेस/केन्द्रीय सचिवालय जाने वाली बसें अरबिन्दो चौक से सफदरजंग रोड–कमल अतातुर्क मार्ग–पंचशील मार्ग–सिमोन वॉलीवर मार्ग की ओर जाएंगी और क्रम सं.1 में वर्णित मार्ग के अनुसार चलेंगी।

5 मंडी हाउस और फिरोज शाह रोड पर आने वाली बसें बाराखम्बा रोड होते हुए कनॉट प्लेस जाएंगी और शिवाजी स्टेडियम पर समाप्त होगी तथा कस्तुरबा गांधी मार्ग/बाराखम्बा रोड होते हुए वापस जाएंगी।

6 शांहजहां रोड से कनॉट प्लेस की ओर आने वाली बसें अरबिन्दो चौक–सफदरजंग रोड–कमल अतातुर्क मार्ग–पंचशील मार्ग होते हुए शिवाजी स्टेडियम तक जाएंगी।

7 दक्षिण की तरफ से पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन, लाल किला और आईएसबीटी कश्मीरी गेट के लिए आने वाली बसें एम्स से रिंग रोड की ओर होते हुए धौला कुआं की तरफ जाएंगी और फिर रिज रोड, रानी झांसी रोड की तरफ जाएंगी।

8 आश्रम की तरफ से पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन, लाल किला और आईएसबीटी कश्मीरी गेट के लिए आने वाली बसें आश्रम चौक–रिंग रोड से सराय काले खां, राजघाट होते हुए जाएंगी।

9 पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन, लाल किला, कश्मीरी गेट से आने वाली बसें जो दक्षिण एवं दक्षिण पूर्व की ओर जाती है, वे दिल्ली गेट–जवाहर लाल नेहरू मार्ग–राजघाट–रिंग रोड–सराय काले खां– आश्रम चौक होते हुए जाएंगी।

10 विकास मार्ग से आने वाली बसें जो दक्षिण की ओर जाती है, वे रिंग रोड–सराय काले खां–आश्रम चौक होते हुए जाएंगी।

11 कस्तुरबा गांधी मार्ग होते हुए कनॉट प्लेस से इंडिया गेट की ओर जाने वाली बसें मिन्टो रोड–डीडीयू मार्ग–आई.पी. फ्लाईओवर–रिंग रोड–सराय काले खां होते हुए जाएंगी।

आम जनता के लिए निर्देश

कोई भी लावारिस वस्तु या संदिग्ध व्यक्ति देखने पर तुरंत अपने नजदीक ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मी को इसकी सूचना दें। आम जनता और वाहन चालकों से अनुरोध है कि किसी भी असुविधा से बचने के लिए संयम बनाए रखें और यातायात के नियमों का पालन करें तथा सड़क पर अनुशासन बनाए रखें एवं यातायात पुलिसकर्मियों के निर्देशों का पालन करें। आम जनता से अनुरोध है कि वे अपनी यात्रा की योजना पहले से बनाएं और पर्याप्त समय लेकर चलें।

आम जनता और वाहन चालक दिल्ली यातायात पुलिस की वेबसाइट https://traffic.delhipolice.gov.in, फेसबुक पेज https://www.facebook.com/dtptraffic, ट्विटर हैंडल https://twitter.com/dtptraffic, इंस्टाग्राम पेज https://www.instagram.com/dtptraffic, व्हट्सअप नम्बर 8750871493 एवं हेल्पलाइन नम्बर 1095/011-25844444 के माध्यम से नवीनतम जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

पार्किंग

विजय चौक पर रोशनी को देखने वाले वालों लोगों के लिए पार्किंग सायं 7.00 बजे के बाद रफी मार्ग और ''सी' हेक्सागन के बीच वाटर चैनल के पीछे उपलब्ध होगी।

यातायात सलाह के लिए क्यूआर कोड स्कैन करें

DP/9631/2024

https://traffic.delhipolice.gov.in https://www.facebook.com/dtptraffic https://twitter.com/dtptraffic https://www.instagram.com/dtptraffic

ट्रैफिक प्रहरी बनें | Google Play या App Store से ऐप डाउनलोड करें | 24 घंटे ट्रैफिक हेल्पलाइन: 011-25844444/1095 | पुलिस को सूचना देने के लिए कॉल करें 14547 | तुरंत पुलिस सहायता पाने के लिए 112 पर कॉल करें।

आप के सात विधायकों को 25-25 करोड़ रुपए का दिया गया ऑफर : सीएम

भाजपा आप विधायकों को खरीदकर गिराना चाहती है दिल्ली सरकार : अरविंद केजरीवाल

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

आम आदमी पार्टी (आप) ने शनिवार को आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने दिल्ली में उसकी सरकार को गिराने के लिए उसके सात विधायकों को 25-25 करोड़ रुपए देने की पेशकश की है। आप ने दावा किया कि पार्टी के एक विधायक से संपर्क करने वाले व्यक्ति की रिकॉर्डिंग उपलब्ध है और जिसे बाद में जारी किया जाएगा। आप के राष्ट्रीय संयोजक और सीएम अरविंद केजरीवाल ने शनिवार सुबह ट्वीट कर भाजपा पर तीखा हमला बोला। उन्होंने एक्स पर कहा कि पिछले दिनों इन्होंने हमारे दिल्ली के 7 विधायकों को संपर्क कर कहा है कि कुछ दिन बाद केजरीवाल को गिरफ्तार कर लेंगे। उसके बाद विधायकें को तोड़ेंगे। 21 विधायकों से बात हो गयी है। औरों से भी बात कर रहे हैं। उसके बाद दिल्ली में आम आदमी पार्टी की सरकार गिरा देंगे। आप भी आ जाओ। 25 करोड़ रुपये देंगे और भाजपा के टिकट से चुनाव लड़वा देंगे। हालांकि उनका दावा है कि उन्होंने 21 विधायकों से संपर्क किया है लेकिन हमारी जानकारी के मुताबिक उन्होंने अभी तक 7 विधायकों को ही संपर्क किया है और सबने मना कर दिया। इसका मतलब किसी शराब घोटाले की जांच के लिए मुझे गिरफ्तार नहीं किया जा रहा बल्कि दिल्ली में आप की सरकार गिराने के लिए षड्यंत्र कर रहे हैं। पिछले नौ सालों में हमारी सरकार गिराने के लिए इन्होंने कई षड्यंत्र किए। लेकिन इन्हें कोई सफलता नहीं मिली। भगवान ने और जनता ने हमेशा हमारा साथ दिया। हमारे सभी विधायक भी मजबूती से साथ हैं। इस बार भी ये लोग अपने नापाक इरादों में फेल होंगे। ये लोग जानते हैं कि दिल्ली की जनता के लिए हमारी सरकार ने कितने काम किए हैं। इनकी पैदा की गयी तमाम अड़चनों के बावजूद हमने इतने काम किए हैं। दिल्ली की जनता 'आप' से बेइंतहा प्यार करती है। इसलिए चुनावों में 'आप' को हराना इनके बस की बात नहीं। तो एक फर्जी शराब घोटाले के बहाने गिरफ्तार करके सरकार गिराना चाहते हैं।

आम आदमी पार्टी की मुख्य प्रवक्ता प्रियंका कक्कड़ ने शनिवार को प्रैसवार्ता कर भाजपा पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि जैसे रामायण में रावण ने माता सीता का अपहरण करने के लिए दूसरा रूप धारण किया था, वैसे ही आज भाजपा ईडी का रूप धारण कर फर्जी शराब घोटाले में अरविंद केजरीवाल को गिरफ्तार कर दिल्ली में आप की सरकार गिराना चाहती है। छल से दिल्ली की सत्ता कब्जाने के लिए भाजपा ने हमारे सात विधायकों से संपर्क किया है और उनको अपनी पार्टी में शामिल होने के लिए 25-25 करोड़ रुपए का ऑफर दिया है, लेकिन हमारे सभी विधायकों ने उसके ऑफर को ठुकरा दिया है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने 2023 और 2022 में भी हमारे विधायकों को खरीदने की असफल कोशिश की थी और इस बार भी असफल रहेगी। क्योंकि भगवान और दिल्ली के लोग अरविंद केजरीवाल के साथ हैं। भाजपा ने अगर आप की सरकार गिराने की कोशिश की तो इसका जवाब उसे लोकसभा चुनाव में मिलेगा।

भाजपा शराब घोटाले के झूठे आरोप में फंसा कर केजरीवाल को कराना चाहती है गिरफ्तार: आतिशी

आम आदमी पार्टी की वरिष्ठ नेता और कैबिनेट मंत्री आतिशी ने प्रेसवार्ता कर ऑपरेशन लोटस को लेकर भाजपा पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी, आम आदमी पार्टी की चुनी हुई सरकार को गिराने का प्रयास कर रही है। आतिशी ने कहा कि इस बार भाजपा ने ऑपरेशन लोटस 2.4 चालू किया है। जिसमें उनका इरादा तथाकथित शराब घोटाले के झूठे आरोप में केजरीवाल को गिरफ्तार कराना और आप विधायकों को खरीदकर दिल्ली में भाजपा सरकार बनाना है। उन्होंने कहा कि अगर दिल्ली की चुनी हुई सरकार को गिराने के लिए अरविंद केजरीवाल को जेल में डाला तो दिल्ली की जनता आने वाले लोकसभा चुनाव में इसका मुंहतोड़ जबाब देगी। अगर अरविंद केजरीवाल को गिरफ्तार किया गया तो भाजपा के पास दिल्ली में अभी 7 लोकसभा सीटें है, वो लोकसभा चुनाव में जीरो पर सिमट जाएगी।

अपने बयान का सबूत पेश करें या इस्तीफा दें केजरीवाल : बिधूड़ी

नई दिल्ली। अरविंद केजरीवाल के बयान पर भाजपा ने उन्हें चुनौती दी है कि वह अपने बयान का सबूत पेश करें या अपने पद से इस्तीफा दें। शनिवार को प्रैसवार्ता में दिल्ली विधानसभा में नेता विपक्ष रामवीर सिंह बिधूड़ी ने कहा कि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने भाजपा को बदनाम करने के लिए झूठा आरोप लगाया है। वह अपने इस बयान का प्रमाण दें नहीं तो मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दें। उन्होंने कहा कि पार्टी इस मामले में कानूनी कार्रवाई के लिए विशेषज्ञों से सलाह कर रही है। बिधूड़ी ने कहा कि आम आदमी पार्टी (आप) इस तरह के बेहूदा और घटिया आरोप लगभग एक दर्जन बार लगा चुकी है लेकिन आज तक कोई सबूत पेश नहीं किया जा सका। इस बार भी यह बेबुनियाद आरोप लगाया गया है। बिधूड़ी ने कहा कि इस आरोप की टाइमिंग देख ली जाए तभी पता चल जाएगा कि यह आरोप मनगढ़ंत और बेबुनियाद है। सभी को पता है कि अरविंद केजरीवाल शराब घोटाले के मुखिया के रूप में कुख्यात हो चुके हैं। ईडी उन्हें पूछताछ के लिए बार-बार समन कर रही है लेकिन वह पेश नहीं हो रहे। बिधूड़ी ने कहा कि एक तरफ अयोध्या में मंदिर निर्माण और प्राण प्रतिष्ठा समारोह के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लोकप्रियता बुलंदियों को छू रही है और भाजपा इस बार 400 के पार नारे को सच साबित करने जा रही है तो दूसरी तरफ केजरीवाल का विपक्ष का बड़ा नेता बनने का अपना सपना टूटता दिखाई दे रहा है। पूरा विपक्ष एक बार फिर बिखर रहा है तो ऐसे में वह बौखलाकर भाजपा पर विधायक खरीदने का मनगढ़ंत आरोप लगा रहे हैं। बिधूड़ी ने कहा कि केजरीवाल और उनके झूठे साथियों को सिर्फ आरोप लगाने की आदत है। वे ऐसे आरोप लगाकर पहले भी माफी मांग चुके हैं लेकिन अपनी आदत से बाज नहीं आते। भाजपा 2025 के दिल्ली विधानसभा चुनावों में अपने दम पर जीतेगी और आप को हार का मुंह देखना पड़ेगा।

मुख्यमंत्री का बयान दर्शाता है उनकी राजनीति हताशा को : सचदेवा

नई दिल्ली। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल का बयान उनकी राजनीति हताशा को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि केजरीवाल का बयान कि भाजपा उनके विधायकों को तोड़ना चाहती है उनकी मानसिक दिवालियापन को दर्शाता है कि आज 62 विधायकों की पार्टी को कितनी निराशा है। आज जनता भी देख रही है कि केजरीवाल के गठबंधन की जरूरत पड़ रही है और इनकी जमीन खिसक चुकी है इसलिए केजरीवाल इस तरह के बेतुके बयान दे रहे हैं ताकि वे राजनीतिक रूप से जिंदा रह सके। सचदेवा ने कहा कि दिल्ली की जनता जान चुकी है कि केजरीवाल सिर्फ दिल्ली की जनता को लूटने आए हैं और इसके अलावा कुछ नहीं कर सकते।

गणतंत्र दिवस के उपलक्ष्य में बवाना गांव ने रचा एक नया इतिहास

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली के गांव बवाना में गणतंत्र दिवस को यादगार बनाते हुए एक नया इतिहास रचा गया। बवाना और आसपास के गांवों के हजारों लोगों ने 251 फीट लंबा तिरंगा झंडा लेकर बवाना गांव की गलियों से वंदे मातरम और भारत माता की जय के नारे लगाते हुए लोगों में एक नया जोश पैदा कर दिया। तिरंगे की शान में निकाली गई शोभा यात्रा में गांव बवाना के निगम पार्षद पवन सहरावत, पूर्व निगम पार्षद ब्रह्म प्रकाश, सामाजिक कार्यकर्ता सतीश नम्बरदार, शेखर सहरावत, संजय सहरावत (नान्हा) और उनके साथ सैकड़ों युवा भी मौजूद थे। शिक्षा विभाग से रिटायर्ड अधिकारी कप्तान सिंह रंगा ने कहा कि बवाना एक ऐतिहासिक गांव है जिसने सदैव ही हर क्षेत्र में एक नया इतिहास रचा है। इस गांव की मिट्टी में देशभक्ति की भावना कूट-कूट कर भरी हुई है। जिधर से भी यह तिरंगा यात्रा निकलती थी लोग घरों से पुष्प वर्षा कर रहे थे क्योंकि उन्होंने ऐसा नजारा कभी नहीं देखा था।

मुख्यमंत्री तीर्थयात्रा योजना के तहत 88वीं ट्रेन रामेश्वरम के लिए रवाना

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना के तहत शनिवार को 780 बुजुर्गों को लेकर 88 वीं ट्रेन दिल्ली से रामेश्वरम के लिए रवाना हुई। यात्रा से पूर्व सभी तीर्थयात्रियों के लिए त्यागराज स्टेडियम में भजन संध्या का आयोजन किया गया। राजस्व मंत्री आतिशी ने यहां पहुंचकर तीर्थ-यात्रियों से मुलाकात की और उन्हें यात्रा टिकट व किट सौंपा। इस मौके पर राजस्व मंत्री आतिशी ने कहा कि मैं दिल्ली के सभी बुजुर्गों की ओर से मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल का धन्यवाद करना चाहती हूंजो दिल्ली के सभी बुजुर्गों को अपने माता-पिता की तरह मानते है और बेटे की भूमिका निभाते हुए दिल्ली के बुजुर्गों को तीर्थ यात्रा करवा रहे है। उन्होंने कहा कि दिल्ली के बुजुर्गों के लिए श्रवण कुमार की भूमिका में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, अब तक दिल्ली से 87 ट्रेनों के माध्यम से 83 हजार से अधिक बुजुर्गों को तीर्थ-यात्रा पर भेजा है और उनका वादा है कि चाहे कितनी भी बाधाएं आ जाये लेकिन वो बुजुर्गों के लिए तीर्थ-यात्रा का सिलसिला रुकने नहीं देंगे और दिल्ली के हर बुजुर्ग की तीर्थ यात्रा करवाएंगे। आतिशी ने कहा कि मुझे इस बात की ख़ुशी है कि पिछली कई बार से तीर्थ-यात्रा पर जाने वाले बुजुर्गों में 80 प्रतिशत से अधिक महिलाएँ होती है। ये बेहद अच्छी बात है क्योंकि हमारे समाज में एक महिला अपनी पूरी ज़िंदगी अपने परिवार की सेवा में लगा देती है। और अक्सर महिलाएं खुद को पीछे रखकर अपने परिवार को आगे रखती है। ऐसे में हमारे लिये ये बेहद ख़ुशी कई बात है कि जिन माताओं ने अपना पूरा जीवन अपने परिवार की सेवा में लगा दिया हम ज़िंदगी के इस पड़ाव पर उन्हें तीर्थ-यात्रा पर भेज रहे हैं।

भाजपा के अमृत काल में देश का आर्थिक मॉडल खस्ताहाल : कांग्रेस

नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अरविंदर सिंह लवली ने कहा है कि भाजपा के अमृत काल में देश का आर्थिक मॉडल बुरी तरह खस्ताहाल में पहुंच गया है। ऐसे में मतदाताओं को अब केवल लोकसभा चुनावों का इंतजार है। उन्होंने कहा कि भाजपा की निरंकुश सरकार की गलत नीतियों के कारण न केवल योजनाबद्ध तरीके से देश की अर्थव्यवस्था को बर्बाद किया है बल्कि देश पर विदेशी कर्जा तीन गुना बढ़ा दिया। लवली शनिवार को पश्चिम दिल्ली और दक्षिणी दिल्ली लोकसभा में आयोजित बैठकों को सम्बोधित कर रहे थे। यह बैठकें आगामी 3 फरवरी को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की गीता कालोनी में आयोजित होने वाले कार्यकर्ता सम्मेलन की तैयारियों को लेकर की जा रही है। इन बैठकों में पूर्व सांसद कृष्णा तीरथ,रमेश कुमार, डा0 उदित राज, कांग्रेस वर्किंग सदस्य एवं पूर्व विधायक देवेन्द्र यादव, दिल्ली सरकार के पूर्व मंत्री हारुन यूसूफ, राजकुमार चौहान व पूर्व एमएलए सुरेन्द्र कुमार, चरण सिंह कंडेरा सहित अन्य नेता मौजूद थे।

हरियाणा सरकार
KalaSH कला एवं संस्कृति हरियाणा

कला एवं सांस्कृतिक कार्य विभाग, हरियाणा
द्वारा
हरियाणा के सभी जिलों से
लोकनृत्य दलों
का
पंजीकरण

टीम लीडर तथा सह-कलाकारों हेतु हिदायतें

- कोरियोग्राफर / टीम लीडर के नृत्य विधा से सम्बंधित दस्तावेजों को लाना अनिवार्य है।
- कोरियोग्राफर की न्यूनतम आयु 35 वर्ष तथा सह-कलाकार की आयु 18 वर्ष से कम नहीं होनी चाहिए।
- किसी एक दल में पंजीकृत सदस्य केवल अपने पंजीकृत दल में ही प्रस्तुति दे सकेगा, अन्यथा विभाग द्वारा उसके पूर्ण दल का पंजीकरण रद्द कर दिया जाएगा।
- सदस्य पर किसी भी प्रकार का पुलिस केस / कोर्ट केस नहीं होना चाहिए, अन्यथा उसका पंजीकरण रद्द करने के साथ-साथ विभाग द्वारा आयोजित किसी भी कार्यक्रम में प्रस्तुति का कार्य नहीं दिया जाएगा।
- सभी कलाकार पारम्परिक व साफ-सुथरी वेशभूषा में होने अनिवार्य हैं।
- दलों को अग्रिम व नकद राशि नहीं दी जाएगी। राशि की अदायगी कलाकार के व्यक्तिगत बैंक खाते में सीधे की जाएगी।
- मानदेय अदायगी हेतु बिल व सम्बंधित दस्तावेज टीम लीडर द्वारा सत्यापित होने चाहिए। बिलों में कटिंग व व्हाइटनर का प्रयोग नहीं होना चाहिए।

आवेदन की अन्तिम तिथि 29 फरवरी, 2024

◆ राज्य के पंजीकृत लोकनृत्य दलों को ही विभाग द्वारा आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रमों में अनुबंधित किया जायेगा।

नोट:- पंजीकरण के लिए मूल दस्तावेज़ (आधार कार्ड, बैंक पासबुक के प्रथम पृष्ठ, कैनसल्ड चैक, पैन कार्ड, पासपोर्ट साइज फोटो) तथा उनकी प्रतियां साथ लाना अनिवार्य है। एक कलाकार केवल एक ही दल में अपना पंजीकरण करवा सकता है।

अधिक जानकारी के लिए मोबाइल नं. 6239573353 9728970819 या क्यू.आर. कोड स्कैन करें

कला एवं सांस्कृतिक कार्य विभाग, हरियाणा
एस.सी.ओ. 29, पहली मंजिल, सैक्टर-7 सी, मध्य मार्ग, चंडीगढ़ | e-Mail : artandculturalaffairshry@gmail.com
सूचना, लोक सम्पर्क, भाषा तथा संस्कृति विभाग, हरियाणा | www.prharyana.gov.in | Follow us on @diprharyana

वैसे तो जीवन में सफल होने के लिए कड़ी मेहनत और लगन की सबसे ज्यादा जरूरत होती है। लेकिन इसके साथ ही कुछ व्यक्तिगत गुण और आदतें भी बहुत मायने रखती हैं। इनके बारे में कई विद्वानों और मनोवैज्ञानिकों ने अपनी किताबों में जिक्र किया है। इनमें से कुछ बेस्ट सेलर किताबों और उनमें छिपे सक्सेस सीक्रेट के बारे में जानिए।

ये किताबें बताती हैं सक्सेस के ईजी सीक्रेट

कवर स्टोरी / शिखर चंद जैन

कहा जाता है कि किताबें इंसान की सबसे अच्छी दोस्त होती हैं। हताशा के क्षणों में किताबें उम्मीद जगाती हैं, सफल होने की राह सुझाती हैं। हम आपको यहां दुनिया की कुछ ऐसी प्रसिद्ध किताबों के बारे में बता रहे हैं, जिन्होंने अनेक लोगों के जीवन को बदल दिया और उन्हें सफल बनाने में बड़ी भूमिका निभाई।

समस्याओं का खोजें रचनात्मक हल

मनोवैज्ञानिक डेनियल काह्नमैन लिखित 2011 में प्रकाशित 'थिंकिंग, फास्ट एंड स्लो' एक लोकप्रिय प्रेरक पुस्तक है। इस किताब के मुताबिक अगर आप अकसर किसी भी समस्या के सामने आते ही बेहद चिंतित हो जाते हैं तो आपको यह समझ लेना चाहिए कि समस्या के एक ही हिस्से पर आपका नियंत्रण होता है, वह है आपकी प्रतिक्रिया। समस्याएं हमारे भीतर के सर्वश्रेष्ठ गुणों को बाहर निकालती हैं, क्योंकि मुसीबत में ही हम अपनी क्षमताओं के बारे में सही ढंग से चिंतन कर पाते हैं। इसलिए जब आप चिंतित होने की बजाय किसी समस्या को रचनात्मक तरीके से हल करने की कोशिश करेंगे, तो ज्यादा प्रभावशाली बनेंगे। परिणामस्वरूप आप खुद को पहले से ज्यादा बड़ी और कहीं ज्यादा समस्याएं हल करने के लायक बना लेंगे।

स्वतंत्रता में निहित हो आत्मसंयम

स्वामी चिन्मयानंद द्वारा लिखित किताब 'किंडल लाइफ' के अनुसार मनुष्य का मूल स्वभाव पूर्ण स्वतंत्रता है। लेकिन उसकी स्वतंत्रता अनिवार्य रूप से बुद्धिमत्तापूर्ण, आत्मसंयम और अनुशासनयुक्त होनी चाहिए। यह आप पर निर्भर करता है कि आप सीमा में रहकर अपनी क्षमता से जीवन को उत्कृष्ट बनाएं या उसकी उपेक्षा करके अपने लिए दुख आमंत्रित करें। स्वच्छंदता वास्तव में स्वतंत्रता नहीं है। इसका परिणाम है, विनाश। प्रकृति के नियम के अंतर्गत रहकर जीने से ही व्यक्ति सफल हो सकता है।

सफलता में सहायक अच्छी आदतें

जेम्स क्लियर की प्रसिद्ध किताब 'एटॉमिक हैबिट्स' बताती है कि सभी बड़ी चीजों की शुरुआत छोटे प्रयासों से होती है। एक छोटा निर्णय ही आदत का वह बीज होता है, जो आपको आगे बढ़ाता है। जब आप एक सही निर्णय को बार-बार दोहराते हैं तो आदत के रूप में वह ज्यादा शक्तिशाली बनने लगता है। क्या आप आमदनी से कम खर्च करते हैं? क्या आप नियमित जिम जाते हैं या एक्सरसाइज करते हैं? क्या आप रोज पुस्तक पढ़ते हैं? क्या आप रोज कोई नई चीज सीखते हैं? ये ऐसी छोटी-छोटी बातें हैं, जो आपकी सफलता और असफलता के बीच के अंतर को प्रभावित करती हैं। अच्छी आदतों के महत्व को समझें, आपकी सफलता की पहली सीढ़ी यही है।

प्रगति के लिए दूर करें डर

किताब 'करेज एंड कॉन्फिडेंस' को एक अमेरिकी प्रोटेस्टेंट पादरी और लेखक नॉर्मन विंसेंट पील ने लिखा था। उनकी किताब के अनुसार डर लोगों को शारीरिक रूप से बेहद कमजोर बना देता है। जब आप बोलना चाहते हैं तो डर आपको बोलने नहीं देता। कुछ करना चाहते हैं तो ये आपको कुछ करने नहीं देता। देखा जाए तो किसी ना किसी रूप में डर लोगों को वह हासिल करने से रोकता है, जो वे जीवन में वाकई हासिल करना चाहते हैं। इसलिए डर का असली कारण क्या है, यह पता करें। देखें कि आप किस चीज से डर रहे हैं, फिर अपने काम व मेहनत से इस डर को दूर करें।

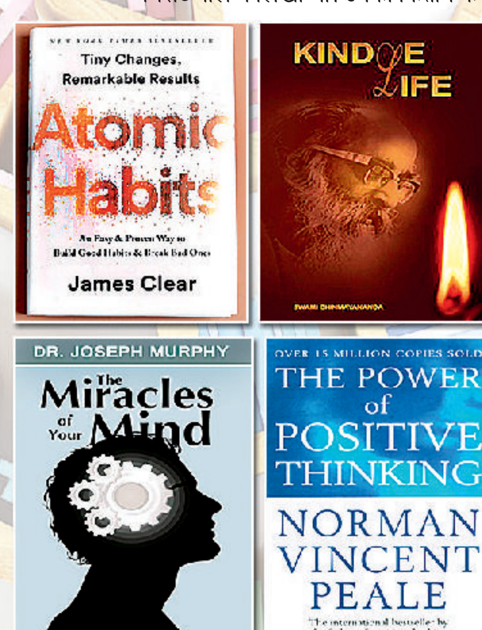

पॉजिटिव थिंकिंग की पावर समझें-अपनाएं

नॉर्मन विंसेंट पील की प्रसिद्ध किताब 'द पॉवर ऑफ पॉजिटिव थिंकिंग' भी सफलता के उपाय बताती है। किताब के मुताबिक अगर आपके मन में यह विश्वास है कि आप कोई भी काम कर सकते हैं तो आपके लिए रचनात्मक समाधानों का रास्ता खुल जाता है। जबकि यह विश्वास या शंका कि कोई काम नहीं किया जा सकता है, आपकी कमजोर सोच को दर्शाता है। यह सोच आपको असफलता की ओर ले जाती है। वहीं अगर आपको विश्वास है कि आप अपनी व्यक्तिगत समस्याओं का हल ढूंढ़ सकते हैं और खुद पर विश्वास करेंगे, तो आप रचनात्मक रूप से सोचना शुरू करेंगे और सफलता की राह पर चल पड़ेंगे।

चमत्कारी होती हैं मन की शक्तियां

आयरिश लेखक जोसेफ मर्फी की किताब 'द मिरेकल्स ऑफ योर माइंड' बताती है कि हमारे मन के दो पहलू होते हैं। चेतन मन बाहरी चीजों की जानकारी रखता है, जबकि अवचेतन मन आंतरिक चीजों की। मानव जीवन में अवचेतन मन का महत्व सबसे ज्यादा होता है। अवचेतन मन मिट्टी की तरह होता है। आप इसमें जो भी बीज डालेंगे, यह उसे स्वीकार कर लेगा। चाहे, बीज अच्छा हो या बुरा। आप जिस भी चीज को सच मानते हैं और जिसमें विश्वास करते हैं, उसे आपका अवचेतन मन स्वीकार कर लेगा। अवचेतन शक्तियों के सदुपयोग की योग्यता से ही सारे महान वैज्ञानिक और शोधकर्ता सफल हुए हैं। अपने भीतर अवचेतन शक्तियों के उपयोग से आप भी सफल हो सकते हैं।

इस तरह ये मोटिवेशनल किताबें आपको सक्सेसफुल बनाने में बहुत मददगार हो सकती हैं, बशर्ते आप इनमें बताए गए सूत्रों को अपने जीवन में अपना लें। *

लाइफस्टाइल / अंजू जैन

बेहतर, सुकून भरी और ऊर्जावान जिंदगी के लिए आपके व्यक्तित्व में कुछ गुणों का होना जरूरी है। ये सभी गुण आपके ई क्यू, आई क्यू और एस क्यू से निर्धारित होते हैं। इनके बारे में आप जरूर जानना चाहेंगे।

ई क्यू+आई क्यू+एस क्यू बढ़ाए कॉन्फिडेंस-एनर्जी

जीवन का कोई भी क्षेत्र हो, चाहे वो आर्थिक हो या सामाजिक, पारिवारिक हो या फिर मानसिक-शारीरिक सेहत से संबंधित, अगर आप अपने भीतर ईक्यू, आईक्यू और एसक्यू की त्रिशक्ति को जागृत कर लें और इनका संतुलन साध लें तो आपमें एनर्जी और कॉन्फिडेंस की कमी नहीं रहेगी। इस तरह आपका हर क्षेत्र में कामयाब होना तय हो जाएगा। यहां हम जिस त्रिशक्ति की बात कर रहे हैं, वे भावनाओं, बौद्धिकता और आध्यात्मिक जागृति की शक्तियां हैं। इनका संतुलन आपको अद्भुत आत्मविश्वास, ऊर्जा और क्षमता की शक्ति दे सकता है। जाहिर है, इनकी वजह से आपकी कहीं हार नहीं होगी, ना ही कभी हताशा और निराशा का सामना करना पड़ेगा।

ई क्यू यानी इमोशनल कोशेंट : लोगों से संपर्क करना हो या रोजमर्रा के जीवन से जुड़ा छोटा-बड़ा कोई निर्णय लेना हो, हमारा आचरण और हमारी कोई भी एक्टिविटी, इमोशंस यानी भावनाओं से ही नियंत्रित होती है। इमोशनल कोशेंट बहुआयामी होता है। इसके तहत समानुभूति यानी दूसरों की संवेदनाओं और उनके मन को समझना, सामाजिक कौशल यानी किस वक्त, किसी व्यक्ति से कैसा व्यवहार करना चाहिए, स्व-नियंत्रण यानी अपनी अच्छी-बुरी भावनाओं को काबू में रखना, आत्म जागरूकता यानी अपनी क्षमताओं की सही-सही जानकारी और स्वप्रेरणा यानी कभी भी हतोत्साहित या निराश ना होना और खुद को सदैव ऊर्जावान रखना आदि गुण समाहित होते हैं। इन गुणों को बढ़ाने के साथ-साथ बुरी या कहें नकारात्मक भावनाओं जैसे-क्रोध, भय, ईर्ष्या आदि से दूरी रखने से ई क्यू बढ़ती है।

आई क्यू यानी इंटेलिजेंस कोशेंट : यह बात जग जाहिर है कि बौद्धिक क्षमता का अच्छा स्तर हमें किसी भी कार्य को सही तरीके से करने की युक्ति सुझा सकता है। बुद्धिमत्ता यानी अच्छी बौद्धिक क्षमता का यह मतलब कतई नहीं कि आप दुनिया की हर स्किल को सीख लें या हर फील्ड, भाषा या तकनीक आदि पर आपकी पकड़ मजबूत हो जाए। इसका सीधा अर्थ यह है कि आप में प्रेजेंस आफ माइंड होना चाहिए। आपको यह मालूम होना चाहिए कि किस काम के लिए आप किसे हायर कर सकते हैं या किसकी मदद ले सकते हैं? किस व्यक्ति को कैसे अपने फेवर में लाया जा सकता है या अपने प्रस्ताव को मनवाया जा सकता है? कहां आपको बोलना चाहिए और कहां चुप रहना चाहिए? अपने अच्छे बौद्धिक स्तर से आप अपने लिए अच्छे-बुरे का निर्णय ले सकते हैं। नेगेटिव लोगों से दूरी बना सकते हैं और अनावश्यक कामों और व्यवधानों से बच सकते हैं। जाहिर है, ये सारे गुण आगे बढ़ाने और सफलता पाने में मदद करेंगे।

एस क्यू यानी स्पिरिचुअल कोशेंट : आध्यात्मिक शक्ति की मदद से आप अपनी क्षमताओं को सर्वोच्च स्तर पर ले जा सकते हैं। इसकी मदद से आप मन को शांत रख सकते हैं। साथ ही मस्तिष्क

को ऊर्जावान और सकारात्मक रूप से सक्रिय भी रख सकते हैं। कहने की जरूरत नहीं कि इस विशेषता की वजह से आप सबके प्रिय बनेंगे और प्रगतिपथ पर अग्रसर रहेंगे।

तीनों का है गहरा संबंध : यहां जिक्र किए गए तीनों गुणों के बारे में यह समझना जरूरी है कि ई क्यू और आई क्यू का परस्पर गहरा संबंध है। आपका कमजोर इमोशनल कोशेंट आपके इंटेलिजेंस कोशेंट का लेवल कम कर सकता है। इसी प्रकार कमजोर इंटेलिजेंट कोशेंट, आपके इमोशनल कोशेंट का लेवल कमजोर कर सकता है। इन दोनों को संतुलित रखने और इनका स्तर ऊंचा रखने में आपकी मदद करता है एस क्यू। आध्यात्मिक गतिविधियों का अभ्यास और इसका सहारा आपको मूल्य आधारित, ईमानदार, सात्विक, निष्ठावान और सच्चा जीवन जीने की प्रेरणा देता है। जाहिर है, इससे आपके मन को शांति-सुकून तो मिलता ही है, सामाजिक और व्यापारिक क्षेत्र में आपकी प्रतिष्ठा भी बढ़ती है। *

एडवाइस
दिनेश प्रताप सिंह 'चित्रेश'

बोर्ड एग्जाम के नाम से ही कुछ छात्रों के मन में तनाव होने लगता है। इस डर से वे अच्छी तैयारी भी नहीं कर पाते हैं। इससे बचने के लिए क्या करें, छात्रों के लिए यूजफुल सजेशंस।

बिना डरे करें एग्जाम की तैयारी

फरवरी से सीबीएसई सहित कई अन्य बोर्डों की परीक्षाएं शुरू होने वाली हैं। बोर्ड परीक्षा के नाम से ही किशोर छात्रों में तनाव पैदा होना नई बात नहीं है। घबराहट और बेचैनी से रात की नींद और दिन का चैन गायब हो जाता है। इस मनोदशा के लिए एग्जाम फीवर और एग्जामिनोफोविया जैसे शब्द प्रचलन में हैं। जबकि चिकित्सकीय शब्दकोश में इन दोनों शब्दों का नामों निशान नहीं है। बहरहाल, परीक्षा के तनाव को नियंत्रित किया जाना जरूरी है, समय रहते इस पर काबू ना पाया गया तो कभी-कभी छात्र अवसादग्रस्त हो जाते हैं। आजकल किशोरों में अवसाद की स्थिति आत्महत्या का कारण तक बनने लगी है, जोकि अत्यंत चिंताजनक बात है।

पैरेंट्स से करते रहें बातचीत: एग्जाम के तनाव से बचने के लिए सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि स्टूडेंट्स अपने पैरेंट्स से संवाद बनाए रखें। खुलकर बात करें। अपनी रुचि-अभिरुचि से उन्हें अवगत कराएं। यहा तक कि अपने कमजोर पक्षों को भी पैरेंट से शेयर करनें में ना झिझकें। बोर्ड की परीक्षाएं डरावनी लगें, तनाव का कारण बन रही हों तो स्वयं अपने भीतर उन कारणों को खोजें, जो इसके लिए जिम्मेदार हैं। निश्चित रूप से इसकी मूल वजह मिल जाएगी। पैरेंट्स की बड़ी अपेक्षाएं, अपने को औरों की तुलना में कमतर आंकना, आत्मविश्वास की कमी, अकेलापन, मित्रों-अभिभावकों से अपनी समस्या शेयर ना करना और टीनएज मानसिकता जैसे कुछ कारण इस समस्या के लिए उत्तरदायी होते हैं। इसके लिए पैरेंट्स भी अपने बच्चों से बातचीत करके उनकी मदद कर सकते हैं।

समस्या का खोजें समाधान: जब समस्या का पता चल जाए तो समाधान खोजना मुश्किल नहीं होगा। अगर आपकी चिंता और तनाव का कारण माता-पिता की लंबी-चौड़ी उम्मीदें हैं तो उनसे बात करें। बेझिझक अपनी स्थिति से उन्हें अवगत कराएं। वे सहानुभूति के साथ आपको जरूर समझेंगे और समाधान तलाशने का रास्ता भी दिखाएंगे। बच्चों के जीवन में पैरेंट से महत्वपूर्ण भूमिका किसी और की नहीं होती है। किसी भी दशा में समस्या को अपने अंदर पालकर घुटन का कारण ना बनने दें।

तुलना करने से बचें: कभी-कभी बच्चे अपने उन क्लासमेट्स से अपनी पढ़ाई-लिखाई की तुलना करने लगते हैं, जो विद्यालय में अपेक्षाकृत अच्छा प्रदर्शन कर रहे होते हैं। यह तुलना ठीक नहीं है। हर बच्चे की अपनी क्षमता और लर्निंग स्टाइल होती है। इसलिए दूसरे से अपनी तुलना करके अनावश्यक तनाव को नहीं बढ़ाना चाहिए।

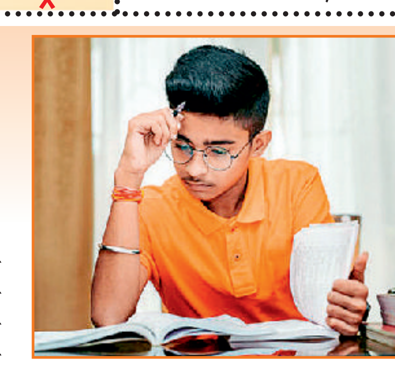

आत्मविश्वास बनाए रखें : किसी भी परीक्षा में अच्छे अंक लाने और परीक्षा पास कराने का सबसे सफल सूत्र है कि आत्मविश्वास बनाए रखें। पढ़ाई के समय मन को तनाव, बेचैनी और दुश्चिंता से बचाएं। एकाग्र होकर पढ़ें। फिजिक्स, केमेस्ट्री, मैथ के साथ हिंदी, अंग्रेजी, सामाजिक विज्ञान सब्जेंट्स भी पढ़ते रहें, उन्हें इग्नोर ना करें। अच्छा स्कोर लाने में सभी सब्जेक्ट्स के नंबर्स जुड़ते हैं।

इनका भी रखें ध्यान: एग्जाम के डर से हमेशा पढ़ते रहना अच्छी बात नहीं है। परीक्षा की तैयारी के दिनों में भी पर्याप्त नींद लेना जरूरी होता है। तली-भुनी चीजों और फास्ट फूड से परहेज रखें, इससे आलस महसूस होती है। एक बार में ज्यादा ना खाएं, इससे भी नींद और आलस्य बढ़ता है। लेकिन भूखे रहकर भी ना पढ़ते रहें। थोड़ा-थोड़ा तीन-चार बार में खाएं। कुछ समय खेलकूद और मनोरंजन के लिए भी निकालना अच्छा रहता है। जब पढ़ाई से थकान आ जाए तो कुछ देर घूम-टहल लें। यहां बताई गई बातों के अलावा परीक्षा के परिणाम के बारे में अभी से सोचना शुरू ना कर दें। इससे अनावश्यक तनाव होगा। फिलहाल केवल तैयारी पर ही फोकस करें। *

लघुकथा / गोविंद भारद्वाज

नेम प्लेट

सोमदत्त जी ने अपने दोनों बेटों में अपनी संपत्ति का बंटवारा बराबर-बराबर कर दिया था। दोनों बेटे और बहुएं बहुत खुश थे।

एक दिन सोमदत्त जी सुबह की सैर करके घर लौटे तो बड़े हैरान रह गए। उन्होंने घर में प्रवेश करते ही बड़े बेटे से पूछा, 'अरे बड़के, तुमने घर की नेम प्लेट कब बदल दी और क्यों बदली?' 'वो क्या है बाबू जी... जब यह घर आपने हमारे नाम कर दिया है तो नेम प्लेट इन्होंने खुद के नाम की लगवा ली...।' बड़का कुछ जवाब देता उससे पहले ही बहू बोल पड़ी।

'क्या मेरी नेम प्लेट लगी रहने से तुम्हारा घर नहीं रहता यह?' सोमदत्त जी ने दुखी स्वर में पूछा। 'बाबूजी... कोई दूसरे का नाम थोड़ी लिखा है नेम प्लेट पर, है तो आपके बेटे का ही नाम...।' बहू ने पलट कर जवाब दिया। 'तो इससे पहले भी तो किसी दूसरे का नाम थोड़ी लिखा था नेम प्लेट पर...। लिखा था तो पापा के पिताजी जी का ही ना..।' सोमदत्त जी के इकलौते पोते ने तपाक से अपनी मम्मी से कहा।

यह सुन सोमदत्त जी ने पोते को सीने से लगा लिया। उनकी आंखों में आंसू आ गए। *

व्यंग्य
केदार शर्मा 'निरीह'

जमाना बहुत बदल चुका है, अब अधिकांश लड़कियां जॉब में हैं, वे अपने पति का चयन बहुत जांच-पड़ताल के बाद कर रही हैं। मिस मलिका की जैसे ही सरकारी नौकरी लगी, उन्होंने अपना पति चुनने के लिए साक्षात्कार लेना शुरू किया, साक्षात्कार में जो प्रश्न पूछे, आप जरूर जानिए।

पति चुनने के लिए एक साक्षात्कार

भारतीय संस्कृति में स्त्री के जीवन में पति का स्थान अधिक संवेदनशील और उसके भाग्य का निर्णायक माना जाता है। अगर वह जी का जंजाल मिल गया तो फिर ऊपर वाला ही मालिक है। अगर वह बेरोजगार है तो पत्नी की जिंदगी एक आफत सी हो जाती है। केवल पत्नी नौकरी में हो तो उस बेचारी की और आफत हो जाती है। पहले जॉब में दिन भर खटो, फिर घर आकर घरेलू कामों में जुटो। अगर वह नौकरी वाले से विवाह करती है तो भी दो पाटन (घर और ऑफिस) के बीच में पति-पत्नी संग बच्चे भी पिसते हैं। इसीलिए मिस मलिका की ज्यों ही सरकारी नौकरी लगी, उसने उसी समय तय कर लिया कि जब पति इतना महत्वपूर्ण जीव होता है तो वह ऐसे जीव का चयन साक्षात्कार के माध्यम से ठोक-बजाकर ही करेगी। वह दो पाटों के बीच नहीं फंसेगी। अगर वह कमाएगी तो उस पति नामक जीव को घर संभालना ही होगा। साक्षात्कार में कई बेरोजगार युवकों ने भाग लिया। यह एक तरह से स्वयंवर का ही आधुनिक वर्जन था। जिस बंदे का पति के रूप में मिस मलिका ने चयन किया, उसका साक्षात्कार इच्छुक बेरोजगारों के लिए जनहित में प्रस्तुत किया जा रहा है।

मिस मलिका : मि. चरणदास आप हाउस हसबैंड ही क्यों बनना चाहते हैं?

चरणदास : जी, पहले तो केवल हसबैंड ही बनने का सपना था, पर इस कमबख्त बेरोजगारी ने ऐसा बैंड बजाया कि शादी के बैंड के बजने की नौबत ही नहीं आ रही है। कई परीक्षाओं की तैयारी के बाद भी सफलता नहीं मिली और जब अब स्वयंवर की तर्ज पर साक्षात्कार के माध्यम से पति चुने जाने लगे हैं तो अब आशा बंधती है कि हो सकता है ईश्वर ने मुझे इस काम के लिए ही पैदा किया हो?

मिस मलिका : आपको कोई हीन भावना तो अनुभव नहीं होगी, कुछ लोग आपको 'जोरू का गुलाम' जैसे तमगों से सम्मानित भी कर सकते हैं।

चरणदास: जब मैं बेरोजगार हूं तब भी लोग निखट्टू, रोडपति, निकम्मा जैसी पदवियों से नवाजते रहते हैं। हाउस हसबैंड कोई बुरा काम नहीं है। एक तो लाइफ टाइम है, दूसरी बात कमाने का झंझट खत्म। जीने के लिए कोई न कोई काम तो करना ही था। जब महिलाएं हाउस वाइफ के साथ-साथ परंपरागत रूप

से पुरुषों के माने-जाने काम भी कर रही हैं तो पुरुष हाउस हसबैंड का काम क्यों नहीं कर सकता है?

मिस मलिका : इस पद के जॉब चार्ट के मुताबिक खाना बनाने और स्पेशल डाइट के लिए तरह-तरह के व्यंजन बनाने में निपुण होना अनिवार्य है। क्या आप यह सब कर लेंगे?

चरणदास : जी, एक बार पिताजी ने डांट पिलाई थी तो नाराज होकर शहर चला गया था, जहां एक होटल के मेस में ही काम सीख-सीख कर शेफ तक का काम कर चुका हूं। ये लीजिए अनुभव प्रमाण-पत्र। (सौंपता है और मिस मलिका अवलोकन करती हैं)

मिस मलिका : फर्श पर पोंछा लगाना, जाले साफ करना, घर में पूरी तरह साफ-सफाई रखना दूसरा महत्वपूर्ण काम है। इस बारे में आपका क्या अनुभव है?

चरणदास : जी, कभी किया तो नहीं पर पोंछा लगाती हुई, सफाई करती हुई महिलाओं के काम का अवलोकन बचपन से करते आए हैं, सोचा भी न था कि उस सूक्ष्म निरीक्षण का यह अनुभव भी कभी जीवन में काम आ सकता है।

मिस मलिका : वाशिंग मशीन चलाना और कपड़ों पर प्रेस करने का काम भी आता है या नहीं?

चरणदास: जी, मैं शीघ्र ही सीख लूंगा, बस यही काम सीखने से रह गया था। यह लीजिए, भविष्य में सीख लेने का अग्रिम शपथपत्र। (सौंपता है)

मिस मलिका : यदि आपका हाउस हसबैंड के लिए चयन हो जाता है तो आापकी कोई विशेष अपेक्षा?

चरणदास : जी, यदि कोई काम गलती से गलत हो जाए तो प्यार से समझा दीजिएगा, बस।

मिस मलिका : (मुस्कराकर) अरे! इतना भी डरने की जरूरत नहीं है। वैसे डरने वाला पति ही मेरी पहली पसंद है, लेकिन याद रखना सबके सामने डर जाहिर नहीं होना चाहिए। दिखने में हसबैंड जैसे नहीं लगे तो तीन नोटिस देकर बर्खास्त करने का अधिकार भी मेरे पास सुरक्षित रहेगा। वैसे आप स्मार्ट तो लगते हैं वो बात अलग है, पर ज्यादा स्मार्ट बनने की कोशिश मत करिएगा। आखिरकार आप एक हसबैंड बनने जा रहे हैं, हसबैंड प्लस हाउस हसबैंड! *

लेखक ध्यान दें...

लेखक रविवार भारती में प्रकाशनार्थ अपनी रचनाएं / लेख कृपया ई-मेल आईडी haribhoomifeaturedep@gmail.com पर भेजें।

पिछले 8 वर्ष में एआईएसएचई में छात्रों का नामांकन 26 फीसदी बढ़ा

उच्च शिक्षा पर अखिल भारतीय सर्वेक्षण ने आंकड़े जारी किए

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

शिक्षा मंत्रालय द्वारा किए गए सर्वेक्षण के अनुसार 2021-22 में उच्च शिक्षा में छात्रों का नामांकन लगभग 4.33 करोड़ तक पहुंच गया, जो 2014-2015 के बाद से 26.5 प्रतिशत की वृद्धि है।

गुरुवार को जारी उच्च शिक्षा पर अखिल भारतीय सर्वेक्षण (एआईएसएचई) के अनुसार, 2014-15 से 341 विश्वविद्यालय और विश्वविद्यालय स्तर के संस्थान स्थापित किए गए हैं। सर्वेक्षण से पता चला कि सकल नामांकन अनुपात (जीईआर) 2014-15 में 23.7 से बढ़कर 2021-22 में 28.4 हो गया है। सर्वेक्षण से पता चला कि महिला जीईआर 2014-15 में 22.9 से बढ़कर 2021-22 में 28.5 हो गई है।

2011 से किया जा रहा संचालन

शिक्षा मंत्रालय ने उच्च शिक्षा पर अखिल भारतीय सर्वेक्षण 2021-2022 जारी किया था। मंत्रालय 2011 से एआईएसएचई का संचालन कर रहा है। इसमें एआईएसएचई के साथ पंजीकृत देश के सभी उच्च शैक्षणिक संस्थानों से नामांकन, शिक्षकों और बुनियादी जानकारी पर जानकारी इकट्ठा की जाती है।

पिछले 8 साल में एससी छात्र वर्ग का नामांकन 44 फीसदी बढ़ा

2014-15 में 46.07 लाख की तुलना में 2021-22 में 66.23 लाख (44 प्रतिशत की वृद्धि) एससी छात्र वर्ग ने नामांकन किया। वहीं, एससी महिला छात्रों का नामांकन 2020-21 में 29.01 लाख और 2014-15 में 21.02 लाख से बढ़कर 2021-22 में 31.71 लाख हो गया है। 2021-22 में एसटी और ओबीसी छात्रों का नामांकन बढ़कर क्रमशः 27.1 लाख और 1.63 करोड़ हो गया है।

कला संकाय में नामांकन सबसे ज्यादा दर्ज

2021-22 में स्नातक स्तर पर कला (34.2प्रतिशत) में नामांकन सबसे अधिक है, इसके बाद विज्ञान (14.8फीसदी), वाणिज्य (13.3फीसदी) और इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी (11.8फीसदी) का स्थान है। एआईएसएचई 2021-22 में स्नातकोत्तर स्तर पर स्ट्रीम में, अधिकतम छात्र सामाजिक विज्ञान (21.1फीसदी) में नामांकित हैं, उसके बाद विज्ञान (14.7फीसदी) में हैं। पीएच.डी. नामांकन 2014-15 में 1.17 लाख की तुलना में 2021-22 में 81.2 फीसदी बढ़कर 2.12 लाख हो गया है।

खबर संक्षेप

उस्मानिया यूनिवर्सिटी में छात्राओं का विरोध प्रदर्शन

हैदराबाद। हैदराबाद के उस्मानिया विश्वविद्यालय के पोस्ट ग्रेजुएट गर्ल्स हॉस्टल की छात्राओं ने शनिवार को हंगामा किया। ये परिसर मेंसुरक्षा उल्लंघन को लेकर गुस्साई हुई है। छात्रों को अपने छात्रावास के सामने बैठकर 'हमें न्याय चाहिए' के नारे लगाते देखा गया। छात्रों का कहना है कि वह केवल वीसी को परिसर में आने की मांग कर रहे हैं।

दोस्तों ने एसीपी के बेटे को नहर में डुबाकर मारा

नई दिल्ली। दिल्ली के आउटर नॉर्थ जिले में तैनात एसीपी के लापता बेटे लक्ष्य चौहान को उसके दोस्तों ने ही कथित तौर पर पानीपत की नहर में धक्का देकर मार डाला। शुक्रवार को पहले से दर्ज एफआईआर में हत्या की धारा जोड़ दी गई है। एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। मुख्य आरोपी की तलाश में छापा मारा जा रहा।

सरेबाजार युवक को मारी गोली, चाकू से रेता गला

नई दिल्ली। नॉर्थ ईस्ट दिल्ली के शास्त्री पार्क इलाके में बीच बाजार एक युवक को कुछ लोगों ने गोली मार दी और फिर उसका गला भी रेत दिया। इस घटना को जिसने भी देखा उसकी रूह कांप गई। इसका सीसीटीवी फुटेज सामने आया है, सभी आरोपी फरार हो गए हैं। इनकी तलाश में छापेमारी की जा रही है।

पुलिस को मारने वाले लोगों पर चलेंगे केस

मुंबई। महाराष्ट्र में लगातार मराठा आंदोलन को लेकर हो रहा प्रदर्शन अब थम गया है। महाराष्ट्र सरकार ने मनोज जरांगे पाटिल की सभी मांगे मानते हुए इस पर अध्यादेश जारी किया है। जरांगे ने आंदोलन वापस लेने की घोषणा की है। उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़नवीस ने जरांगे का अभिनंदन किया और कहा जिन्होंने पुलिस को मारा,घर जलाए हैं उनके मुकदमे वापस नहीं होंगे।

अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारी सम्मेलन में पीएम मोदी बोले

संविधान सभा से बहुत कुछ सीखें और उनके आदर्शों से प्रेरणा भी लें

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारियों के सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि पीठासीन अधिकारी संविधान सभा के आदर्शों से प्रेरणा लें।

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए शनिवार को सभा को किया संबोधित

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

पीएम नरेंद्र मोदी ने शनिवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारियों के सम्मेलन को संबोधित किया।

अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि यह सम्मेलन खास है, क्योंकि यह 75वें गणतंत्र दिवस के ठीक बाद हो रहा है। उन्होंने कहा कि पीठासीन अधिकारियों के पास यह अवसर है कि वे संविधान सभा के आदर्शों से प्रेरणा लें। उन्होंने अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारियों के सम्मेलन के लिए शुभकामनाएं दीं और कहा, इस बार का यह सम्मेलन और भी खास है, क्योंकि यह भारत के 75वें गणतंत्र दिवस के ठीक बाद हो रहा है। आज से 75 वर्ष पहले 26 जनवरी को ही हमारा संविधान लागू हुआ था। संविधान के भी 75 साल पूरे हो रहे हैं। मैं देशवासियों की ओर से संविधान सभा के सभी सदस्यों को श्रद्धापूर्वक नमन करता हूं।

पहले वरिष्ठ सदस्य दूसरों को मर्यादा का पालन सिखाते थे

पीएम मोदी ने कहा कि पीठासीन अधिकारियों के इस सम्मेलन के लिए संविधान सभा से सीखने को बहुत कुछ है। पीठासीन अधिकारियों के पास यह अवसर है कि वे संविधान सभा के आदर्शों से प्रेरणा लें। प्रधानमंत्री ने कहा, एक समय था, जब सदन में कोई भी सदस्य शिष्टाचार का उल्लंघन करता था और अगर उसके खिलाफ नियमों के तहत कार्रवाई की जाती थी तो सदन के अन्य वरिष्ठ सदस्य उस सदस्य को समझाते थे कि भविष्य में वे ऐसी गलती न करें, जो सदन के माहौल और उसकी मर्यादा को प्रभावित करती है।

आजकल कई सदस्य गलतियों का ही बचाव करने लगे

पीएम ने कहा कि आज के समय में हमने देखा है कि कुछ राजनीतिक दल ऐसे ही सदस्यों के समर्थन में खड़े हो जाते हैं। उनकी गलतियों का बचाव करने लगते हैं। यह स्थिति संसद हो या विधानसभा, किसी के लिए भी ठीक नहीं है। इस पर चर्चा बहुत जरूरी है।

राष्ट्रीय सेवा योजना की स्वयंसेवकों से बोले उप राष्ट्रपति धनखड़

अब निरंकुशता और भाई-भतीजावाद नहीं, भ्रष्टाचार और बिचौलियों का पारिस्थितिकी तंत्र खत्म

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने शनिवार को कहा कि देश में 'निरंकुशता और भाई-भतीजावाद' की जगह अब 'प्रतिभा' ने ले ली है और आज युवाओं के पास अपने लक्ष्य हासिल करने के अधिक अवसर हैं। यहां राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) की स्वयंसेवकों के साथ बातचीत करते हुए धनखड़ ने दावा किया कि अब कानून के समक्ष वास्तव में सभी समान हैं जबकि अतीत में कुछ लोग सोचते थे कि वे इससे ऊपर हैं। धनखड़ ने कहा कि भ्रष्टाचार और बिचौलियों का पारिस्थितिकी तंत्र नष्ट हो गया है और युवाओं के पास अपार अवसर हैं। उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार की निरंकुशता को लोकतंत्र की प्रतिभा से बदल दिया गया है।

अनुसंधान,उद्यमिता पर ध्यान दें

एनएसएस स्वयंसेवक उस महिला दल का हिस्सा थीं, जिसने शुक्रवार को गणतंत्र दिवस परेड में भाग लिया था। युवाओं को 2047 तक भारत को एक विकसित देश बनने में मदद करने वाले 'सैनिक' बताते हुए उपराष्ट्रपति ने उनसे नवोन्वेषी बनने और अनुसंधान तथा उद्यमिता पर ध्यान केंद्रित करने का आग्रह किया।

जन प्रतिनिधियों का आचरण संसदीय मर्यादा के अनुरूप होना चाहिए: स्पीकर बिरला

सुनियोजित व्यवधान से विरोध और असहमति नहीं जताई जानी चाहिए

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला ने विधानमंडलों में अनुशासनहीनता, कार्यवाही में व्यवधान और असंसदीय आचरण की घटनाओं पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा है कि इससे विधानमंडलों की विश्वसनीयता प्रभावित हो रही है। बिरला ने यह भी कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में असहमति व्यक्त करने के लिए गुंजाइश है, इसलिए व्यवधान के माध्यम से विरोध और असहमति नहीं जताई जानी चाहिए।

बिरला ने शनिवार को महाराष्ट्र विधानमंडल परिसर, मुंबई में 84वें अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारी सम्मेलन का उद्घाटन उपरांत संबोधन में ये बातें कही।

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, राज्य सभा के उपसभापति हरिवंश, महाराष्ट्र विधान सभा के अध्यक्ष राहुल नार्वेकर, महाराष्ट्र विधान परिषद की उप सभापति, डॉ. नीलम गोरहे और महाराष्ट्र विधान सभा के उपाध्यक्ष नरहरि सीताराम झिरवाल उद्घाटन सत्र में उपस्थित रहे और विशिष्ट सभा को संबोधित किया। पीएम नरेंद्र मोदी वीडियो संदेश के माध्यम से सम्मेलन में शामिल हुए। उद्घाटन सत्र में 26 पीठासीन अधिकारियों ने भाग लिया।

बिरला ने कहा कि विधानमंडलों की प्रतिष्ठा और गरिमा को बनाए रखना और विधानमंडलों में मर्यादापूर्ण आचरण को बनाए रखना सर्वोपरि है, लेकिन यह चिंता का विषय है कि इन मुद्दों पर आम सहमति होने के बावजूद, हम अभी तक सदन के सुचारू कामकाज के लिए अपनी प्रतिबद्धताओं को लागू नहीं कर पाए हैं। इस बात पर जोर देते हुए कि जन प्रतिनिधियों का आचरण संसदीय मर्यादाओं के अनुरूप होना चाहिए, बिरला ने सदस्यों से सदन में अपना समय रचनात्मक कार्यों में लगाने का आग्रह किया। बिरला ने सुझाव दिया कि यदि आवश्यक हो तो नियमों में बदलाव करते हुए ठोस और निश्चित कार्य योजना तैयार करनी चाहिए। नवाचार पर जोर देते हुए कहा, विधानमंडलों में काम के नए तरीकों को बढ़ाना चाहिए ताकि लोकतांत्रिक संस्थाएं कार्यपालिका की जिम्मेदारी को निभा सकें।

गार्ड ऑफ ऑनर का निरीक्षण करते पीएम

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को नई दिल्ली के करियप्पा ग्राउंड में एनसीसी रैली के दौरान गार्ड ऑफ ऑनर का निरीक्षण किया।

लोकसभा की 11 सीटों पर चुनाव लड़ेगी कांग्रेस

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

यूपी में इंडिया गठबंधन में सीटों के बंटवारे पर सहमति बन गई है। समाजवादी पार्टी और कांग्रेस के बीच सीटों की डील पक्की हो गई है। कांग्रेस यूपी में 11 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट कर यह जानकारी दी है। यादव ने लिखा- कांग्रेस के साथ मजबूत सीटों से गठबंधन की अच्छी शुरुआत हो रही है। ये सिलसिला जीत के समीकरण के साथ आगे बढ़ेगा। 'इंडिया' की टीम और पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक 'पीडीए' की रणनीति इतिहास बदल देगी।

ममता, नीतीश के अलग होने से गठबंधन टूटेगा

मोदी सरकार को सत्ता से बाहर करने के इरादे से बनाया गया आईएनडीआईए गठबंधन लोकसभा चुनाव से पहले ही बिखरने लगा है। बिहार में नीतीश कुमार आरजेडी का साथ छोड़कर फिर से भाजपा के साथ गठबंधन करके सरकार बनाने जा रहे हैं। इस सियासी घमासान से विपक्ष में बेचैन है। उधर, बंगाल में ममता बेनर्जी एकला चलो की राह पर हैं तो पंजाब में आम आदमी पार्टी भी साथ नहीं लेना चाहती है। इससे विपक्ष की परेशानी और बढ़ गई है।

पेज एक का शेष

नीतीश फिर पलटे ...

को बुलाई है। नीतीश की आरजेडी से इतनी दूरी हो गई है कि उन्होंने लालूप्रसाद यादव के लगभग 8 कॉल रिसीव नहीं किए। लालू हर कीमत पर तेजस्वी को सीएम बनाना चाहते हैं। इसी बात का दबाव नीतीश कुमार पर भी आ रहा था और इसी वजह से उनकी दूरियां आरजेडी के साथ बढ़ती गईं। माना जा रहा है कि नए समीकरणों में दो डिप्टी सीएम व सीएम का फॉर्मूला बन रहा है। दो डिप्टी सीएम में सुशील मोदी और रेणु देवी का नाम चल रहा है। नीतीश कुमार भारतीय राजनीति के ऐसे चेहरे माने जाते हैं जो सीएम पद पर रहते हुए सीएम बनने के लिए सीएम पद से इस्तीफा देते हैं ताकि वे फिर से सीएम बन सकें। गौर हो कि आरजेडी के साथ जाने के बाद भाजपा ने नीतीश के लिए एनडीए के दरवाजे बंद कर दिए थे। इस पर अब भाजपा का कहना है कि दरवाजे कोई दीवार नहीं हैं, जो खुल न सकें। दरवाजे तो बंद होने और खुलने के लिए ही होते हैं। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा रविवार को बिहार जा सकते हैं। माना जा रहा है कि वे नीतीश के शपथ ग्रहण समारोह में हिस्सा लेंगे। अभी तक कोई औपचारिक ऐलान नहीं किया गया है, लेकिन अटकलें तेज हैं। तेजस्वी यादव ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि मैंने अपनी तरफ से गठबंधन वाला धर्म निभाया, नीतीश का हमेशा सम्मान किया। यानी, उनका रुख नरम है।

मांझी बने लालू की ...

वे मोदी के साथ हैं। आरजेडी ने अपनी बैठक में बड़ा फैसला लेते हुए साफ कर दिया है कि हर फैसले के लिए अब लालू यादव अधिकृत रहने वाले हैं। यानी कि हर बड़ा फैसला अब सीधे लालू यादव की तरफ से लिया जाएगा।

चिराग पासवान...

करना चाहिए। जितनी सीटों पर एलजेपी (रामविलास पासवान) लड़ती आ रही है, उतनी सीटों पर आगे भी लड़ना चाहती है। बताया जा रहा है कि अगर बात नहीं बनी तो 23 सीटों पर अकेले ही चिराग अपने उम्मीदवार उतार सकते हैं।

भाजपा की कुर्मी...

का वर्चस्व है और भाजपा आसानी से उनके साथ मिलकर जीत सकती है। बिहार की राजनीति के जानकार मानते हैं कि नीतीश कुमार का बिहार में 20% वोट कहीं नहीं गया है। नीतीश कुर्मी जाति से आते हैं और उनका असर बिहार से सटे उत्तर प्रदेश के भी कई इलाकों में भी है। इसका फायदा भाजपा को मिल सकता है।

भड़के केरल गवर्नर...

एक एसएफआई कार्यकर्ता ने कहा कि बिना किसी योग्यता के सुरेंद्रन को भाजपा दफ्तर से सिफारिश आने के बाद बाद सीनेट में वापस ले लिया गया. इसलिए एसएफआई पिछले कई महीनों से राज्यपाल के खिलाफ राज्यव्यापी विरोध प्रदर्शन कर रही है। राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान के खिलाफ प्रदर्शन करने के बाद अब पुलिस ने 13 एसएफआई कार्यकर्ताओं के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है. इन पर आईपीसी की धारा 143, 144, 147, 283, 353, 124, 149 के तहत एफआईआर की गई है।

भाजपा ने 23 राज्यों...

जम्मू-कश्मीर तरुण चुघ और आशीष सूद, झारखंड लक्ष्मीकांत बाजपेयी, कर्नाटक राधामोहन दास अग्रवाल और सुधाकर रेड्डी, केरल प्रकाश जावड़ेकर, लद्दाख अवरिन्द मेनन, लक्षद्वीप तरुण चुघ, मध्य प्रदेश महेन्द्र सिंह और सीतश उपाध्याय, ओडिशा विजयपाल सिंह तोमर और लता उसेंडी, पुदुचेरी निर्मल कुमार सुराणा, पंजाब विजयभाई रूपाणी और नरिंदर सिंह, सिक्किम दिलीप जायसवाल, तमिलनाडु अरविंद मेनन और सुधाकर रेड्डी, उत्तर प्रदेश बैजयंत पांडा, उत्तराखंड दुष्यन्त कुमार गौतम, पश्चिम बंगाल में मंगल पांडे प्रभारी तथा अमित मालवीय और आशा लकड़ा सह प्रभारी बनाये गए हैं।

रोहन बोपन्ना...

तोड़ा वर्ल्ड रिकॉर्ड: 43 साल के रोहन बोपन्ना ग्रैंड स्लैम (ओपन एरा) जीतने वाले सबसे उम्रदराज पुरुष खिलाड़ी बन गए हैं। पिछला रिकॉर्ड नीदरलैंड्स जीन-जूलियन रोजर के नाम था, जिन्होंने 40 साल और नौ महीने की उम्र में मार्सेलो अरेवोला के साथ मिलकर 2022 के फ्रेंच ओपन में पुरुष युगल खिताब जीता था।

विमान में बैठते...

करके उसके खिलाफ मामला दर्ज किया है। फिलहाल युवक से पूछताछ की जा रही है कि आखिर उसने यह अफवाह क्यों फैलाई। काफी देर तक चले हंगामे के बाद फ्लाइट को रवाना किया गया।

टेक ऑफ रोका जांच हुई: फ्लाइट स्टाफ ने तुरंत इस बात की जानकारी कंट्रोल रूम को दी। कंट्रोल रूम से तुरंत फ्लाइट का टेक ऑफ रोक दिया गया। इसके बाद फ्लाइट में सुरक्षाकर्मी पहुंचे और सभी यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकालकर पूरी फ्लाइट की चेकिंग की गई। इस चेकिंग में कोई भी संदिग्ध सामान नहीं पाया गया। इसके बाद उस यात्री से पूछताछ की गई। जब यात्री मोहम्मद अयूब अपनी इस हरकत का ठीक से जवाब नहीं दे पाया तो उसे गिरफ्तार किया गया।

बजट की तैयारी...

की टीम और वित्त मंत्रालय के अधिकारियों की टीम के बीच बजट को लेकर दिन रात चर्चा चल रही है। ये चर्चाएं सुनिश्चित करती हैं कि प्रधानमंत्री द्वारा जमीनी हकीकतों की गहरी समझ के साथ तैयार की गई योजनाओं का जोर बजट के फाइन-प्रिंट में पर्याप्त रूप से प्रस्तुत किया जाए। सीतारमण 1 फरवरी को वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए अंतरिम बजट पेश करेंगी, जिससे वह मोरारजी देसाई के बाद लगातार छठी बार संसद में बजट पेश करने वाली देश की दूसरी वित्त मंत्री बन जाएंगी। लोकसभा चुनाव के चलते इस साल यह अंतरिम बजट होगा।

1 फरवरी के बाद घर...

देने के उद्देश्य से सरकारी नीतियों के साथ किए जाने वाले आवंटन को ध्यान में रखते हुए उन्हें पीएमओ के साथ निकट परामर्श में रखती हैं।

केंद्रीय मंत्री प्रधान ने उद्यमियों के साथ की बात

अब छोटे व सूक्ष्म उद्यमी भी देश की प्रगति के लिए तैयार

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

केंद्रीय शिक्षा और कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने दिल्ली के कौशल भवन में 100 से अधिक उद्यमियों के साथ बातचीत की। इन उद्यमियों को राष्ट्रीय उद्यमिता एवं लघु व्यवसाय विकास संस्थान, भारतीय उद्यमिता संस्थान जैसे विभिन्न कौशल विकास संस्थानों और प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना के तहत प्रशिक्षित किया गया है। प्रधान ने कहा कि यह पहली बार है कि कौशल पारिस्थितिकी तंत्र के उद्यमियों को गणतंत्र दिवस समारोह में अतिथि होने का सम्मान दिया गया है। यह पीएम नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व का प्रमाण है।

आपकी यह यात्रा प्रेरणादायी रही

प्रधान ने कहा कि उद्यमिता से आत्मनिर्भरता तक की उनकी यात्रा को देखना वास्तव में प्रेरणादायक रहा। उन्होंने कहा कि ये छोटे और सूक्ष्म उद्यमी देश की विकास यात्रा में एक नया योगदान देने के लिये तैयार हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि समाज के वंचित और कमजोर वर्गों को सशक्त बनाना इस इस सरकार का मूल आधार है और आम नागरिक पीएम मोदी की दृढ़ प्राथमिकता हैं। प्रधान ने उद्यमियों की सराहना की और उन्हें प्रोत्साहित किया। उन्होंने पीएम मोदी और कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय के प्रति आभार व्यक्त किया।

सांसद और केंद्रीय मंत्री का वादा

अमेठी के दो लाख लोगों को राम के दर्शन कराएंगी स्मृति

अमेठी। केंद्रीय महिला एवं बाल विकास, अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री स्मृति ईरानी अपने संसदीय क्षेत्र अमेठी के 2 लाख से अधिक लोगों को अयोध्या धाम में प्रभु श्रीराम के दर्शन कराएंगी। केंद्रीय मंत्री के प्रतिनिधि विजय गुप्तान ने शनिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इसके साथ ही तीन लाख से अधिक घरों तक प्रभु श्रीराम की प्राण-प्रतिष्ठा का प्रसाद पहुंचाने का लक्ष्य सुनिश्चित कर घर-घर प्रसाद पहुंचाने का काम शुरू कर दिया गया है। मंत्री के प्रतिनिधि विजय गुप्ता कहा कि अमेठी की सांसद ईरानी के निर्देश पर उत्थान सेवा संस्थान द्वारा अमेठी संसदीय क्षेत्र के 3 लाख परिवारों तक प्रभु श्रीराम की प्राण-प्रतिष्ठा का प्रसाद पहुंचाने का काम शुरू कर दिया गया है।

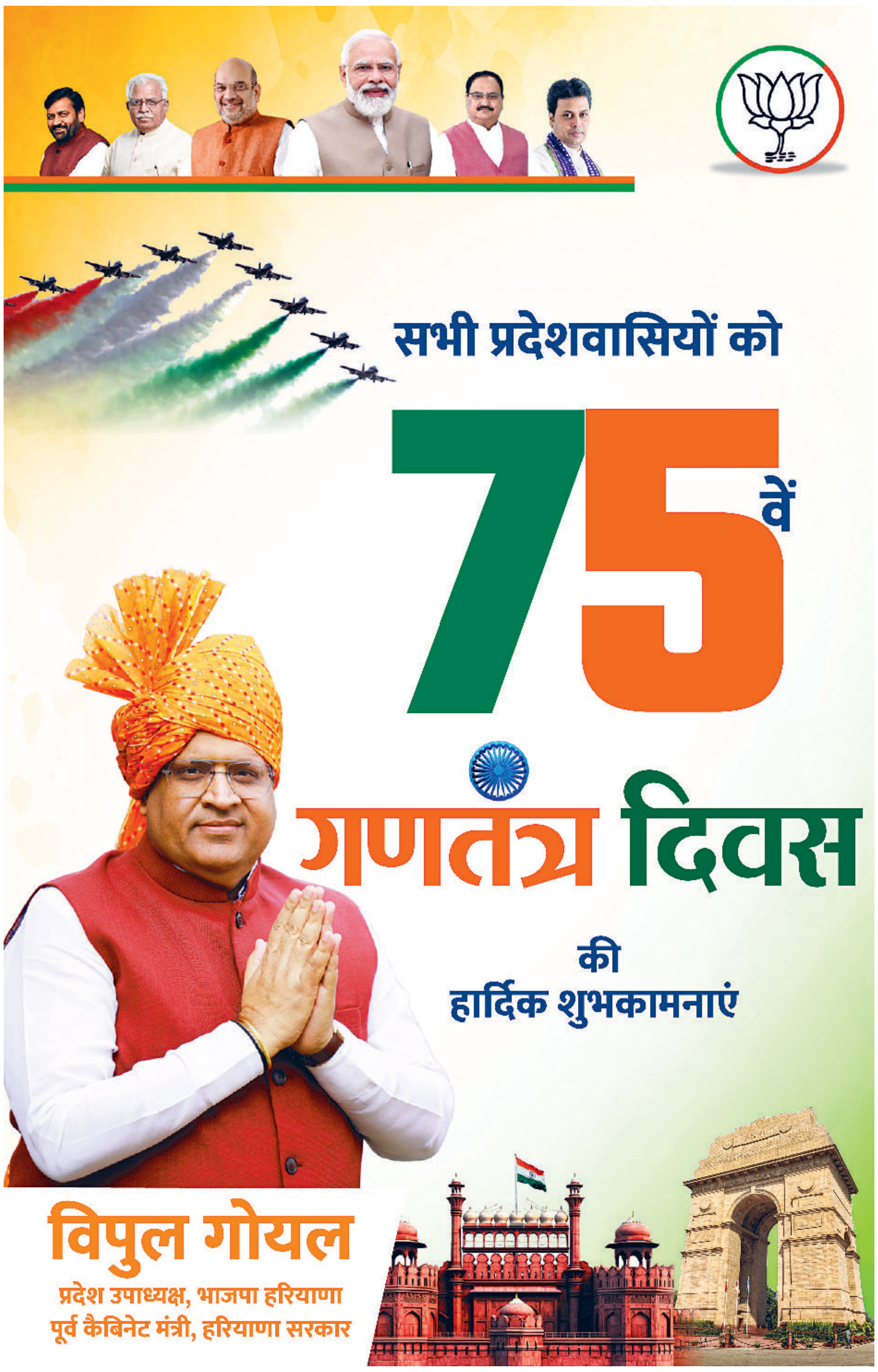
सभी प्रदेशवासियों को
75 वें
गणतंत्र दिवस
की
हार्दिक शुभकामनाएं
विपुल गोयल
प्रदेश उपाध्यक्ष, भाजपा हरियाणा
पूर्व कैबिनेट मंत्री, हरियाणा सरकार

26 January Republic Day
आप सभी को
चौ. महेंद्र प्रताप सिंह
पूर्व मंत्री
गणतंत्र दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं
विजय प्रताप
बड़खल विधानसभा - 87

बेटी बचाओ बेटी पढाओ
गणतंत्र दिवस
बेटी बचाओ बेटी पढाओ
दी गुड़गाँव केन्द्रीय सहकारी बैंक लि०
गुडगाँव की ओर से किसानों, उपभोक्ताओं तथा
सहकार बंधुओं को बधाई एवं शुभकामनाएँ
बैंक की गतिविधियाँ एवं बैंक सुविधाएँ
1. दी गुडगाँव केन्द्रीय सहकारी बैंक अपने कार्यक्षेत्र जिला गुरूग्राम व नूहँ में अपनी सभी शाखाओं में 78 सूक्ष्म ए.टी.एम. मशीनों द्वारा डिजिटल लेन-देन की सुविधा उपलब्ध करवा रहा है ।
2. दी गुडगाँव केन्द्रीय सहकारी बैंक अपने कार्यक्षेत्र जिला गुरूग्राम व नूहँ में अपने बैंक ग्राहकों को मोबाईल बैंकिंग ऐप की सुविधा उपलब्ध करवा रहा है ।
3. दी गुडगाँव केन्द्रीय सहकारी बैंक हरियाणा सरकार के पैनल में लिया गया बैंक हैं, जिसमें सरकार के कर्मचारियों को सैलरी खाता खुलवाने पर नि:शुल्क बीमा सुविधाओं के साथ-साथ अनेक प्रकार के सस्ते ऋण की सुविधा भी उपलब्ध करा रहा है व इन खातों पर 3 प्रतिशत ब्याज भी दिया जा रहा है ।
4. बैंक अपने ग्राहकों को व्यक्तिगत, व्यवसायिक, वाहन, भवन निर्माण, शिक्षा, उपभोक्ता, कैश क्रेडिट व गोदाम निर्माण हेतु कम ब्याज पर ऋण प्रदान कर रहा है तथा स्वयं सहायता समूहों व संयुक्त देयता समूहों को भी रियायती दरों पर ऋण दिया जा रहा है। बैंक द्वारा किसानों को प्राथमिक कृषि सहकारी समितियों के माध्यम से 0 प्रतिशत ब्याज दर पर ऋण उपलब्ध करवाया जा रहा है। जो कृषक अतिदेय है वह अपना पुराना ऋण जमा कराकर 0 प्रतिशत ब्याज दर का लाभ उठायें।
5. बैंक द्वारा जमा खातों पर अन्य बैंको से ज्यादा ब्याज दिया जाता है । वरिष्ठ नागरिकों को एक प्रतिशत ज्यादा ब्याज दिया जा रहा है ।
6. बैंक का वित्त वर्ष 2022-23 में लाभांश मुबलिग 287.90 लाख रू0 तथा कुल संचित लाभ 3396.57 लाख रू0 है ।
7. बैंक द्वारा अपने ग्राहकों को प्रधानमन्त्री सुरक्षा बीमा योजना, प्रधानमन्त्री जीवन ज्योति बीमा योजना, अटल पैंशन योजना, प्रधानमन्त्री फसल बीमा योजना, मुख्यमंत्री अन्तोदय परिवार उत्थान योजना, मुख्यमंत्री परिवार स्वनिधि योजना की सुविधा प्रदान की जा रही है।
8. प्रदेश की पहली मोबाईल वैन जिसके माध्यम से जिला गुरूग्राम व नूहँ के 450 से अधिक गांवों, स्कूलों, कॉलेजों व कस्बों में बैंकिंग तकनीक व डिजिटल वित्तिय साक्षरता का प्रचार प्रसार कर चालू वित्तिय वर्ष के दौरान 200 कैम्प आयोजित कर लोगों को वित्तीय व बैंकिंग तकनीक की जानकारी दी गई हैं । इसके अलावा इस वैन में सूक्ष्म ए.टी.एम. की सुविधा से ग्राहकों को घर-घर कैश की सुविधा भी उपलब्ध करवाई जा रही है ।
9. बैंक द्वारा अपने ग्राहकों को रूपे किसान कार्ड /रूपे डेबिट कार्ड, आरटीजीएस, एनईएफटी, ए.टी.एम., सूक्ष्म ए.टी.एम., मोबाईल बैंकिंग जैसी आधुनिक सुविधाऐं उपलब्ध करायी जा रही है ।
10. दी गुडगाँव केन्द्रीय सहकारी बैंक के कार्यक्षेत्र जिला गुरूग्राम व नूहँ में 28 शाखाऐं तथा 33 प्राथमिक कृषि सहकारी समितिया कार्यरत है ।
जितेन्द्र सिंह
महाप्रबंधक
सहकारी समितियाँ, गुरूग्राम
श्री सतीश कुमार रोहिल्ला
उप रजिस्ट्रार,
सहकारी समितियाँ, गुरूग्राम
राजेश सहरावत
सहायक रजिस्ट्रार,
सहकारी समितियाँ, गुरूग्राम
डॉ. प्रफुल्ल रंजन
प्रबंध निदेशक
दी हरियाणा राज्य सहकारी शीर्ष बैंक लि0
चंडीगढ़
दी गुडगाँव केन्द्रीय सहकारी बैंक लिमिटेड, गुडगाँव
सिविल लाईन्स, नजदीक मौर चौक, गुरूग्राम

भारतीय सेना में शामिल हर 10वां जवान हरियाणा से

युद्ध व आईईडी बलास्ट में शहीद होने पर सैनिकों की अनुग्रह राशि 20 से बढ़ाकर 50 लाख की गई

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

गणतंत्र दिवस पर फरीदाबाद के सेक्टर-12 में परिवहन मंत्री मूलचंद शर्मा ने ध्वजारोहण कर मार्च पास्ट की सलामी ली। इस मौके पर उन्होंने कहा कि यह प्रदेश के लिए गर्व की बात है कि भारतीय सेना में शामिल हर 10वां जवान प्रदेश से है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के नौजवान सेना में भर्ती होना अपनी शान समझते हैं। हम अपने शहीदों के बलिदानों का कर्ज तो नहीं चुका सकते, लेकिन उनके परिजनों की देखभाल करके उनके प्रति सम्मान अवश्य जता सकते हैं। इस दिशा में हमने 'सैनिक व अर्ध-सैनिक कल्याण विभाग' का गठन किया है। देश की सीमाओं की सुरक्षा करने वाले वीर सैनिकों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करता हूं। सरकार ने युद्ध के दौरान शहीद हुए हरियाणा के सैनिकों और अर्ध-सैनिक बलों के जवानों की अनुग्रह राशि 20 लाख से बढ़ाकर 50 लाख की है। इसी प्रकार, आईईडी बलास्ट में शहीद होने पर भी अनुग्रह राशि 20 लाख रुपए से बढ़ाकर 50 लाख रुपए की गई है। अब तक शहीदों के 367 आश्रितों को अनुकम्पा के आधार पर नौकरी भी प्रदान की गई है।

देश की सीमाओं की सुरक्षा करने वाले वीर सैनिकों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करता हूं। सरकार ने युद्ध के दौरान शहीद हुए हरियाणा के सैनिकों और अर्ध-सैनिक बलों के जवानों की अनुग्रह राशि 20 लाख से बढ़ाकर 50 लाख की है।

शहीदों को पुष्पचक्र अर्पित की

मूलचंद शर्मा ने मैदान में बतौर मुख्यातिथि परेड का निरीक्षण किया। इससे पहले उन्होंने शहीद स्मारक पर शहीदों को पुष्प चक्र अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। समारोह में लोगों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि 22 जनवरी को अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि पर पुन मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा के साथ ही भारत की प्रतिष्ठा भी स्थापित हुई है। भारत विश्व में हमेशा ऋषि मुनियों की आभा से जाना जाता रहा है।

वैश्य पोद्दार महासभा ने 75वां गणतंत्र दिवस समारोह धूमधाम से मनाया

वैश्य पोद्दार महासभा फरीदाबाद द्वारा 75वें गणतंत्र दिवस समारोह पोद्दार भवन में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विधायक नीरज शर्मा ने मुख्य अतिथि के तौर पर शिरकत की और ध्वजारोहण कर राष्ट्र गान गाया। इसके बाद पोद्दार भवन का रिबन काटकर महासभा को समर्पित किया। विधायक ने कहा कि नागरिकों को महान स्वतंत्रता सेनानियों महात्मा गांधी, सरदार पटेल और डॉ. आंबेडकर, भगत सिंह जैसे महापुरुषों के जीवन से प्रेरणा लेनी चाहिए। गणतंत्र दिवस पर देश की एकता और अखण्डता को कायम रखने का संकल्प लेने का आह्वान करते हुए कहा कि युवा वर्ग राष्ट्र निर्माण में अपनी अहम भूमिका सुनिश्चित करें।

6 को पहले ही गिरफ्तार कर चुकी पुलिस

मॉडल दिव्या पाहुजा मर्डर केस में 7वां आरोपी रवि बंगा गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गुरुग्राम

गैंगस्टर संदीप गाडौली की महिला मित्र रहीं मॉडल दिव्या पाहुजा मर्डर केस में पुलिस ने आरोपी रवि बंगा को भी गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने उसे राजस्थान के जयपुर से पकड़ कर लाई थी। जिसे अदालत में पेश कर तीन दिन के रिमांड पर लिया है। आरोपी रवि बंगा और बलराज गिल बीएमडब्ल्यू कार में दिव्या की लाश लेकर गए थे। पुलिस इस मामले में होटल मालिक अभिजीत सिंह, मेघा, ओमप्रकाश, हेमराज और बलराज गिल को गिरफ्तार कर चुकी है।

हत्या के कई दिनों बाद तक पुलिस को दिव्या की लाश का पता नहीं चला। बलराज गिल की कोलकाता से गिरफ्तारी के बाद उसने पुलिस को बताया कि उसने रवि बंगा के साथ मिलकर दिव्या की लाश को पटियाला भाखड़ा नहर में फेंका था। 13 जनवरी को पुलिस ने फतेहाबाद क्षेत्र से दिव्या की लाश बरामद कर ली।

होटल में गोली मारकर की गई थी दिव्या की हत्या

गौरतलब है कि दिव्या पाहुजा (27) की 2 जनवरी को होटल सिटी पॉइंट में होटल मालिक बलजीत सिंह ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। अभिजीत सिंह तीन माह से दिव्या के साथ लिव-इन-रिलेशन में रहा। हत्या के बाद अभिजीत ने होटल में काम करने वाले ओमप्रकाश और हेमराज के साथ मिलकर लाश को कंबल में डालकर बाहर तक पहुंचाया। इसके बाद बलराज गिल और रवि बंगा को बीएमडब्ल्यू कार और 10 लाख रुपए देकर लाश को ठिकाने लगाने के लिए भेज दिया था। दिव्या की हत्या के बाद पुलिस ने अभिजीत सिंह, होटल के कर्मचारी हेमराज, ओमप्रकाश को गिरफ्तार कर लिया था। अभिजीत सिंह की दूसरी महिला मित्र मेघा की गिरफ्तारी भी हुई। मेघा ने ही अभिजीत सिंह के कहने पर दिव्या का मोबाइल और वारदात में यूज पिस्टल ठिकाने लगाई थी।

गणतंत्र दिवस विशेषांक, फरीदाबाद

बिहार में सियासत तेजी से बदल रही है। बिहार के सीएम नीतीश कुमार एक बार फिर भाजपा नीत राजग में आ रहे हैं। एक बार फिर 'भतीजे' तेजस्वी यादव से 'चाचा' नीतीश का मोहभंग हो गया है। लालू प्रसाद यादव खुद को राजनीति का धुरंधर मानते हुए जिस तरह नीतीश को निपटा कर बेटे को बिहार का सीएम बनाने के फेर में थे, विपक्षी गठबंधन इंडिया की हालत देखते हुए नीतीश ने समय रहते लालू की संभावित राजनीति की हवा निकाल दी। पिछली बार राजद के कारण तो इस बार कांग्रेस के कारण नीतीश कुमार ने पाला बदला है और वापस राजग में जा रहे हैं। इंडिया में कांग्रेस ने अपने सभी सहयोगियों को यथोचित स्थान नहीं दिया, तो लोग छिटकने लगे। पहले ममता व मान ने एकला चलो की राह चुनी तो अब नीतीश भी अलग हो गए। इस पर आजकल का यह अंक...

बिहार की सियासत में फिर भूचाल

विश्लेषण
सुशील राजेश
वरिष्ठ पत्रकार

बीते बुधवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह और भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा के बीच करीब तीन घंटे की बैठक प्रधानमंत्री आवास पर हुई। यह असामान्य बैठक थी, क्योंकि किसी अति महत्वपूर्ण विषय पर ही प्रधानमंत्री इतना वक्त खर्च करते हैं। उनके सामने बिहार पर सर्वे की एक रपट भी थी, जो भाजपा ने ही कराया था। सर्वे का निष्कर्ष था कि 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा, अपने घटक दलों समेत, अधिकतम 25 सीटें जीत सकती है। सर्वे अयोध्या राम मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा से पहले कराया गया था। सर्वे में यह भी सामने आया कि उसके प्रभाव से 5-7 सीट से अधिक बढ़ने के आसार नहीं हैं। 2019 में भाजपा ने जदयू के साथ 40 में से 39 सीटें जीती थीं। जाहिर है कि विमर्श का बिन्दु जदयू और नीतीश रहा होगा! भाजपा कुछ विशेष सूत्रों के जरिए नीतीश कुमार से संवाद कर रही थी। विमर्श में यह तय होने लगा कि विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' का सूत्रधार ही पाला बदल कर भाजपा से मिल जाए, तो चुनावी फायदा हो सकता है। कमोबेश 'अति पिछड़ा वर्ग' के सरप्लस वोट भी भाजपा के पक्ष में आ सकते हैं। लंबे विमर्श के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने नए गठबंधन को 'ओके' कह दिया। उसके बाद तय-सा हुआ कि नीतीश एक बार फिर 'पलटी' मार कर भाजपा के खेमे में आ सकते हैं।

नीतीश कुमार 2022 में भाजपा से अलग हुए और अब फिरभाजपा के पाले में आ रहे हैं। दोनों ही बार जदयू में दलबदल और दोफाड़ की आशंकाओं और संभावनाओं ने काम किया। बेशक राष्ट्रीय स्तर पर विपक्ष का गठबंधन तैयार करने के सूत्रधार नीतीश ही थे। वह पूर्व से पश्चिम और उत्तर से दक्षिण विपक्ष के बड़े नेताओं से मिलते रहे, लेकिन 'इंडिया' नाम से एक बुनियादी प्लेटफॉर्म बना, तो उन्हें हाशिए पर धकेल दिया गया। कांग्रेस और कुछ अन्य दलों के नेताओं ने उन्हें संयोजक तक बनने से रोका। नीतीश कुमार इस राजनीति से बहुत क्षुब्ध थे। यदि भाजपा के साथ उनका गठबंधन परवान चढ़ता है, तो सबसे अधिक विपक्ष का नुकसान यह होगा कि 'इंडिया' का बिखराव पुख्ता होने लगेगा।

घटनाक्रम से मिले रहे संकेत

कुछ असामान्य संकेत भी गौरतलब हैं। राजद अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव ने शुक्रवार को ही पांच बार मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को फोन किया, लेकिन नीतीश ने फोन नहीं उठाया। राजद के वरिष्ठ नेता शिवानंद तिवारी ने मुख्यमंत्री से मुलाकात का वक्त मांगा। लालू उन्हें अपने दूत के तौर पर नीतीश के पास भेजना चाहते थे, लेकिन मुख्यमंत्री ने मिलने का वक्त ही नहीं दिया। नीतीश और शिवानंद पुराने वक्त के 'समाजवादी साथी' रहे हैं। 'राजभवन' में गणतंत्र दिवस पर चाय का आयोजन था, उसमें मुख्यमंत्री की कुर्सी की बगल में ही उपमुख्यमंत्री की कुर्सी चिह्नित थी। मुख्यमंत्री तो कार्यक्रम में गए, लेकिन उनके एक मंत्री अशोक चौधरी ने उपमुख्यमंत्री वाली पर्ची फाड़ कर उस कुर्सी पर बैठ गए। मुख्यमंत्री ने मंत्री को रोका-टोका तक नहीं। उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव और उनके कुछ मंत्री भी उस कार्यक्रम में नहीं गए। यह एक किस्म की 'संवैधानिक अवज्ञा' थी। इस घटना से पहले मुख्यमंत्री नीतीश ने कैबिनेट बैठक बुलाई थी। उपमुख्यमंत्री करीब 2 घंटे की बैठक के दौरान खामोश ही रहे। सबसे महत्वपूर्ण संकेत यह है कि केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह समेत भाजपा के बड़े नेता, नीतीश के लिए, 'दरवाजा बंद' जैसी आक्रामक जुबान बोलते रहे थे। वह अचानक मुलायम हो गई। बिहार के उपमुख्यमंत्री रहे सुशील कुमार मोदी लगातार कहते रहे कि कोई भी दरवाजा हमेशा के लिए बंद नहीं होता। जब जरूरत पड़ती है, तो वह खुल भी जाता है। गिरिराज सिंह और अश्विनी चौबे सरीखे बड़बोले केंद्रीय मंत्री, नीतीश को, जिस भाषा में गरियाते थे, वे अचानक खामोश हो गए हैं। भाजपा के विधायकों ने नीतीश को मुख्यमंत्री के तौर पर 'स्वीकार' करने के बयान देने शुरू कर दिए हैं। क्या इतने संकेत नीतीश कुमार की 'नई पलटमारी' के लिए पर्याप्त नहीं हैं?

नई खिचड़ी पकनी तय

राजद, कांग्रेस, भाजपा में विधायकों की आपातकालीन बैठकें हो रही हैं। नीतीश और भाजपा ने रविवार, 28 जनवरी को महत्वपूर्ण बैठकें बुलाई हैं। कथित महागठबंधन के घटक मुख्यमंत्री से स्पष्टीकरण मांग रहे हैं कि अचानक सियासी उबाल इतना क्यों है? नीतीश के प्रवक्ता जवाब दे रहे हैं कि मुख्यमंत्री को स्पष्टीकरण देने की जरूरत नहीं है। वह किसी भी तरह के भ्रम में नहीं हैं। गौरतलब यह भी है कि मुख्यमंत्री ने अचानक अपने सभी कार्यक्रम रद कर दिए हैं। थोक में आईएएस, आईपीएस और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के तबादले किए गए हैं, लेकिन इस आलेख के लिखे जाने तक नीतीश ने न तो मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दिया है और न ही विधिवत रूप से गठबंधन से अलग हुए हैं, लेकिन उनका एक बार फिर 'पलटी' मार कर भाजपा के साथ जाना लगभग तय है। भाजपा में अमित शाह, जेपी नड्डा, संगठन महासचिव बीएल संतोष और बिहार भाजपा के प्रभारी विनोद तावड़े आदि के बीच लगातार बैठकें हुई हैं। बिहार के प्रमुख कार्यकर्ताओं, नेताओं, विधायकों को 'नए गठबंधन' को लेकर आश्वस्त किया जा रहा है कि भाजपा अपनी बुनियादी नीतियों को नहीं छोड़ेगी, लेकिन आम चुनाव के संदर्भ में यह गठबंधन फायदेमंद साबित होगा।

सबकुछ लगभग तय, ऐलान बाकी

इसी बीच भाजपा के सूत्रों ने खुलासा किया है कि कांग्रेस के 10 से अधिक विधायक उसके संपर्क में हैं। उनका एक अलग गुट बनवाया जा सकता है, जो भाजपा-नीतीश सरकार को समर्थन दे सकता है। कांग्रेस के कुल 19 विधायक हैं। भाजपा नेतृत्व ने अपनी बिहार इकाई को आश्वस्त किया है कि नीतीश दो उपमुख्यमंत्रियों पर सहमत हैं। उनमें से एक 'अति पिछड़ा वर्ग' का प्रतिनिधि होगा। सूत्र रेणु देवी का नाम बता रहे हैं, जो 2020 के जनादेश के बाद नीतीश सरकार में ही उपमुख्यमंत्री थीं। दूसरे उपमुख्यमंत्री को लेकर सुशील मोदी ही मुख्यमंत्री की पहली पसंद हैं। वह लंबे समय तक इस पद पर मुख्यमंत्री नीतीश के साथ काम कर चुके हैं। अलबत्ता मौजूदा नेता प्रतिपक्ष विजय कुमार सिन्हा और केंद्रीय गृह राज्यमंत्री नित्यानंद राय के नामों की भी चर्चा है। भाजपा के एक बड़े नेता ने मुझे खुलासा किया है कि रविवार को भाजपा-जदयू विधायक दल की साझा बैठक में नीतीश कुमार को एनडीए विधायक दल का नेता चुना जा सकता है। उसके बाद नई सरकार बनाने का दावा राज्यपाल के सामने पेश किया जा सकता है, लेकिन इससे पहले नीतीश को मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देना जरूरी है।

नीतीश की अलटी-पलटी राजनीति का सफर

जनता दल से अलग होकर 1994 में जॉर्ज फर्नांडिस और नीतीश कुमार ने समता पार्टी की शुरुआत की। 1996 के लोकसभा चुनावों में समता पार्टी ने भाजपा के साथ गठबंधन किया। 1998 में गठबंधन जारी रहा। मार्च 2000 में नीतीश पहली बार बिहार के मुख्यमंत्री बने। पर सदन में बहुमत साबित नहीं कर सके। सात दिन तक ही सीएम रहे। 2003 में नीतीश कुमार ने समता पार्टी से अलग जनता दल (यूनाइटेड) बनाया। भाजपा से गठबंधन किया। 2005 में बिहार में विधानसभा चुनाव में पहली बार भाजपा और जदयू को चुनावी सफलता हासिल की। नीतीश कुमार बिहार के मुख्यमंत्री बने। 2009 के लोकसभा चुनाव में भी गठबंधन को बड़ी सफलता मिली। 2010 में भाजपा-जदयू ने एक बार फिर एक साथ चुनाव लड़ा और जबरदस्त सफलता हासिल की। नीतीश एक बार फिर मुख्यमंत्री बने।
2014 के लोकसभा चुनाव से पहले नीतीश कुमार ने बिहार में भाजपा के साथ 17 साल पुराना गठबंधन तोड़ दिया। गठबंधन टूटने के बाद लोकसभा में जदयू को झटका लगा। नीतीश सीएम बने रहे। राजद और कांग्रेस ने बाहर से समर्थन दिया। 2015 में जदयू, राजद व कांग्रेस के महागठबंधन को सफलता मिली। नीतीश कुमार फिर बिहार के मुख्यमंत्री बने। राजद से असंतुष्ट नीतीश 2017 में महागठबंधन से अलग हो गए। भाजपा के साथ आ गए। सीएम बने रहे। 2019 के लोकसभा चुनाव में भी राजग ने बिहार की कुल 40 सीटों में से 39 सीटें जीत लीं। 2020 में एनडीए सरकार बनी, सीएम नीतीश ही रहे। वर्ष 2022 में नीतीश भाजपा का साथ छोड़कर फिर से महागठबंधन के साथ आ गए। सीएम बने रहे। राजद से तेजस्वी यादव राज्य के उप मुख्यमंत्री बने। वे दूसरी बार डिप्टी सीएम बने। अब वर्ष 2024 में एक बार फिर नीतीश कुमार पाला बदलने जा रहे हैं, वे महागठबंधन का साथ छोड़कर भाजपा के साथ राजग में आ रहे हैं। इस बार भी सीएम नीतीश ही बने रहेंगे। 19 साल से वे विधायक के चुनाव नहीं लड़े हैं।

नीतीश कुमार की 'पलटीमार' राजनीति

एक सवाल जनादेश, सरकार, पलटीमार राजनीति और लोकतंत्र को लेकर भी है। गौरतलब है कि 1995 से नीतीश ने विधायक का चुनाव ही नहीं लड़ा और न ही उनके दलों को बहुमत का जनादेश मिला है। फिर भी नीतीश कुमार 9वीं बार मुख्यमंत्री बनने जा रहे हैं। नीतीश में ऐसा कौन-सा आकर्षण है कि राजद और भाजपा दोनों ही उन्हें 'पलटी' मारने को समर्थन देते रहे हैं और मुख्यमंत्री भी बनवाते रहे हैं। मौजूदा जनादेश 2020 में भाजपा-जदयू को मिला था, क्योंकि दोनों ने साझा चुनाव लड़ा था। नीतीश ने अगस्त, 2022 में अचानक पलटी मारी और लालू यादव के खेमे में चले गए और मुख्यमंत्री बने रहे। अब करीब डेढ़ साल बाद फिर उनका मोहभंग हुआ है और चल पलट कर भाजपा के साथ सरकार बनाने जा रहे हैं। हालांकि इस बार भाजपा उन्हें मुख्यमंत्री बनाने के लिए ना-नुकर कर रही थी, लेकिन नीतीश की बुनियादी शर्त यही थी कि मुख्यमंत्री वह ही बने रहेंगे। बहरहाल नीतीश को एक बार फिर पलटी की ज़मीन दी जा रही है। यह कैसा लोकतंत्र है कि बहुमत का जनादेश पाए बिना ही एक राजनेता लगातार कई सालों से बिहार का मुख्यमंत्री बना हुआ है? बेशक इस स्थिति के लिए भाजपा और राजद ही बराबर की जिम्मेदार हैं, क्योंकि बहुमत उनके पक्ष में भी नहीं है। अलबत्ता वे सदन की सबसे बड़ी पार्टियां हैं। नतीजतन बिहार लगातार 'जुगाड़ की सरकार' के भरोसे चल रहा है।

बिहार की सियासत की दिशा

नीतीश कुमार 2022 में भाजपा से अलग हुए और अब राजद, कांग्रेस और वाममोर्चे का हाथ झटक कर भाजपा के पाले में आ रहे हैं। दोनों ही बार जदयू में दलबदल और दोफाड़ की आशंकाओं और संभावनाओं ने काम किया। इस बार लोकसभा चुनाव से पहले जदयू के कमोबेश 7 सांसद भाजपा के संपर्क में थे, उन्हें इस बार लोकसभा चुनाव जीतना संदिग्ध लग रहा था, क्योंकि 2019 की तरह सामाजिक समीकरण पक्ष में नहीं थे। 2019 में जदयू-भाजपा गठबंधन में जदयू के 16 सांसद जीते थे। इस बार संभावनाएं 5 सांसद जीतने की भी नहीं लग रही हैं, लिहाजा नीतीश कुमार पर लगातार दबाव रहा है कि वह पाला बदल कर भाजपा के साथ गठबंधन करें। उधर, कुछ विधायकों की लालू-तेजस्वी यादव के साथ गुप्त बैठक की भनक नीतीश को लगी, नतीजतन पार्टी अध्यक्ष ललन सिंह को बदल कर नेतृत्व अपने हाथ में लेना पड़ा। अब पार्टी अध्यक्ष के तौर पर नीतीश को लगा कि पार्टी में टूट-फूट संभव है, लिहाजा उन्होंने पाला बदलने की सोची। उन्हें पुख्ता ज़मीन तब मिली, जब प्रधानमंत्री मोदी ने 'जननायक' एवं पूर्व मुख्यमंत्री कर्पूरी ठाकुर को 'भारत-रत्न' का सम्मान देने की घोषणा की। कर्पूरी नीतीश और लालू के 'गुरु सम' नेता माने जाते रहे हैं। सामाजिक न्याय के नाम पर आज भी अति पिछड़ा वर्ग 'जननायक' को भूला नहीं है।

इंडि गठबंधन को धक्का

बेशक राष्ट्रीय स्तर पर विपक्ष का गठबंधन तैयार करने के सूत्रधार नीतीश ही थे। वह पूर्व से पश्चिम और उत्तर से दक्षिण विपक्ष के बड़े नेताओं से मिलते रहे, लेकिन 'इंडिया' नाम से एक बुनियादी प्लेटफॉर्म बना, तो उन्हें हाशिए पर धकेल दिया गया। कांग्रेस और कुछ अन्य दलों के नेताओं ने उन्हें संयोजक तक बनने से रोका। नीतीश कुमार इस राजनीति से बहुत क्षुब्ध थे। यदि भाजपा के साथ उनका गठबंधन परवान चढ़ता है, तो सबसे अधिक विपक्ष का नुकसान यह होगा कि 'इंडिया' का बिखराव पुख्ता होने लगेगा। ममता और केजरीवाल पहले ही अलगाव के स्पष्ट संकेत दे चुके हैं। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने नीतीश कुमार का पक्ष लेते हुए कांग्रेस को जिम्मेदार ठहराया है। अन्य प्रतिक्रियाएं भी सामने आ सकती हैं। दूसरी तरफ जीतन राम मांझी, चिराग पासवान, उपेन्द्र कुशवाहा सरीखे बिहारी नेताओं ने अमित शाह से मुलाकात कर एनडीए का ही घटक बने रहने की प्रतिबद्धता दिखाई है, लिहाजा, बिहार में नीतीश के आने के बाद निश्चित तौर पर एनडीए की स्थिति मजबूत होगी। इसका असर लोकसभा व विधानसभा में देखने को मिलेगा।

बदलते बिहार में क्या-क्या बदलेगा?

राजनीति
राज कुमार सिंह
वरिष्ठ पत्रकार

अकसर कहा जाता है कि भारत में राजनीतिक बदलाव की हवा बिहार से चलती है। लोकनायक जय प्रकाश नारायण का संपूर्ण क्रांति आंदोलन इस मान्यता का कारण हो सकता है, जिसने अजेय समझी जानेवाली और फिर आपातकाल में तानाशाह के रूप में देखी जाने वाली इंदिरा गांधी की सत्ता से बेदखली का मार्ग प्रशस्त किया। वैसे उसके बाद भी बिहार में बहुत कुछ हुआ, और उसके चलते भी कई धारणाएं-कहावतें बनी हैं। बिहार फिर बदलता दिख रहा है। क्रिकेट की तरह भारतीय राजनीति भी असीमित संभावनाओं, मगर अनिश्चितताओं का खेल है। कई बार आखिरी गेंद पर मैच पलट जाता है। ऐसे में जब बदलाव की बुनियाद ही किसी 'पलटीमार' पर टिकी हो, तब पटाक्षेप से पहले अंतिम निष्कर्ष जोखिमभरा भी हो सकता है। फिर भी पिछले कुछ दिनों का घटनाक्रम बता रहा है कि 'सुशासन बाबू' से 'पलटीमार' के संबोधन तक का सफर तय करने वाले नीतीश कुमार सत्ता के खेल में एक बार फिर जोड़ीदार बदल रहे हैं। संकेत है कि दूल्हा नहीं, सिर्फ बाराती बदलेंगे यानि मुख्यमंत्री तो नीतीश कुमार ही रहेंगे, बहुमत के लिए जरूरी बैसाखी की भूमिका में राजद-कांग्रेस-वाम की तिकड़ी की जगह फिर से भाजपा आ जाएगी।

सुविधा के संवाद

समाचार माध्यम बता रहे हैं कि अतीत में नीतीश कुमार राजद-कांग्रेस महागठबंधन में और भाजपा के साथ एनडीए में कब-कब सरकार चला चुके हैं। आप इसे नीतीश का राजयोग कह सकते हैं या फिर बिहार की विडंबना भी कि राज्य विधानसभा का संख्या गणित कुछ ऐसा बन गया है कि दोनों बड़े दलों के पास तीसरे नंबर के दल के नेता की पालकी उठाने के अलावा कोई विकल्प ही नहीं है। सत्ता की पालकी पर सवार नीतीश कुमार भी सुविधानुसार सांप्रदायिकता विरोध अथवा फिर परिवारवाद-भ्रष्टाचार विरोध की राजनीति करने की कला में माहिर हैं। वैसे इस कला में अनाड़ी तो कोई भी दल या नेता नहीं रह गया है। बार-बार दगा के बावजूद महागठबंधन और एनडीए भी नीतीश कुमार को बिहार का नायक बताने के लिए संवाद गढ़ ही लेते हैं। हर बार ऐसे बदलाव के मूल में बिहार की सत्ता और उसके लिए नीतीश की चिर आकांक्षा ही रही है, लेकिन 2024 में होनेवाला बदलाव राज्य ही नहीं, राष्ट्र की राजनीति को भी प्रभावित करेगा।

आखिर नीतीश कुमार, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की भाजपा को दस साल बाद केंद्रीय सत्ता से बेदखल करने के वादे-इरादे के साथ बने दो दर्जन से भी ज्यादा विपक्षी दलों के गठबंधन 'इंडिया' के सूत्रधार माने जा रहे थे। जब ममता बनर्जी, के. चंद्रशेखर राव, अरविंद केजरीवाल और अखिलेश यादव सरीखे क्षत्रप क्षेत्रीय दलों का तीसरा मोर्चा या संघीय मोर्चा बनाने की कवायद कर रहे थे, तब नीतीश ने सबसे पहले कहा था कि भाजपा के विरुद्ध तीसरा नहीं, एक ही मोर्चा बनना चाहिए, जो कांग्रेस को साथ लिए बिना कारगर नहीं हो सकता। कांग्रेस की सहमति से ही नीतीश ने राज्य-दर-राज्य घूमते हुए तमाम क्षत्रपों को

मनाया भी। विपक्षी गठबंधन की पहली बैठक भी पटना में हुई। उसमें सूत्रधार की भूमिका में नीतीश ही दिखे, लेकिन उसके बाद कब स्टीयरिंग कांग्रेस के हाथ में चली गई, नीतीश को पता नहीं चला।

जरूरी भी, मजबूरी भी

खुला रहस्य है कि सबसे लंबे समय तक बिहार का मुख्यमंत्री रहने वाले नीतीश के लिए सत्ता ही साध्य है। साधन जो भी बनना चाहे, इसके बावजूद उन्हें विपक्षी गठबंधन का पीएम फेस तो दूर, संयोजक तक नहीं बनाना क्या बिहार में इस नए बदलाव का कारण है? इस स्वाभाविक सवाल का सही जवाब सिर्फ मोदी और नीतीश के पास हो सकता है। अंदर ही खबर रखने वाले बताते हैं कि यह बदलाव अचानक नहीं हुआ। जैसे-जैसे नीतीश को 'इंडिया' में केंद्रीय भूमिका न मिलने के संकेत पुष्ट होते गये, उन पर जनता दल यूनाइटेड में एक वर्ग का दबाव बढ़ता गया कि वह सम्मानजनक विकल्प तलाशें। यह भी कि ऐसा दबाव डालने वाला वर्ग दरअसल भाजपा के संपर्क में था, जो मोदी सरकार की 'हैट्रिक' की कोशिशों में कोई कसर नहीं छोड़ना चाहती। इस बार '400 पार' का नारा देनेवाली भाजपा पिछले लोकसभा चुनाव में 303 सीटें जीती थी, जिनमें से 17 बिहार से मिली थीं। तब नीतीश साथ थे और एनडीए ने 40 में से 39 सीटें जीतने का करिश्मा कर दिखाया था। शेष एक सीट पर कांग्रेस का दांव लग गया था, वरना अब विधानसभा में सबसे बड़े दल राजद का खाता तक नहीं खुल पाया था। महाराष्ट्र में उद्धव ठाकरे की शिवसेना और पंजाब में शिरोमणि अकाली दल से गठबंधन टूटने तथा कर्नाटक में सत्ता से बेदखली से वहां गड़बड़ाये चुनावी गणित से भाजपा पर दबाव बढ़ गया है कि वह बिहार में अपनी बिसात ठीक से बिछाये। जाहिर है, लालू प्रसाद यादव के राजद से दोस्ती असंभव है, जबकि लोजपा, हम और वीआईपी जैसे छोटे दलों की मदद से वह बिसात संभव नहीं। ऐसे में अगर अपेक्षित सम्मान न मिलने पर 'इंडिया' से किनारा नीतीश की मजबूरी बन गयी थी तो केंद्रीय सत्ता की 'हैट्रिक' के लिए उन्हें साथ लेना भाजपा की जरूरत भी। शायद, दिवंगत समाजवादी नायक कर्पूरी ठाकुर को 'भारत रत्न' ने उस 'मजबूरी' और 'जरूरत' के बीच सुविधानजक पुल बनाने का काम किया।

'इंडिया' बनाम एनडीए

अगर पुष्ट संकेतों के मुताबिक नीतीश एनडीए में लौटते हैं तो न सिर्फ बिहार में भाजपा गठबंधन सरकार में भागीदार होगी, बल्कि अप्रैल-मई में होने वाले लोकसभा चुनाव में संभानाएं भी बेहतर हो जाएंगी। बेशक चिराग पासवान, उपेंद्र कुशवाहा और जीतन राम मांझी असहज महसूस करेंगे, पर सत्ता की खातिर यह सब चलता रहता है। आखिर सत्ता की खातिर ही तो नीतीश कुमार ने उन लालू से दो-दो बार हाथ मिला लिया, जिनके राज को कभी 'जंगल राज' बताते थे और जिस भाजपा में जाने से मरना बेहतर बताते थे, उसके साथ भी दूसरी बार जा रहे हैं। हां, मोदी की भाजपा सरकार को केंद्रीय सत्ता से बेदखल करने के लिए बने 'इंडिया' गठबंधन के लिए यह बहुत बड़ा झटका है। ममता बनर्जी और भगवंत मान पहले ही क्रमशः पश्चिम बंगाल और पंजाब में अकेले चुनाव लड़ने का ऐलान कर चुके हैं। अब जबकि सूत्रधार नीतीश भी किनारा कर रहे हैं तो यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि पिछले साल जुलाई में ही बना विपक्षी गठबंधन कहां, कितना और कब तक बचेगा।

दूर क्यों हुए?

बिहार की राजनीति में शुरू से जदयू भाजपा का बड़ा भाई बना रहा। समय के साथ जदयू की सीटें कम होती गईं। भाजपा की सीटों की संख्या बढ़ती गई। राजद के बाद दूसरे नंबर की पार्टी भाजपा हो गई। नीतीश कुमार सरकार के निर्माण में बीजेपी की शर्तों से असहज रहे। नीतीश डिप्टी सीएम रेनू देवी व तारकिशोर प्रसाद को लेकर सहज महसूस नहीं करते थे। उनके साथ 13 साल तक डिप्टी सीएम रहे सुशील कुमार मोदी की तरह इन लोगों से उनका तालमेल अच्छा नहीं रहा।

धर दीन्ही चदरिया

बिहार
प्रणय यादव
वरिष्ठ टीवी पत्रकार

नीतीश कुमार ने फिर वही किया जो अब तक करते आए हैं, लेकिन इस बार नीतीश कुमार ने जो पलटी मारी है। उसका असर सिर्फ बिहार पर नहीं होगा। देश की राजनीति पर होगा। लालू की लालटेन तो फूटी ही, इसके साथ साथ विपक्षी एकता भी तार तार हो गई। अब विरोधी दलों के खेमे में सन्नाटा है। कांग्रेस, आरजेडी, उद्धव ठाकरे की शिवसेना, एनसीपी जैसी तमाम पार्टियां नीतीश को नैतिकता का ज्ञान दे रही हैं, लेकिन नीतीश को इसकी परवाह नहीं है, क्योंकि वो जानते हैं कि राजनीति में नैतिकता की परिभाषा वक्त और मौके के हिसाब से बदलती रहती है। इसमें कोई दो राय नहीं है कि इस बार नीतीश ने सिर्फ लालू के नहीं तमाम नेताओं के सपनों को तोड़ा है। बीजेपी ने जो चाल चली है। उसमें बीजेपी का फायदा ही फायदा है। तीर नीतीश का है और इससे लहूलुहान होने वाले उनके अपने पुराने साथी हैं।

नीतीश कुमार महात्वकांक्षी हैं। राजनीति में सब महात्वकांक्षी होते हैं। सब आगे बढ़ना चाहते हैं। विधायक सांसद मंत्री मुख्यमंत्री बनना चाहते है। लेकिन सब बन नहीं पाते क्योंकि हर किसी में अवसर को पहचानने और हारते हुए पक्ष से जल्दी से जल्दी पीछा छुड़ा सकने की काबिलियत नहीं होती जो नीतीश में कुमार में हैं और पिछले तीस सालों में नीतीश कुमार ने ये बखूबी साबित किया है। वो छह बार चादर बदल चुके हैं। हर बार पुरानी चादर उतारते हैं। नई ओढ़ते हैं, लेकिन पुरानी वाली को फेंकते नहीं। रख लेते हैं। जरूरत पड़ने पर फिर ओढ़ लेते हैं। और इसी कला का नतीजा है कि नीतीश की पार्टी बिहार में हमेशा तीसरे नंबर की पार्टी रही, लेकिन मुख्यमंत्री नीतीश ही रहे।

नीतीश ने इस बार जो खेल किया है। उससे लालू की सारी प्लानिंग चौपट हो गई। लालू जानते थे कि बिहार में बीजेपी पावर में रहेगी तब तक उनकी पार्टी की वापसी संभव नहीं है। लालू को ये भी पता था कि नीतीश कुमार की नजर अब प्रधानमंत्री की कुर्सी पर है, क्योंकि 2012 में नरेन्द्र मोदी को प्रधानमंत्री का चेहरा बनाने के विरोध में ही नीतीश ने एनडीए छोड़ा था। लेकिन 2014 में लोकसभा चुनाव में सिर्फ दो सीटें मिलीं। नीतीश ने कसम खाई थी कि मर जाएंगे लेकिन बीजेपी के साथ नहीं जाएंगे। लेकिन राजनीति में मरना जीना तो लगा रहता है। इसलिए नीतीश कुमार एक बार फिर मरकर जी उठे और फिर बीजेपी के साथ हैं।

असल में इस बार नीतीश ने दिखाया कि वो हिसाब किताब में लालू से ज्यादा माहिर हैं। लालू चाहते थे कि किसी तरह बेटे को बिहार की गद्दी पर बैठाया जाए। इसी चक्कर में लालू ने दांव खेला। सोचा था नीतीश को फंसा लेंगे, लेकिन उल्टा फंसा। नीतीश एक रास्ता बंद हो इससे पहले दूसरा खोल लेते हैं। अगर प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार नहीं बनना है तो बिहार की कुर्सी क्यों छोड़ते। लालू का प्रेशर था। जब नीतीश ने बात नहीं मानी तो लालू ने नीतीश की पार्टी में सेंध लगाने की कोशिश शुरू की। नीतीश को भनक लग गई तो उन्होंने खेल खराब करने में देर नहीं की। नीतीश ने जो किया उससे जनता पर कोई फर्क नहीं पड़ेगा। सरकार का चेहरा नहीं बदलेगा। सिर्फ चोला बदल जाएगा। लालटेन की जगह

अब एनईडी लाइट से सरकार जलेगी और विधानसभा में सिर्फ ट्रेजरी बेंचेज और अपोजीशन बेंचेज की अदला बदली होगी।

लेकिन नीतीश के इस पैंतरे से विपक्ष की मोदी को घेरने की सारी रणनीति छिन्न भिन्न हो गई। इसका सबसे पहला शिकार कांग्रेस होगी। कांग्रेस राहुल गांधी की न्याय यात्रा के जरिए माहौल बनाने की कोशिश कर रही थी। जिसे असम में हिमंता ने पलीता लगाया। बंगाल में घुसे तो ममता की पार्टी ने काले झंडे दिखा दिए। अब उम्मीद बिहार से थी। लेकिन वो भी टूट गई। जब राहुल बिहार में रैली करेंगे तो गठबंधन के फाउंडर नीतीश कुमार मोदी मोदी के नारे लगा रहे होंगे। इसलिए कांग्रेस के नेता निराश हैं। नीतीश के लिए दरवाजा बीजेपी ने भी मजबूरी में खोला है। लेकिन इसका सबसे बड़ा फायदा ये होगा कि तेजस्वी यादव समेत विपक्ष के जो नेता जातिगत जनगणना के मुद्दे को उछालकर पिछड़ों अति पिछड़ो, दलितों और महादलितों के बीजेपी से दूर करना चाहते थे। अब वो मुद्दा ही हाथ से निकल गया क्योंकि जातिगत सर्वे कराने वाले नीतीश तो अब बीजेपी के साथ हैं।

बिहार की राजनीति के साथ साथ केन्द्र की राजनीति पर भी इसका जबरदस्त असर होगा। लोकसभा चुनाव सिर पर हैं। बीजेपी भी जानती है कि नीतीश की अपनी ताकत भले ही कम हो लेकिन उनका साथ जीत हार का फैसला करने में मददगार होता है। पिछले चुनाव में जब बीजेपी नीतीश के साथ थी तो एनडीए ने 40 में से 39 सीटें जीती थीं। अब नीतीश फिर साथ हैं तो इसका असर तो पड़ेगा। दूसरी बात नीतीश विरोधी दलों के गठबंधन की नींव की ईंट थे। नींव की ईंट अलग होने से बिल्डिंग का खड़े रहना मुश्किल है। राजनीति में मैसेजिंग का बड़ा महत्व होता है। नीतीश के जाने से मैसेज ये गया कि एंटी मोदी मोर्चे में सबसे अपने अपने हित हैं और सबसे बड़ा कॉमन फैक्टर है नरेन्द्र मोदी का डर। महाराष्ट्र में जब टूट हुई थी तो एकनाथ शिन्दे पर खोके का आरोप लगा। एजेंसियों के डर का इल्जाम लगा। लेकिन बिहार में विरोधी दलों के नेता न तो नीतीश पर भ्रष्टाचार का इल्जाम लगा सकते हैं। न परिवारवाद का। इसलिए नीतीश का जाना एंटी मोदी मोर्चे के लिए ताबूत में आखिरी कील हो गया। हालांकि बंगाला में ममता बनर्जी और पंजाब में केजरीवाल पहले ही अकेले चुनाव लड़ने का एलान कर चुके हैं। अखिलेश यादव ने यूपी में कांग्रेस को ज्यादा भाव देने को तैयार नहीं है। ये नेता तो विरोधी दलों के गठबंधन में कंगूरे की ईंटें थीं। जो एक एक करके गिर रही थी। नीतीश के टूटने से नींव हिली है। इसलिए अब बिल्डिंग का गिरना भी तय है। ये बीजेपी के लिए चुनाव से पहले बड़ी जीत है। अब बीजेपी के नेता ये कहेंगे कि नेता वही होता है जो वक्त पर हवा का रुख पहचान ले, नीतीश ने पहचान लिया है।

नीतीश कुमार ने बड़े अरमानों के साथ विपक्षी एकता की कवायद शुरू की थी। उन्हें इस गठबंधन में एक महत्वपूर्ण पद की उम्मीद थी। हुआ बिल्कुल उल्टा। इंडि गठबंधन अपनी-डफली और अपनी राग बजाने लगा। 2017 में महागठबंधन से अलग होने के बाद नीतीश ने राजद को इसका जिम्मेदार ठहराया था। इस बार कांग्रेस को इसके लिए जिम्मेदार बता रहे हैं। दूसरी ओर कांग्रेस की ओर से अपनाया जा रहा अलग रास्ता भी विवाद का कारण बना है। राहुल गांधी द्वारा गठबंधन के बारे में बात करने के बजाय कांग्रेस की भारत जोड़ो न्याय यात्रा शुरू की गई है। ये यात्रा बिल्कुल कांग्रेस की अपनी और अलग यात्रा है। इसलिए जदयू को महागठबंधन में रहने का कोई कारण नजर नहीं आया। इंडिया एकजुट रहने और मोदी को जवाब देने में पूरी तरह विफल रहा। वैसे में नीतीश ने अपनी पार्टी के भविष्य को ध्यान में रखते हुए एक व्यवहारिक निर्णय लिया, जिसका सियासी गलियारों में स्वागत भी हो रहा है। दूसरी तरफ जदयू ने अपना पिछला इतिहास देखा। जदयू 2019 में लोकसभा चुनावों में एनडीए के साथ लड़ी गई 17 सीटों में से 16 पर जीत हासिल की थी। इस बार नीतीश की पार्टी की राह मुश्किल लग रही थी।

हरियाणा सरकार
"इलेक्ट्रिक वाहनों की लोकप्रियता बढ़ाने के लिए हमारी सरकार ने जो ठोस कदम उठाए हैं, उसका असर अब देशभर में दिखने लगा है।"
- नरेन्द्र मोदी
इको फ्रेंडली, सुगम सेवाएं
यातायात आसान बनाए
'हरियाणा सिटी बस सेवा' का शुभारंभ
मुख्य अतिथि
श्री मनोहर लाल
मुख्यमंत्री, हरियाणा द्वारा
कार्यक्रम से जुड़ने के लिए क्यू आर कोड स्कैन करें
28 जनवरी, 2024 | दोपहर 2:00 बजे | न्यू बस स्टैण्ड, सिवाह, पानीपत
पानीपत
यमुनानगर
पंचकूला
अम्बाला
सोनीपत
करनाल
रोहतक
रेवाड़ी
हिसार
हरियाणा के 9 शहरों में इलेक्ट्रिक AC बस सेवाएं शुरू
375 इलेक्ट्रिक बसों की खरीद का अभूतपूर्व निर्णय
ऐसी बस सेवा शुरू करने वाला हरियाणा देश का प्रथम राज्य
पानीपत और यमुनानगर में इलेक्ट्रिक AC बस सेवाएं शुरू हो रही हैं, शेष शहरों में 30 जून, 2024 से सेवाएं होंगी शुरू
सुविधाओं सहित, प्रदूषण रहित बस सेवा
सूचना, लोक सम्पर्क, भाषा तथा संस्कृति विभाग, हरियाणा
www.prharyana.gov.in | Follow us on @dipprharyana

लार्ज कैप पर भी कर सकते हैं फोकस, दे रहा अच्छा रिटर्न

जानकारी | बिजनेस डेस्क

नए साल के पहले महीने में शेयर बाजार में खूब उलट-फेर हो रहे हैं। बड़े-बड़े खिलाड़ी एक्शन में वापस आ गए हैं। साल भर ज्यादातर समय डगआउट में बिताने के बाद, लार्ज कैप म्यूचुअल फंड एक बार फिर से मैदान में जलवे बिखेरने लगे हैं। सिर्फ वापसी ही नहीं, शानदार प्रदर्शन के साथ आगे बढ़ रहे हैं। जानकारों का कहना है कि निफ्टी 50 ने बीते दिसंबर में जुलाई 2022 के बाद से अपना सबसे अच्छा महीना देखा। इस महीने एनएसई स्मॉल कैप इंडेक्स के 6.4 प्रतिशत की बढ़त की तुलना में लगभग 8 प्रतिशत का रिटर्न मिला। यह साफ दर्शाता है कि स्मॉल कैप के लिए हनीमून खत्म हो गया है, लेकिन कहानी कुछ और ही है। लार्ज कैप म्यूचुअल फंड के प्रति लोगों के उन्माद को बढ़ावा देने वाला फैक्ट यह है कि ये कंपनियां बीएसई 500 कंपनियों के मुनाफे में 68% और मार्केट कैप में 63% का योगदान देती हैं, जो भारत के बाजार पूंजीकरण के एक तिहाई के करीब है। इसके अलावा, इन कंपनियों ने पिछले 25 वर्षों में 14 प्रतिशत से अधिक का चक्रवृद्धि रिटर्न दिया है और इन कंपनियों के आकार को देखते हुए, वे अन्य इक्विटी एसेट क्लास की तुलना में सबसे कम अस्थिर हैं।

लार्ज कैप के पीछे ये कारक

लार्ज कैप म्यूचुअल फंडों के मजबूत रिटर्न को बड़े पैमाने पर वैश्विक फंडों से खरीदारी, अच्छे वैल्यूएशन और घरेलू राजनीतिक स्थिरता से बढ़ावा मिला है, जिसने लार्ज कैप में खरीदारी को बढ़ावा दिया है। इनके परफॉरमेंस पर नजर डालें तो निप्पॉन इंडिया लार्ज कैप फंड लगातार आगे रहा है, जिसने पिछले एक साल में 35% का शानदार रिटर्न दिया है। यह फंड पिछले 16 वर्षों से नंबर 1 स्थान पर है। बैंक ऑफ इंडिया, क्वांट, इनवेस्को और जेएम फाइनेंशियल के लार्ज कैप म्यूचुअल फंड ने भी इस दौरान अच्छा फायदा दिया है।

यह हमेशा रिटर्न देता है

म्यूचुअल फंड के शीर्ष जानकारों का तर्क है कि लार्ज कैप में निवेश लगभग हमेशा अच्छा रिटर्न देता है। ऐसा इसलिए है क्योंकि ये कंपनियां छोटी मोटी चुनौतियों का प्रबंधन करने के लिए बेहतर स्थिति में हैं और चूंकि वे वर्तमान में छोटे और मिड-कैप शेयरों की तुलना में उचित मूल्यांकन प्रदान करते हैं, इसलिए इनका रिस्क-रिवार्ड बैलेंस कहीं बेहतर है। दिलचस्प बात यह है कि विश्व स्तर पर टॉप-100 कंपनियों की सूची में केवल तीन भारत से हैं। रिलायंस इंडस्ट्रीज 36वें, टीसीएस 65वें और एचडीएफसी बैंक 91 वें स्थान पर है। एपल, सऊदी अरामको और माइक्रोसॉफ्ट इस लिस्ट में शीर्ष तीन में हैं। इसलिए, अधिक भारतीय लार्ज कैप के मेगा कैप बनने और विशिष्ट क्लब में प्रवेश करने की संभावना है। ये फ़ैक्टर्स वास्तव में लार्ज कैप म्यूचुअल फंड में निवेश के लिए एक बेहतरीन अवसर बनाते हैं।

आखिर क्या हैं लार्जकैप फंड

लार्ज-कैप म्यूचुअल फंड एक ऐसा फंड है जो अपनी संपत्ति का 80% लार्ज-कैप शेयरों में निवेश करता है, जिनकी मार्केट कैप कम से कम 20,000 करोड़ रुपये है और जो स्टॉक एक्सचेंज पर 1 से 100 तक रैंक करते हैं। लार्ज-कैप म्यूचुअल फंड की विशेषताएं कम जोखिम, स्थिर रिटर्न, उच्च तरलता, पोर्टफोलियो विविधीकरण, कम एनएवी उतार-चढ़ाव आदि हैं। इंडेक्स फंड और लार्ज-कैप फंड के बीच अंतर यह है कि इंडेक्स फंड अपनी संपत्ति का 95% एक विशेष इंडेक्स में निवेश करते हैं, जबकि लार्ज-कैप फंड अपनी संपत्ति का 80% लार्ज-कैप शेयरों में निवेश करते हैं। इंडेक्स फंड निष्क्रिय रूप से प्रबंधित होते हैं, और लार्ज-कैप फंड सक्रिय रूप से प्रबंधित होते हैं। 2023 में निवेश करने के लिए सबसे अच्छे लार्ज-कैप फंड हैं केनरा रोबेको ब्लूचिप इक्विटी फंड, कोटक ब्लूचिप फंड, बड़ौदा बीएनपी पारिबा लार्ज कैप फंड, आदि।

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

- पोर्टफोलियो में अचानक बदलाव जोखिम बढ़ाएगा
- बाजार में गिरावट का दौरा आए तो घराएं नहीं, अलर्ट हो जाएं
- नुकसान में शेयर बेचने से बचें, लॉन्ग टर्म में मिलेगी रिकवरी और आप पा लेंगे बेहतर रिटर्न

निवेश के लिए सही रणनीति बनाकर कर सकते हैं कमाई, बाजार की लाल-हरी कैंडल देखकर विचलित न हों

संयम बरतें, बाजार के उतार-चढ़ाव में भी कमा सकते हैं बढ़िया मुनाफा

अक्सर देखने में आता है कि पोर्टफोलियो में नाटकीय रूप से बदलाव करते रहने से जोखिम बढ़ता है। ऐसी आदत लंबी अवधि के लक्ष्यों पर नकारात्मक असर डाल सकती है। बेहतर होगा कि बाजार में फौरी उतार-चढ़ाव को नजरअंदाज करें और अनुशासन बनाए रखें। यदि पोर्टफोलियो में बदलाव जरूरी लगे तो छोटे-छोटे बदलाव करें। ज्यादा बड़ा दलाव कई बार नुकसान कर जाता है।

इस समय शेयर बाजारों में काफी उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। ऐसे में निवेश के मन में लगातार डर बना रहता है कि वे क्या करें। कैसे अपने मुनाफे को बचाएं और बाजार के उतार-चढ़ाव के दौर में निवेश की कैसी रणनीति अपनाएं कि उन्हें अच्छा मुनाफा हो सके। इस गिरावट से निवेशकों में डर का माहौल बन गया है। एक्सपर्ट्स के अनुसार आने वाले दिनों में भी शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है। इसलएं निवेशकों को चाहिए कि वे संयम बरतें और धैर्य के साथ निवेश करते जाएं। बाजार की लाल और हरी कैंडल को देखकर विचलित नहीं हों। निवेश के लिए अच्छी रणनीति बनाकर संयपूर्वक निवेश करेंगे तो बाजार के उतार-चढ़ाव वाले दौर में भी बढ़िया मुनाफा कमा लेंगे और अपनी पूंजी को भी सुरक्षित रख सकेंगे। एक्सपर्ट्स बताते हैं कि इस गिरावट में सही स्ट्रैटजी आपको अच्छा पैसा कमा के दे सकती है। इस रिपोर्ट में हम आपको ऐसी ही कुछ बातों के बारे में बता रहे हैं, जिनकी मदद से आप बाजार की गिरावट में पैसा कमा सकते हैं। अक्सर देखने में आता है कि पोर्टफोलियो में नाटकीय रूप से बदलाव करते रहने से जोखिम बढ़ता है। ऐसी आदत लंबी अवधि के लक्ष्यों पर नकारात्मक असर डाल सकती है। बेहतर होगा कि बाजार में फौरी उतार-चढ़ाव को नजरअंदाज करें और अनुशासन बनाए रखें। यदि पोर्टफोलियो में बदलाव जरूरी लगे तो छोटे-छोटे बदलाव करें। ज्यादा बड़ा दलाव कई बार नुकसान कर जाता है। इसलिए अनुशासन में रहना बेहद जरूरी है।

एसआईपी के जरिए करें निवेश

शेयर बाजार अपने ऊपरी स्तरों से काफी गिर गया है, लेकिन फिर भी यदि निवेशक अभी निवेश करना चाह रहे हों तो उन्हें एक मुश्त निवेश करने की बजाय किस्तों में यानी एसआईपी में करना चाहिए। इससे शेयर बाजार से संबंधित उतार चढ़ाव का जोखिम थोड़ा कम हो जाता है। आप थोड़ा संयम रखकर गिरते बाजार में भी फायदा कमा सकते हैं। इसलिए कोशिश करें कि निवेश एसआईपी में करें। इससे रिस्क कम होता है और अच्छा मुनाफा भी मिलता है।

घबराहट में निर्णय न लें

निवेक को हमेशा याद रखनी चाहिए अर्थव्यवस्था और बाजार का मिजाज चक्रीय होता है। जिस तरह तेजी का दौर आता है, वैसा ही गिरावट का दौर भी बन सकता है। जाहिर है, गिरावट वाले दौर में घबराकर बिकवाली करना अच्छी रणनीति नहीं होगी। अच्छे शेयर अक्सर लंबी अवधि में बेहतर रिटर्न देते हैं। इसलिए जब बाजार में गिरावट का दौरा आए तो घराएं नहीं, वरना नुकसान उठाना पड़ सकता है।

निवेश को ट्रैक करते रहें

जब आप कई तरह के एसेट में निवेश करते हैं, तो हो सकता है कि सभी निवेश को नियमित रूप से ट्रैक नहीं कर रहे हों। ऐसे में बाजार का रुझान बदलने पर सटीक प्रतिक्रिया देना मुश्किल हो जाएगा। इसलिए यदि आप अपने निवेश को ट्रैक नहीं कर पा रहें तो एक विश्वसनीय वित्तीय सलाहकार की मदद लें। इसके बाद अपने निवेश को ट्रैक करते जाएं। नुकसान का खतरा काफी हद तक कम हो जाएगा।

नुकसान में न बेचें शेयर

उतार चढ़ाव शेयर बाजार का एक अभिन्न स्वभाव है। निवेशकों को शेयर बाजार में आई गिरावट से घबराना नहीं चाहिए, बल्की उस समय कछुए कि भांति सिर छुपाकर बैठ जाना चाहिए। अगर आपने शेयर बाजार में पैसा लगा रखा है और इसमें आपको अभी नुकसान हुआ है तो भी आपको नुकसान में अपने शेयर बेचने से बचना चाहिए। क्योंकि लॉन्ग टर्म में मार्केट में रिकवरी की उम्मीद है। ऐसे में अगर आप अपने शेयर्स को लम्बे समय के लिए होल्ड करते हैं तो आपको नुकसान होने की उम्मीद कम हो जाएगी और आपको मुनाफा मिलेगा। जब बाजार में बढ़ोतरी हो आप शेयर बेचकर मुनाफा कमा सकते हैं।

स्टॉक बास्केट रहेगी सही

बाजार में आजकल स्टॉक बास्केट का कॉन्सेप्ट भी चल रहा है। इसके तहत आप शेयर्स का एक बास्केट बनाते हैं और अपने सभी शेयर्स में निवेश करते हैं। यानी अगर आप इस 5 शेयर्स में कुल 25 हजार निवेश करना चाहते हैं तो सभी में 5-5 हजार रुपये लगा सकते हैं। इससे जोखिम कम हो जाता है और आपको मुनाफा मिलने के चांस ज्यादा हो जाते हैं।

रिस्क क्षमता जांचें

वैसे भी बाजार में जब भी निवेश करने उतरें अपनी रिस्क क्षमता को जांच लें। जिस कंपनी में निवेश करने जा रहे हैं उसे एक बार जांच परख लें। कुछ वित्तीय सलाहकारों की भी मदद ली जा सकती है। इससे आपको निवेश में घाटा नहीं होगा। निवेश करने के लिए संयम और धैर्य रखना बेहद जरूरी है। इसके बाद मुनाफे से कोई नहीं रोक सकता।

- फिक्स्ड डिपॉजिट की तरह ही सुरक्षित रहेगा पैसा
- 7.75 फीसदी तक मिल रहा इस पर सालाना ब्याज
- 6 माह से 10 साल तक का मैच्योरिटी पीरियड

रिकरिंग डिपॉजिट में छोटे निवेश से बनाएं बड़ा फंड

- कम इनकम वाले लोगों के लिए भी अच्छा ऑप्शन है आरडी
- आरडी में निवेशक 100 रुपये से भी शुरू किया जा सकता हैं निवेश

जानकारी | बिजनेस डेस्क

अगर आप हर महीने एक स्मॉल अमाउंट इन्वेस्ट कर बड़ा फंड बनाना चाहते हैं, तो रिकरिंग डिपॉजिट (आरडी) आपके लिए बेहतर ऑप्शन हो सकता है। रिकरिंग डिपॉजिट, फिक्स डिपॉजिट की तरह ही एक सुरक्षित निवेश योजना है। रिकरिंग डिपॉजिट खाते को आप किसी भी बैंक और डाकघर में ओपन कर सकते हैं। इसमें आप 6 महीने से लेकर 10 साल तक के लिए निवेश कर सकते हैं। जिसके लिए आपको अलग-अलग अवधि के लिए अलग-अलग रेट्स पर निश्चित ब्याज मिलेगा।

हर महीने निवेश की सुविधा

कम इनकम वाले लोगों के लिए आरडी एक अच्छा निवेश ऑप्शन है, क्योंकि इसमें फिक्स्ड डिपॉडिट (एफडी) की तरह एक बार में एकमुश्त राशि निवेश नहीं करना पड़ता है। इसमें डिपॉजिट की जाने वाली राशि पहले से तय होती है। आरडी में निवेश की गई पूरी राशि सुरक्षित रहती है और टेन्योर की समाप्ति के बाद आखिर में ब्याज सहित वापस मिल जाती है। आरडी में पहले से ही इंटरेस्ट रेट तय होता है, इसलिए मार्केट के उतार चढ़ाव से आपके राशि पर कोई असर नहीं पड़ता है। इसलिए आरडी निवेश का बेहतरीन विकल्प हो सकती है।

कहां ओपन कर सकते हैं आरडी अकाउंट

आरडी एक तरह की स्मॉल सेविंग्स स्कीम है। कोई भी व्यक्ति बैंक या पोस्ट ऑफिस में अपना आरडी अकाउंट ओपन कर सकता है। आप जिस बैंक में अपनी आरडी करना चाहते हैं, उसमें आपका बैंक अकाउंट होना जरूरी है। इसके लिए नए सिरे से अकाउंट ओपन करने की जरूरत नहीं होती है।

कितने रुपये से शुरू करें निवेश

आरडी स्कीम में आप 100 रुपये की कम राशि से भी निवेश शुरू कर सकते हैं। इससे ज्यादा आप 10 के मल्टिपल यानी 500, 1000, 2000, 5000 या 10,000 रुपये का कोई भी निवेश कर सकते हैं। इसमें अधिकतम अमाउंट की कोई लिमिट नहीं हैं। इससमें आपको अच्छा रिटर्न मिल सकता है।

कितने साल तक करना होगा निवेश

आरडी में आमतौर पर 6 महीने से लेकर 10 साल तक का मैच्योरिटी पीरियड होता है। हालांकि, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) में आपको कम से कम 1 साल के लिए निवेश करना होगा। कोई भी व्यक्ति आरडी अकाउंट खोल सकता है। इसमें आप एक या एक से ज्यादा अकाउंट भी खोल सकते है। छोटे बच्चों के नाम पर भी यह अकाउंट खोला जा सकता है। 10 साल या उससे अधिक उम्र होने पर आप इसे खुद ऑपरेट कर सकते हैं। 3 लोग मिलकर जॉइंट अकाउंट भी खोल सकते हैं।

आरडी पर ज्यादा ब्याज देने वाले बैंक

बैंक	1-3 वर्ष	3-5 वर्ष	5-10 वर्ष
एसबीआई	7.00%	6.50%	6.50%
यस बैंक	7.75%	7.25%	7.00%
केनरा बैंक	7.03%	6.98%	6.87%
पीएनबी	7.25%	6.50%	6.50%
एचडीएफसी	7.00%	7.00%	7.00%
आईसीआईसीआई	7.10%	7.00%	6.90%

टैक्स-छूट और बेहतर रिटर्न के लिए ईएलएसएस में करें निवेश

बिजनेस डेस्क

वित्त वर्ष 2023-24 खत्म होने में महज कुछ ही दिन बचे हैं। ऐसे में अगर आपने अभी तक टैक्स सेविंग्स प्लानिंग नहीं की है तो अभी भी इसके लिए निवेश कर सकते हैं। अगर आप टैक्स बचाने के साथ निवेश पर अच्छा रिटर्न चाहते हैं तो इक्विटी लिंक्ड सेविंग्स स्कीम (ईएलएसएस) म्यूचुअल फंड आपके लिए सही विकल्प साबित हो सकते हैं। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एएमएफआई) की ऑफिशियल वेबसाइट के अनुसार, ईएलएसएस कैटेगिरी के म्यूचुअल फंड ने बीते एक साल में 44.30% तक का रिटर्न दिया है। इस रिपोर्ट के जरीये जानते हैं सबसे पहले ईएलएसएस फंड के बारे में जानते हैं और उसके बाद पिछले एक साल में सबसे ज्यादा रिटर्न देने वाले टॉप-10 ईएलएसएस म्यूचुअल फंड के बारे में।

क्या है ईएलएसएस म्यूचुअल फंड

ईएलएसएस यानी इक्विटी लिंक्ड सेविंग्स स्कीम ऐसे म्यूचुअल फंड होते हैं, जिनमें 3 साल के लिए इन्वेस्टर्स का पैसा ब्लॉक हो जाता है। म्यूचुअल फंड की इस कैटेगरी में आईटी एक्ट के सेक्शन 80सी के तहत 1.50 लाख रुपये तक निवेश पर टैक्स छूट मिलती है। हालांकि, शेयर मार्केट लिंक्ड होने के चलते इसमें एफडी या एनएससी जैसी स्माल सेविंग्स की तुलना में इसमें ज्यादा जोखिम होता है।

कम लॉक-इन पीरियड

टैक्स सेविंग एफडी, पब्लिक प्रोविडेंट फंड सहित अन्य टैक्स सेविंग स्कीम के मुकाबले ईएलएसएस म्यूचुअल फंड में लॉक-इन पीरियड काफी कम होता है। जहां टैक्स सेविंग एफडी में इन्वेस्टर्स का पैसा 5 साल और पब्लिक प्रोविडेंट फंड में 15 साल तक लॉक रहता है। वहीं, ईएलएसएस म्यूचुअल फंड में इन्वेस्टर्स का पैसा 3 साल तक ब्लॉक रहता है।

यह फायदा

हालांकि, पैसा ब्लॉक रहने का एक बड़ा फायदा यह है कि लंबी अवधि तक अनुशासित रहकर निवेश को बढ़ावा मिलता है। यही आगे आपकी वेल्थ क्रिएशन में मदद कर सकता है। 3 साल का लॉक-इन खत्म होने का मतलब यह नहीं है कि आपको फंड से बाहर निकलना जरूरी होगा, आप इसे आगे तक एक्सटेंड कर सकते हैं।

लंबे समय में एसआईपी के जरिए निवेश पर ज्यादा लाभ

अन्य इक्विटी फंड की तहर इस कैटेगरी के फंड में भी निवेश लंबे समय में ज्यादा फायदेमंद साबित होता है। इसकी वजह यह है इक्विटी फंड में लंबे समय तक एसआईपी करने से शेयर बाजार में होने वाले उतार-चढ़ाव का जोखिम कम हो जाता है। शेयर बाजार के निचले स्तर और ऊंचे स्तर का एक औसत रिटर्न बनता है और साथ ही कम्पाउंडिंग का फायदा भी मिलता है। एसआईपी को निवेश का सबसे अच्छा तरीका माना जा सकता है, क्योंकि यह नियमित आय वाले लोगों के लिए निवेश का सबसे बेहतर विकल्प है। इसके जरीये कम पैसे वाले भी अच्छा पैसा जुटा सकते हैं।

कुछ म्यूचुअल फंड स्कीम ने तीन साल में तीन गुना कर दिया पैसा

सुझाव | बिजनेस डेस्क

यदि आप भी म्यूचुअल फंड इक्विटी में निवेश कर मालामाल होना चाहते है तो आपक भी थोड़ा धैर्य के साथ कुछ म्यूचुअल फंड स्कीमों में निवेश करना पड़ेगा। हासल की दिनों में देखा गया है कि कुछ म्यूचुअल फंड ने तीन साल में ही रकम को तीन गुना तक कर दिया है। निवेशकों को 215 फीसदी तक मुनाफा मिला है। म्यूचुअल फंड निवेश करने का विकल्प है। इक्विटी म्यूचुअल फंड के जरिए निवेश कर आप इसमें स्टॉक मार्केट की तरह रिटर्न हासिल कर सकते हैं। हाई रिटर्न देने की हिस्ट्री देखकर ही यह निवेशकों में दिन प्रति दिन लोकप्रिय होता जा रहा है। इसका अंदाजा इसी बात से लगा सकते हैं कि इंडस्ट्री का कुल एसेट अंडर मैनेजमेंट दिसंबर 2023 में पहली बार 50 लाख करोड़ के पार चला गया है। अगर आप म्यूचुअल फंड में सही इक्विटी स्कीम का चुनाव करते हैं तो आप बेहतद कम समय में अपनी दौलत को कई गुना बढ़ा सकते हैं। हाल फिलहाल के रिटर्न पर नजर डालें तो कई स्कीम ऐसी हैं, जिन्होंने महज 3 साल में 3 गुना रिटर्न दिया है। हमने इस रिपोर्ट के जरीये ऐसी कुछ स्कीम की जानकारी दी है, जिनमें 3 साल में 176 से 215 फीसदी रिटर्न मिला है।

म्यूचुअल फंड इक्विटी में निवेश करने का सुरक्षित तरीका

क्वांट स्माल कैप

- 3 साल का सालाना रिटर्नः 46.48%
- 3 साल का एबसॉल्यूट रिटर्नः 214.60%
- 3 साल में 1 लाख निवेश की वैल्यूः 3,14,293 रुपये
- फंड साइजः 13002 करोड़ रुपये
- एक्सपेंस रेश्योः 0.77%

एबीएसएल पीएसयू इक्विटी

- 3 साल का सालाना रिटर्नः 43.97%
- 3 साल का एबसॉल्यूट रिटर्नः 198.72%
- 3 साल में 1 लाख निवेश की वैल्यूः 2,98,412 रुपये
- फंड साइजः 1937 करोड़ रुपये
- एक्सपेंस रेश्योः 0.68%

आईसीआईसीआई प्रू इंफ्रा

- 3 साल का सालाना रिटर्नः 41%
- 3 साल का एबसॉल्यूट रिटर्नः 180.85%
- 3 एसाल में 1 लाख निवेश की वैल्यूः 2,80,322 रुपये
- फंड साइजः 4148 करोड़ रुपये
- एक्सपेंस रेश्योः 1.30%

निप्पोन इंडिया स्मॉल कैप

- 3 साल का सालाना रिटर्नः 40.40%
- 3 साल का एबसॉल्यूट रिटर्नः 177%
- 3 साल में 1 लाख निवेश की वैल्यूः 2,76,759 रुपये
- फंड साइजः 43816 करोड़ रुपये
- एक्सपेंस रेश्योः 0.67%

आईसीआईसीआई प्रू बीआरटी 22 एफओएफ

- 3 साल का सालाना रिटर्नः 40.28%
- 3 साल का एबसॉल्यूट रिटर्नः 176.30%
- 3 साल में 1 लाख निवेश की वैल्यूः 2,76,050
- फंड साइजः 567 करोड़ रुपये
- एक्सपेंस रेश्योः 0.08%

एसबीआई पीएसयू

- 3 साल का सालाना रिटर्नः 40.23%
- 3 साल का एबसॉल्यूट रिटर्नः 176%
- 3 साल में 1 लाख निवेश की वैल्यूः 2,75,755 रुपये
- फंड साइजः 1159 करोड़ रुपये
- एक्सपेंस रेश्योः 1.1%

हाल के दिनों में बढ़ी तेजी

म्यूचुअल फंड की इक्विटी स्कीम के रिटर्न की बात करें तो साल 2023 में इनका प्रदर्शन बेहद मजबूत रहा। 2023 में घरेलू शेयर बाजार में रिकॉर्ड तेजी रही, जिसके चलते इक्विटी स्कीम्स को भी फायदा हुआ है। 2023 में सेंसेक्स और निफ्टी में 18 फीसदी और 19 फीसदी रिटर्न मिला, जबकि मिडकैप में 42 फीसदी और स्मॉलकैप में 46 फीसदी तेजी रही है। ब्रॉडर मार्केट भी मजबूत हुआ है। इसके अलावा सेक्टोरल इंडेक्स में ज्यादातर में तेजी रही। इसी के चलते निवेशकों को इक्विटी म्यूचुअल फंड में भी खासा रिटर्न मिला है।

निवेश के फायदे

फाइनेंशियल एडवाइजर भी म्यूचुअल फंड के जरिए इक्विटी में निवेश को बेहतर मानते हैं। इसका फायदा यह है कि किसी एक स्कीम में सिर्फ एक स्टॉक नहीं, बल्कि अलग अलग कंपनियों के कई स्टॉक शामिल होते हैं। ये स्टॉक अलग अलग सेक्टर या अलग अलग मार्केट कैप वाले भी हो सकते हैं, जिनका चुनाव फंड मैनेजर स्कीम के कैटेगरी के आधार पर करते हैं। फंड मैनेजर स्टॉक सेलेक्ट करते समय उस कंपनी की ग्रोथ की संभावनाओं पर भी रिसर्च करते हैं। अगर निवेशको का लक्ष्य कम से कम 3 साल या इससे ज्यादा अवधि तक निवेश करने का हो तो रिटर्न बेहतर मिलने की संभावनाएं बढ़ जाती हैं। लंबी अवधि में रिस्क भी घट जाते हैं।

रोहन बोपन्ना ने जीता दूसरा ग्रैंड स्लैम खिताब, एबडेन के साथ बने ऑस्ट्रेलियन ओपन चैंपियन, सबालेंका को एकल ट्रॉफी

एजेंसी ▶▶| मेलबर्न

भारत के स्टार टेनिस खिलाड़ी रोहन बोपन्ना ने 43 साल की उम्र में दूसरा ग्रैंड स्लैम खिताब जीतकर इतिहास रच दिया है। ऑस्ट्रेलियन ओपन के पुरुष युगल में बोपन्ना और मैथ्यू एब्डेन की जोड़ी ने शनिवार को फाइनल में इटली के सिमोन बोलेली और एंड्रिया वावसोरी की जोड़ी को सीधे सेटों में हराया। भारत के बोपन्ना और ऑस्ट्रेलिया के एब्डेन की जोड़ी ने पहली बार इस खिताब को जीता है। बोपन्ना और एब्डेन ने 7-6 (7-0), 7-5 से मैच को अपने नाम किया। दोनों ने टाइब्रेकर तक चले पहले सेट को 7-6 (7-0) से जीता था। इसके बाद दूसरा सेट 7-5 के अंतर से जीत लिया। 43 साल के बोपन्ना हाल ही में पुरुष युगल की रैंकिंग में पहले स्थान पर पहुंचे हैं। उन्हें प्रतिष्ठित पद्म श्री पुरस्कार के लिए भी चुना गया। बोपन्ना ओपन एरा में ग्रैंड स्लैम जीतने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बन गए। वह 43 साल और 329 दिन की आयु में चैंपियन बने हैं।

बोपन्ना और एबडेन का सफर

राउंड	जोड़ी को हराया	जीत का अंतर
पहला	जेम्स डकवर्थ-मार्क पोल्मैन्स	7-6(5), 4-6, 7-6(2)
दूसरा	जॉन मिलमैन-एडवर्ड विंटर	6-2, 6-4
तीसरा	वेस्ली कोहलॉफ-निकोला मेक्टिक	7-6(8), 7-6(4)
क्वार्टर फाइनल	मैक्सिमो गोंजालेज-आंद्रेस मोलटेनी	6-4, 7-6(5)
सेमी फाइनल	तोमास माचाक- झिझेन झांग	6-3, 3-6, 7-6(7)
फाइनल	सिमोन बोलेली- एंड्रिया वावसोरी	7-6 (7), 7-5

राजीव राम के रिकॉर्ड को तोड़ा

रोहन बोपन्ना का ग्रैंड स्लैम के पुरुष युगल स्पर्धा में यह 61वां मैच था। वह 19 अलग-अलग साथियों के साथ मैच खेल चुके हैं। बोपन्ना ने अमेरिका के राजीव राम के एक अनोखे रिकॉर्ड को तोड़ दिया। बोपन्ना पहला पुरुष युगल खिताब जीतने से पहले इस स्पर्धा में सबसे ज्यादा मैच खेलने वाले खिलाड़ी बन गए। राजीव राम को पहला पुरुष युगल ग्रैंड स्लैम जीतने में 58 मैच लग गए थे। बोपन्ना 61वें मैच में यह खिताब अपने नाम कर लिया।

बोपन्ना का तीसरा फाइनल मुकाबला

देखा जाए तो रोहन बोपन्ना का ये पहला ग्रैंड स्लैम मेंस डबल्स खिताब है। इससे पहले मेन्स डबल्स में बोपन्ना का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन साल 2010 और 2023 में रहा था, तब उन्होंने यूएस ओपन के फाइनल में जगह बनाई थी। इसके अलावा बोपन्ना फ्रेंच ओपन (2022) और विंबलडन (2013, 2015, 2023) में सेमीफाइनल तक का सफर तय कर चुके हैं।

फ्रेंच ओपन जीत चुके रोहन

रोहन बोपन्ना मिक्स्ड डबलस के तहत 2017 में फ्रेंच ओपन का खिताब जीत चुके हैं। तब बोपन्ना ने गैब्रिएला डाब्रोव्स्की के साथ मिलकर अन्ना-लेना ग्रोनफेल्ड और रॉबर्ट फराह को 2-6, 6-2, (12-10) से हराया था।

बोपन्ना वर्ल्ड नंबर-1

बोपन्ना ने ऑस्ट्रेलियन ओपन के अंत तक नंबर 1 स्थान पक्का कर लिया है। वहीं, बोपन्ना के सबसे सफल पार्टनर्स में से एक मैथ्यू एब्डेन का मेन्स डब्ल्स रैंकिंग में नंबर 2 स्थान पर पहुंचना तय हो गया है। मैथ्यू एब्डेन ऑस्ट्रेलियाई खलिाड़ी हैं।

आर्यना सबालेंका ने जीता लगातार दूसरा खिताब

आर्यना सबालेंका ने महिलाओं के एकतरफा फाइनल में झेंग क्विनवेन पर 6-3, 6-2 से जीत के साथ ऑस्ट्रेलियन ओपन खिताब का बचाव किया। पिछले 13 महीने में 25 साल की यह खिलाड़ी अपना तीसरा ग्रैंड स्लैम फाइनल खेल रही थी। इसमें से वह दो में जीत दर्ज करने में सफल रही। उन्होंने पिछले साल इस टूर्नामेंट के फाइनल में एलिना रायबकिना को हराया था। सबालेंका 2012 और 2013 में विक्टोरिया अजारेंका के बाद लगातार ऑस्ट्रेलियाई ओपन खिताब जीतने वाली पहली महिला हैं। वह 2000 के बाद बिना कोई सेट गंवाए यहां चैंपियनशिप जीतने वाली पांचवीं महिला हैं।

सबसे बड़ा उलटफेर, वर्ल्ड नंबर-1 नोवाक जोकोविच हारकर बाहर

24 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन नोवाक जोकोविच ऑस्ट्रेलियन ओपन 2024 के सेमीफाइनल मुकाबले में हार गए हैं। वर्ल्ड नंबर-1 जोकोविच को सेमीफाइनल में चौथी सीड इटली के यानिक सिनर के हाथों 1-6, 2-6, 7-6 (8-6), 3-6 से हार का सामना करना पड़ा। दोनों खिलाड़ियों के बीच शुक्रवार को मेलबर्न पार्क में खेला गया यह सेमीफाइनल मुकाबला 3 घंटा और 23 मिनट तक चला। पहली बार नोवाक जोकोविच को ऑस्ट्रेलियन ओपन के सेमीफाइनल में हार मिली है।

PUBLIC NOTICE

This is to inform public in general that Kotak Mahindra bank Ltd has organized an auction in below mention respect of Vehicles.

VEHICLES FOR SALE

1) TATAMOTORS TACEGOLD REG. NO. UP15FT9781-YOM-2022
2) TATAMOTORS TATAACE REG. NO. DL1LAG1796-YOM-2021
3) EICHR_VECV PRO_2110XP REG. NO. DL1GC9232-YOM -2021
4) MARUTIS MSU_CARRY REG. NO. DL1LAG1588-YOM -2021
5) TATA MOTORS TATAACE REG. NO. DL1LAJ3856-YOM-2022
6) TATAMOTORS TATA_INTRA REG. NO. DL1LAL1358-YOM-2022
7) CB_FBT_SCANIA 14_5 REG. NO. UK04PA1186-YOM-2015
8) CB_FBT_SCANIA 14_5 REG. NO. UK04PA1184-YOM-2015
9) TATA MOTORS TATAACE REG. NO. DL1LAJ9422-YOM-2023
10) TATA MOTORS LPT1109T REG. NO.UP14MT6490-YOM-2023
11) TATA MOTORS TATAACE REG. NO. DL1LAJ7709-YOM-2023
12) TATA LPT709FB REG. NO. DL1LAH5207-YOM-2022
13) TATA MOTORS TATAACE REG. NO. DL1LAH6936-YOM-2022
14) SWRJ_MAZDA SM_SAMRAT REG. NO. HR38AC1732-YOM-2022
15) TATA MOTORS TACEGOLD REG. NO. DL1LAF6036-YOM-2021
16) EICHR_VECV EICPRO2114 REG. NO. HR38AC7806-YOM-2022
17) TATA MOTORS TATAACE REG. NO.DL1LAH6936-YOM- 2022
18) TATA MOTORS TLP709G REG. NO. UP16HT6975-YOM-2021
19) SWRJ_MAZDA SML_ISUZU REG. NO. DL1LAF0168-YOM -2021
20) TATA MOTORS TATALPT710 REG. NO. DL1LAH7700-YOM- 2022
21) TATA MOTORS TATALPT710 REG. NO. DL1LAH7687-YOM-2022
22) ASHOK_LEY AL1815FBT REG. NO. UP14MT6416-YOM- 2023
23) ASHOK_LEY AL_1214 REG. NO.HR55AE9488-YOM-2018
24) TATA MOTORS T_LPT2518G REG. NO.UP14LT9509-YOM-2015

UNDER HYPOTHECATION WITH M/S KOTAK MAHINDRA BANK IS UNDER SALE IN ITS "AS IS WHERE IS CONDITION" INTERESTED PARTIES CAN GIVE THEIR QUOTATIONS WITH IN 7 DAYS AT BRANCH ADDRESS: KOTAK MAHINDRA BANK 3RD FLOOR, PLOT NO 7, SECTOR 125, NOIDA-201313 OR CONTACT : RAMAN AHUJA KOTAK MAHINDRA BANK LTD. CONTACT NO. 8377988238 EMAIL-raman.ahuja@kotak.com

खबर संक्षेप

11वें दौर में डी गुकेश दूसरे स्थान पर खिसके

विज्क आन जी। भारतीय ग्रैंडमास्टर डी गुकेश यहां टाटा स्टील मास्टर्स के 11वें दौर में फ्रांस के अलीरेजा फिरोजा के साथ ड्रॉ खेलने के बाद दूसरे स्थान पर खिसक गए। टूर्नामेंट में अब दो दौर का खेल बचा है और उज्बेकिस्तान के अब्दुसत्तारोव नोडिरबेक ने चीन की महिला विश्व चैंपियन वेंजुन जू को हराकर तालिका में एकल बढ़त बना ली है। इस जीत के बाद नोडिरबेक के 7.5 अंक हो गए हैं जबकि गुकेश उनसे आधा अंक पीछे है। ग्रैंडमास्टर विदित गुजराती ने ईरान के परहम माघसूदलू पर शानदार जीत के साथ पोडियम पर अपने अभियान को खत्म करने की उम्मीदों को मजबूत किया।

टीम इंडिया में वंदना पूनिया की वापसी

नई दिल्ली। पेरिस ओलंपिक में जगह बनाने की विफलता से उबरते हुए सविता पूनिया की अगुवाई वाली 24 सदस्यीय भारतीय महिला हॉकी टीम आगामी एफआईएच प्रो लीग मैच में ताजा शुरुआत करने की कोशिश करेगी। वंदना कटारिया की फ्रेक्चर से उबरने के बाद बतौर उप कप्तान टीम में वापसी हुई है। इसी फ्रेक्चर के कारण वह इस महीने के शुरू में रांची में ओलंपिक क्वालीफायर्स में नहीं खेल पायी थीं। रांची में भारतीय टीम का प्रदर्शन निराशाजनक रहा जिससे वह ओलंपिक में जगह बनाने से चूक गई जबकि पिछले दो चरण में टीम ने क्वालीफाई किया था।

पोप के शतक से संभला इंग्लैंड भारत पर बनाई 126 की बढ़त

टेस्ट : ओली 148 पर नाबाद, इंग्लैंड ने 6 विकेट पर बनाए 316 रन

एजेंसी ▶▶| हैदराबाद

इग्लैंड ने ओली पोप (नाबाद 148 रन) के संयम से खेले गए शतक से शनिवार को यहां पहले टेस्ट के तीसरे दिन स्टंप तक दूसरी पारी में छह विकेट पर 316 रन बनाकर भारत की उन्हें जल्दी समेटने की उम्मीदों पर पानी फेर दिया। इंग्लैंड ने इस तरह भारत पर 126 रन की बढ़त हासिल कर मैच को रोमांचक स्थिति में पहुंचाने की ओर कदम बढ़ाए। हालांकि उसके पास चार विकेट बचे हैं। पोप के साथ रेहान अहमद 16 रन बनाकर क्रीज पर मौजूद हैं।

भारत ने इग्लैंड के पहली पारी के 246 रन के जवाब में 436 रन बनाकर 190 रन की बढ़त हासिल की थी। पोप ने यहां 'आरजीआई स्टेडियम' में गजब का संयम दिखाया और तकनीकी निपुर्णता से बल्लेबाजी करते हुए भारतीय गेंदबाजों की सारी कोशिश नाकाम कर दीं जिन्हें उम्मीद थी कि वे तीसरे दिन ही इंग्लैंड की पारी खत्म कर देंगे जबकि इंग्लैंड ने 163 रन पर पांच विकेट गंवा दिए थे। लेकिन पोप और बेन फोक्स (34 रन) ने छठे विकेट के लिए 104 रन की भागीदारी निभाकर भारतीय गेंदबाजों को निराश किया। इससे मैच चौथे दिन तक खिंच गया। पोप ने स्वीप और रिवर्स स्वीप से काफी रन जुटाए। उन्होंने इंग्लैंड की पारी संभालते हुए 156 गेंद में भारत के खिलाफ अपना पहला और कॅरियर का पांचवां टेस्ट शतक पूरा किया।

पंड्या ने दमखम से शुरू किया गेंदबाजी अभ्यास

वडोदरा। भारत के अनुभवी हरफनमौला हार्दिक पंड्या ने अपने टखने की चोट से उबरने के बाद पूरी लय में गेंदबाजी करना शुरू कर दिया है। इससे स्पष्ट संकेत मिलता है कि वह इंडियन प्रीमियर लीग के आगामी सत्र के लिए तैयार हैं जहां वह मुंबई इंडियंस की कप्तानी करेंगे। पिछले साल टखने की चोट के कारण विश्व कप से बाहर होने वाले पंड्या को इंस्टाग्राम पर साझा किए गए वीडियो फुटेज में गेंदबाजी करते देखा गया। हार्दिक ने कहा, 'खेल में वापसी करके मुझे अच्छा लग रहा है।

स्कोर बोर्ड

इंग्लैंड दूसरी पारी	रन	गेंद	4	6
क्राउले का शर्मा बो अश्विन	31	33	4	1
बेन डकेट बो बुमराह	47	52	7	0
ओली पोप खेल रहे हैं	148	208	17	0
जो रूट पगबाधा बो बुमराह	02	06	0	0
जॉनी बेयरस्टो बो जडेजा	10	24	1	0
बेन स्टोक्स बो अश्विन	06	33	0	0
बेन फोक्स बो पटेल	34	81	2	0
रेहान अहमद खेल रहे हैं	16	31	2	0

अतिरिक्त : 22 कुल : 77 ओवर में 316/6
गेंदबाजी : बुमराह 12-3-29-2, अश्विन 21-3-93-2, अक्षर 15-2-69-1, जडेजा 26-1-101-1, सिराज 3-0-8-0.

केआईवाईजीः कुश्ती में पांच से चार पदक हरियाणा के नाम

चेन्नई। हरियाणा ने छठे खेलो इंडिया युवा खेलों (केआईवाईजी) में शनिवार को यहां कुश्ती में पांच में से चार स्वर्ण पदक जीतकर दबदबा कायम किया जबकि महाराष्ट्र की भारोत्तोलक आरती ततगुंती और आंध्र प्रदेश की एवी सुष्मिता ने नए राष्ट्रीय युवा रिकॉर्ड बनाए। रिकॉर्ड स्थापित करने के अलावा, तातगुंती (लड़कियों 49 किग्रा) और सुष्मिता (लड़कियों 55 किग्रा) ने भी स्वर्ण पदक जीते। तातगुंती , सौम्या दलवी (महाराष्ट्र) और पंचमी सोनोवाल (असम) के बीच तीन-तरफा मुकाबले में, स्नैच में 75 किग्रा और क्लीन एवं जर्क में 95 सहित कुल 170 किलोग्राम वजन उठाकर विजेता बनी। उन्होंने इस दौरान स्नैच, क्लीन एवं जर्क और कुल वजन का रिकॉर्ड कायम किया। इसके बाद सुष्मिता ने अपने भार वर्ग में कुल 173 किग्रा का भार उठाकर नया रिकॉर्ड कायम किया। हरियाणा पदक तालिका में सबसे तेजी से आगे रहने वाला राज्य बनकर उभरा। कुश्ती में लड़कियों के वर्ग में हरियाणा की मोनिका (46 किग्रा) और नेहा (57 किग्रा) जबकि लड़को के वर्ग में अमरजीत (51 किग्रा ग्रीको रोमन) और विनय (92 किग्रा फ्रीस्टाइल) ने स्वर्ण पदक जीते। राज्य की लड़कियों की हॉकी टीम ने मध्य प्रदेश पर 1-0 से जीत के साथ लगातार पांचवां खिताब जीता।

भारत ने द.अफ्रीका को 3-0 से हराया

केपटाउन। भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने दक्षिण अफ्रीका दौरे पर अजेय सिलसिला जारी रखते हुए मेजबान पर 3-0 से आसान जीत दर्ज की। कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने शुक्रवार रात हुए मुकाबले में दूसरे मिनट में, अभिषेक ने 13वें मिनट में और सुमित ने 30वें मिनट में गोल दागे। भारत ने आक्रामक शुरुआत करते हुए पहले ही पेनल्टी कॉर्नर हासिल कर लिया जिसे हरमनप्रीत ने ताकतवर ड्रैगफ्लिक से गोल में बदलकर बढ़त दिलाई। पहले क्वार्टर में दो ही मिनट बचे थे कि अभिषेक ने फुर्तीला शॉट लगाकर दक्षिण अफ्रीका के गोलकीपर को पछाड़ दिया और भारत की बढ़त दोगुनी कर दी।

भारतीय महिला हॉकी टीम ने फाइनल में बनाई जगह

मस्कट। भारतीय महिला टीम ने यहां दक्षिण अफ्रीका पर 6-3 की रोमांचक जीत दर्ज करते हुए एफआईएच हॉकी फाइव्स महिला विश्व कप के फाइनल में प्रवेश किया। फाइनल में रविवार को भारत का सामना नीदरलैंड से होगा। अक्षता अबासो ढेकाले (सातवें मिनट), मारियाना कुजूर (11वें), मुमताज खान (21वें), रुतुजा दादासो पिसल (23वें), ज्योति छत्री (25वें) और अजीमा कुजूर (26वें) ने शुक्रवार रात हुए सेमीफाइनल मुकाबले में भारत के लिए गोल दागे।

सीनियर राष्ट्रीय कुश्ती में 700 पहलवान लेंगे भाग

नई दिल्ली। निलंबित भारतीय कुश्ती महासंघ ने शनिवार को कहा कि पंजाब और ओडिशा को छोड़कर सभी संबद्ध राज्य इकाइयों का प्रतिनिधित्व करने वाले लगभग 700 पहलवान सोमवार से पुणे में आयोजित होने वाली सीनियर राष्ट्रीय चैंपियनशिप में भाग लेंगे। डब्लूएफआई ने दिसंबर के अंतिम सप्ताह में उत्तर प्रदेश के गोंडा में 2023 आयु वर्ग के राष्ट्रीय खेलों की मेजबानी करने की घोषणा की थी। इसके बाद खेल मंत्रालय इस निकाय को अपने स्वयं के संविधान का उल्लंघन कर चुनाव कराने के आरोप में निलंबित कर दिया था।

तन्मय ने ठोका 147 गेंद में सबसे तेज तिहरा शतक

तीन वर्ल्ड रिकॉर्ड ब्रेक
- 147 गेंद में तिहरा शतक
- 300 रन एक दिन में बनाए
- 26 छक्के से रनों का अंबार

रणजी ट्रॉफी : प्लेयर ऑफ द मैच तन्मय ने बनाए 366 रन

एजेंसी ▶▶| हैदराबाद

हैदराबाद के तन्मय अग्रवाल प्रथम श्रेणी क्रिकेट में सर्वाधिक छक्के लगाने का वर्ल्ड रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। तन्मय ने अपनी पारी में रिकार्ड 26 छक्के जड़े। प्रथम श्रेणी मैच की एक पारी में किसी बल्लेबाज द्वारा सबसे अधिक छक्के लगाने के कॉलिन मुनरो के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया।

न्यूजीलैंड के ऑलराउंडर मुनरो ने सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट्स के खिलाफ ऑकलैंड के लिए खेलते हुए प्रथम श्रेणी क्रिकेट में 23 छक्के जड़े थे। हैदराबाद ने अरुणाचल प्रदेश के खिलाफ रणजी ट्रॉफी प्लेट ग्रुप मैच के पहले दिन प्रथम श्रेणी क्रिकेट के इतिहास में सबसे तेज (147 गेंद) तिहरा शतक लगाने वाले तन्मय अग्रवाल शनिवार को 366 रन बनाकर आउट हो गए। रणजी ट्रॉफी में 26 जनवरी 2024 खेला गया अरुणाचल प्रदेश और हैदराबाद के बीच का मुकाबला इतिहास के पन्नों में दर्ज हो गया है। एक दिन के खेल में ही तन्मय अग्रवाल ने धुंआधार अंदाज में गेंदबाजों की पिटाई करते हुए ट्रिपल संेचुरी जमा दी। इस धमाकेदार तिहरा शतक को जमाते हुए तन्मय ने वर्ल्ड रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। महज 160 गेंद पर 21 छक्के और 33 चौके की मदद से इस बैटर ने 323 रन ठोक डाले। तन्मय ने 181 गेंद पर 34 चौके और 26 छक्के ठोके।

रिचर्ड्स, सहवाग का रिकॉर्ड ध्वस्त

तन्मय ने अब दक्षिण अफ्रीका के मार्को माराइस 191 गेंद पर बनाए तिहरे शतक के रिकॉर्ड को 147 गेंद पर बनाकर तोड़ डाला। इस कारनामे को वेस्टइंडीज के महान बैटर विव रिचर्ड्स ने 244 गेंद पर अंजाम दिया था। एक दिन में 300 रन बनाकर तन्मय ने भारतीय दिग्गज वीरेंद्र सहवाग को भी पीछे छोड़ दिया। 2009 में उन्होंने श्रीलंका के खिलाफ ब्रेबॉर्न टेस्ट में एक दिन में 284 रन बनाए गए थे।

पारी और 187 रन से जीता हैदराबाद

रणजी ट्रॉफी का यह मैच दो दिन में ही समाप्त हो गया। अरुणाचल प्रदेश ने पहली पारी में 172 रन बनाए। जवाब में हैदराबाद ने चार विकेट के नुकसान पर 615 रन बनाकर पारी घोषित कर दिया। दूसरी पारी में अरुणाचल प्रदेश सिर्फ 256 रन ही बना सका। इस तरह से हैदराबाद ने मैच पारी और 187 रन से जीत लिया।

डब्लूटीटीः श्रीजा की जीत मनिका और अर्चना हारीं

मापुसा। भारतीय टेबल टेनिस खिलाड़ी श्रीजा अकुला ने शनिवार को यहां शानदार जीत दर्ज करते हुए विश्व टेबल टेनिस स्टार कंटेंडर गोवा के महिला एकल क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई जबकि मनिका बत्रा और अर्चना कामत को अपने मुकाबलों में हार का मुंह देखना पड़ा। हैदराबाद की 25

वर्षीय अकुला ने शानदार फॉर्म जारी रखते हुए प्री क्वार्टर फाइनल में हांगकांग की डू होई केम पर 3-1 (12-10, 8-11, 11-8, 11-8) से जीत हासिल की। भारत की शीर्ष (38वीं) रैंकिंग पर काबिज मनिका को दुनिया की 13वें नंबर की जियाओजिन यांग से 1-3 (11-9, 11-13, 7-11, 9-11) से हार मिली। महिला एकल के अन्य प्री क्वार्टरफाइनल में बेंगलुरु की कामत को दक्षिण कोरिया की जियोन जिही से 1-3 (11-13, 11-9, 6-11, 4-11) से पराजय झेलनी पड़ी। अकुला ने इससे पहले दुनिया की 30वें नंबर की खिलाड़ी हाना गोडा को 3-0 (11-8 11-6 14-12) से पराजित किया था। मनिका ने दक्षिण कोरिया की सुह हयो वोन पर 3-1 (11-6 9-11 11-9 11-7) की आसान जीत हासिल कर प्री क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई थी।

रिदम, उज्जवल ने वर्ल्ड कप में जीता स्वर्ण पदक

एजेंसी ▶▶| काहिरा

रिदम सांगवान और उज्जवल की जोड़ी ने शनिवार को यहां 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा के फाइनल में एलमिरा कारापेयन और बेनिक खलघाटयान की अर्मेनियाई जोड़ी को 17-7 से हराकर भारत को आईएसएसएफ विश्व कप में पहला स्वर्ण पदक दिलाया। इससे पहले अर्जुन बबुता और सोनम उत्तम मस्कर की जोड़ी ने 10 मीटर एयर राइफल मिश्रित टीम स्पर्धा में रजत पदक हासिल किया। भारतीय निशानेबाजों ने अभी तक एक स्वर्ण और दो रजत पदक जीत लिए हैं। पदार्पण कर रही निशानेबाज अनुराधा देवी ने रियो ओलंपिक चैंपियन अन्ना कोराकाक्की को पछाड़ते हुए महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में रजत पदक

जीतकर भारत का खाता खोला। रिदम का यह लगातार दूसरा विश्व कप मिश्रित टीम स्वर्ण पदक है। अनुराधा की इस उपलब्धि ने भारत को ओलंपिक वर्ष के पहले आईएसएसएफ विश्व कप चरण में पहला पदक दिलाया। फाइनल में उन्होंने कजाखस्तान की इरिना युनुस्मेतोवा को पछाड़कर दूसरा स्थान हासिल किया। अनुराधा 239.9 के स्कोर से कोराकाक्की से 1.2 अंक पीछे रहीं।

भारत अंतिम ग्रुप मैच में अमेरिका से भिड़ेगा आज

ब्लोमफोंटेन। पहले ही 'सुपर सिक्स' में जगह पक्की करने वाली रिकॉर्ड पांच बार की चैंपियन भारतीय टीम के रविवार को यहां अंडर-19 विश्व कप के अपने अंतिम ग्रुप मैच में अमेरिका पर आराम से जीत दर्ज करने की उम्मीद है। भारत ने अपने पहले दो मैच में बांग्लादेश और आयरलैंड को हराया है। भारतीय मूल के खिलाड़ियों से भरी अमेरिका टीम के खिलाफ जीत हासिल करते ही भारत ग्रुप में शीर्ष पर पहुंच जाएगा। अमेरिकी को अपने शुरुआती मैच में आयरलैंड और बांग्लादेश से हार झेलनी पड़ी है। बांग्लादेश ने जहां भारतीय बल्लेबाजों को थोड़ा दबाव में रखा, वहीं उदय सहारन की

अगुवाई वाली टीम ने आयरलैंड के खिलाड़ियों के खिलाफ जरा भी गलती नहीं की। ग्रुप ए और बी से तथा ग्रुप सी और डी से शीर्ष तीन टीम 'सुपर सिक्स' के लिए क्वालीफाई करती हैं।

हरिभूमि क्लासीफाइड विज्ञापन

ज्योतिष

इंडिया के नं 1 तांत्रिक गुरु भवानी जी
खुला चैलेंज 2 घंटो में घर बैठे फोन पर गारंटिड लाभ

7 इल्मों के माहिर
आपके विश्वास का एक ही नाम
21 सालों से एक ही स्थान पर
स्पे. महावशीकरण, मुठकरनी
लवमैरिज, मनचाहा प्यार, वशीकरण ग्रहक्लेश, जादू-टोना, शादी कारोबार रुकावट, रुठे मनाना, किया-कराया पति-पत्नी अनबन, सौतन-दुश्मन छुटकारा, कोर्ट कचहरी आदि
9988289240

जॉब

☞ फ्रॉड कॉल से सावधान RELIANCE JIO 5G कंपनी में घर बैठे SMS JOB करके लड़के/ लड़कियां, गृहणियां, स्टूडेंट, कमाएं (21,500-67,500) महीना लैपटॉप मोबाइल मुफ्त नाम पता WHATSAPP करें- 9241650814

सूचना

सभी पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार-पत्र में प्रकाशित विज्ञापनों (डिस्प्ले/ क्लासीफाईड) में दिए गए तथ्यों/दावों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें और विज्ञापन के दावों की विश्वसनीयता को परखें। हरिभूमि समूह के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की विज्ञापनों के तथ्यों से सम्बन्धित कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

(धारा 82 Cr.P.C. देखिए)

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **भोला प्रसाद पुत्र प्रयाग महतो निवासी आरजेड–165, सैयद नांगलोई, छोटा शिव मंदिर के पास, पश्चिम विहार, दिल्ली** ने एफआईआर नं. **533/2017, अंतर्गत धारा 279/337 आईपीसी के तहत, थाना हरी नगर, ज़िला पश्चिम, नई दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिखकर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **भोला प्रसाद** मिल नहीं रहा है, और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **भोला प्रसाद** फरार हो गया हैं (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा है) इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि एफआईआर नं. **533/2017, अंतर्गत धारा 279/337 आईपीसी के तहत, थाना हरी नगर, ज़िला पश्चिम, नई दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **भोला प्रसाद** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **20.03.2024** को या उससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
सुश्री स्वाती भारद्वाज-II
महानगरीय दण्डाधिकार–06
पश्चिमी कोर्ट नं. 355
तीस हजारी न्यायालय, दिल्ली

DP/988/WD/2024
(Court Matter)

कर्तव्य पथ पर उतरा विक्रम लैंडर-रोवर प्रज्ञान

75वां गणतंत्र दिवस

नई दिल्ली। गणतंत्र दिवस की परेड में कर्तव्य पथ पर अलग-अलग राज्यों की झांकी निकाली गई। इस दौरान इसरो की चांद तक पहुंचने की कामयाबी की झलक भी परेड का हिस्सा बनी। इसरो की ओर से चंद्रयान-3 की झांकी निकाली गई, जिसमें विक्रम लैंडर और रोवर प्रज्ञान कर्तव्य पथ पर चहलकदमी करते हुए दिखाई दिए। इस झांकी में चंदमा के दक्षिणी ध्रुव पर रोवर प्रज्ञान की लैंडिंग को फोकस कर दिखाया गया। इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एमईआईटीवाई) की झांकी में शानदार दृश्य दिखाए गए। जिसमें एआई का प्रतीक एक महिला रोबोट वैश्विक नागरिकों पर इसके सकारात्मक प्रभाव को दर्शाता है।

देश भर से इन झांकियों को मिली सराहना

1. सीएसआईआर की झांकी में कृषि यंत्र को दिखाया गया
2. परेड में दिखा मिशन चंद्रयान-3 का जलवा
3. झांकी में एआई ने दिखाया अपना करिश्मा

विदेशों में मना गणतंत्र दिवस का जश्न

दूतावास पर बच्चों ने हिंदी गानों पर किया डांस

सात समंदर पार लहराया तिरंगा

भारत के 75वें गणतंत्र दिवस की धूम सात समंदर पार भी दिखाई और सुनाई दी। फ्रांस, रूस, कनाडा, अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया समेत अन्य देशों में भारत का तिरंगा लहराया। इस दौरान वहां के दूतावास में कार्यक्रम भी हुए। रूसी दूतावास के अंदर बच्चों ने हिंदी गानों पर डांस किया।

पाक के आरोपों पर भारत बोला झूठ फैला रहा

इस्लामाबाद। पाक के विदेश सचिव सायरस काजी ने भारत पर 2 लोगों शाहिद लतीफ और मोहम्मद रियाज की हत्या का आरोप लगाया था। जो उसके देश में वॉन्टेड हैं। आरोपों पर भारत के विदेश मंत्रालय ने इसे झूठ बताया। उसके पास कोई सबूत नहीं हैं।

फाइटर जेट इंजन की फैक्ट्री बनेगा भारत, दोनों देशों के बीच सहमति

यूएस के बाद अब फ्रांस भी 100% इंजन टेक्नोलॉजी देने के लिए तैयार

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

फ्रांस भारतीय लड़ाकू विमान के इंजन निर्माण के लिए 100 प्रतिशत टेक्नोलॉजी ट्रांसफर के लिए तैयार है। यानि, अमेरिका के बाद फ्रांस दूसरा देश बन गया है, जिसने भारत में टेक्नोलॉजी ट्रांसफर का फैसला लिया है। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुअल मैक्रों के भारत दौरे के दौरान भारत-फ्रांस के बीच कई समझौते हुए। दोनों देशों ने डिफेंस इंडस्ट्रियल सेक्टर में साझेदारी बढ़ाने पर सहमति जताई। स्कॉर्पीन-क्लास सबमरीन और उसके पुर्जों को भारत में ही बनेंगे। फ्रांस में भारत के राजदूत जावेद अशरफ ने कहा है कि भारत और फ्रांस पहले से ही सफरान और भारत का डीआरडीओ चर्चा कर रहे हैं।

फ्रांस के साथ विमान इंजन टेक्नोलॉजी ट्रांसफर डील

इस सौदे पर बनी सहमति

भारतीय राजदूत के मुताबिक, भारत जिस सौदे की तलाश में है, उसमें इंजन के वास्तविक डिजाइन, इंजन के निर्माण में इस्तेमाल होने वाले धातुओं की पहचान के साथ-साथ, तमाम तरह के तत्वों की गहराई तक पहचान करना शामिल है, ताकि भारत एडवांस इंजन का विकास कर सके। हालांकि, अशरफ ने माना, कि सौदे पर बातचीत जटिल थी और जटिलताओं से निपटने के लिए भारत की समग्र सैन्य आवश्यकता लक्ष्यों को पूरा करने के लिए सामान्य आधार खोजने की आवश्यकता थी।

भारत में राफेल के इंजन की मरम्मत-रखरखाव

दोनों नेताओं ने स्कॉर्पीन-क्लास सबमरीन और उसके पुर्जों को भारत में ही बनाने के लिए हुए समझौते का स्वागत किया। उन्होंने इस प्रोजेक्ट की प्रोग्रेस का भी मुआयना किया। साथ ही भारत में राफेल फाइटर जेट के इंजनों के लिए सफरान कंपनी की तरफ से रखरखाव, मरम्मत और इसके ऑपरेशन की फेसिलिटी तैयार करने के लिए हुए समझौते का भी स्वागत किया गया। इसके अलावा सफरान कंपनी आईएमआरएच हेलिकॉप्टर इंजन बनाने के लिए भारत की हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड के बीच जॉइंट वेंचर करेगी। वडोदरा में एच125 सिंगल इंजन हेलिकॉप्टर बनेंगे।

भारत से जुड़ना चाहता है सफरान

एयरोस्पेस उद्योग में सफरान एक प्रमुख खिलाड़ी है, जो डिजाइन डेवलपमेंट्स, प्रमाणन और उत्पादन सहित एडवांस मध्यम लड़ाकू विमान (एएमसीए) परियोजना के विभिन्न चरणों में भारतीय सैन्य अनुसंधान एजेंसी के साथ जुड़ने का इच्छुक रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक, जब यह सौदा पूरा हो जाएगा, तो यह दूसरी ऐसी व्यवस्था होगी, जो भारत ने स्वदेशी लड़ाकू विमान परियोजनाओं के लिए जेट इंजन की अधूरी जरूरत को पूरा करने के लिए की है। एएमसीए के लिए सफरान, तेजस एमके 2 के लिए घोषणा की है। वहीं, सफरान सौदा, भारत के भविष्य के डबल इंजन एएमसीए प्रोजेक्ट के लिए जेट इंजन की आवश्यकता को पूरा करेगा।

अमेरिका ने 2021 में जीवन की संभावना तलाशने के लिए भेजा था रोवर

मंगल पर पानी, नासा के रोवर से पुष्टि, 65 फीट नीचे मिले सबूत

एजेंसी ▶▶ वॉशिंगटन

मंगल ग्रह पर पानी होने के सबूत मिले हैं। अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा के मंगल ग्रह पर भेजे गए पर्सीवरेंस रोवर के डेटा से इसकी पुष्टि हुई है। रोवर को 2021 में मार्स पर जीवन तलाशने भेजा था। इसने मंगल ग्रह के जजीरो क्रेटर से चट्टानों के सैंपल इकट्ठा किए थे। जमीन के नीचे भी प्रयोग किया था। यूसीएलए और ओस्लो यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों की एक टीम को रोवर के डेटा से पता चला है कि मार्स की जमीन के 65 फीट नीचे मिट्टी के कणों में नमी है।

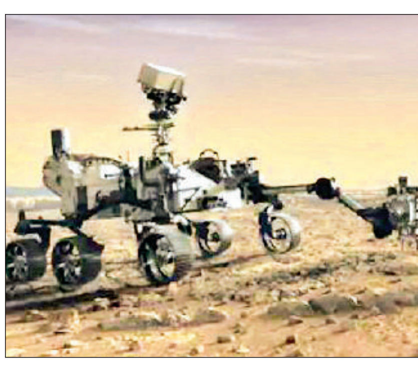

रोवर ने ऑडियो रिकॉर्डिंग भेजी थी

लॉन्चिंग के कुछ दिन बाद ही पर्सीवरेंस रोवर ने मंगल ग्रह की पहली ऑडियो रिकॉर्डिंग जारी की थी। 10 सेकेंड की इस ऑडियो क्लिप में बहुत मामूली आवाज थी। नासा के मुताबिक यह उसके पर्सीवरेंस रोवर के उतरने के बाद वहां मौजूद धूल और मिट्टी पर पड़े दबाव की वजह से पैदा हुई थी। करीब 1 महीने बाद मार्च में इस रोवर ने करीब 21.3 फीट तक टेस्ट ड्राइव की थी। इससे मंगल की मिट्‌टी पर उसके पहियों के निशान बन गए थे। नासा ने इन तस्वीरों को शेयर की थी।

रोवर का वजन एक हजार किलोग्राम

पर्सीवरेंस रोवर का वजन 1000 किलोग्राम है। पहली बार किसी रोवर में प्लूटोनियम को ईंधन के तौर पर उपयोग किया गया। यह रोवर मंगल ग्रह पर 10 साल तक काम करेगा। इसमें 7 फीट का रोबोटिक आर्म, 23 कैमरे और एक ड्रिल मशीन है।

रहने लायक था मंगल ग्रह

वैज्ञानिकों का कहना है कि ठंडा और जीवनहीन दिखने वाला मार्स कभी गर्म, पानी वाला और रहने लायक था। साइंटिस्ट्स को शक था कि जजीरो क्रेटर पर कभी पानी हुआ करता था, इसकी पुष्टि के लिए पर्सीवरेंस रोवर को यहां उतारा गया था। रोवर 18-19 फरवरी 2021 की रात मंगल पर पानी की पुष्टि और जीवन की तलाश के लिए उतरा था। इसने मार्स की सबसे खतरनाक सतह जजीरो क्रेटर पर लैंडिंग की थी। 6 पहियों वाला यह रोवर 7 महीने में 47 करोड़ किमी की यात्रा पूरी कर तेजी से अपने लक्ष्य के करीब पहुंचा था। इसके आखिरी 7 मिनट बेहद मुश्किल और खतरनाक रहे थे।

हरिभूमि कम्यूनिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक देवेन्द्र सिंह बाल्यान द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशंस, चुलियाना मोड़, दिल्ली रोड, रोहतक-124517 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 129, ट्रांसपोर्ट सैंटर, पंजाबी बाग, पश्चिमी दिल्ली, नई दिल्ली-110035 से प्रकाशित। सम्पादक : डॉ.हिमांशु द्विवेदी। आरएनआई नं 69631/1998, फोन : 011-40451115/16, 40451109